

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

**d**o 2

नर्द सिम्पी, बनिवार, जनवरी 10, 1998 (पीच 20, 1919)

No. 2] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 10, 1998 (PAUSA 20, 1919)

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संस्था की जाती है जिससे कि यह क्षतम संस्थान के कव में रहार जा खड़ी। (Separate paging is given to this Part in arrive that it may be filed as a separate complication)

# भाग III—अन्द ४ [PART III—SECTION 4]

सिविधिक रिकार्यों द्वारा वारी की गई विविध अधिसूबनाएं जितमें कि आवेश, विज्ञापन और सूचनाएं बन्मिक्ति हैं।

[Miscellaneers Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutery modies]

भारतीय रिवर्ग विक

केन्द्रीयं कार्यालय

शहरी वैक विभाग

मुम्बई-400018, विनांक 23 विसम्बर 1997

सं. क. व. व. वि. वीकार. 148/16.05.00/97-98— भारतीय रिजर्थ वैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 42 की उपधारा (6) खंड (क) के अनुसरण व भारतीय रिजर्थ वैंक एतंद्ववारा निम्निखिलित वैंकों के दिनांक 30 जनवरी 1990 सं उक्त अधिनियम की दूसरी अनुसूची म<sup>ा</sup> शामिल करने का निविध वैता है ।

- दि मापुसा वर्षन को-बापरिटव वैक लि., मापुसा, गोवा ।
- 2. वि बहमवनगर सहकारी बौक लि. मुम्बई ।
- 3. पारसिक जनता संहकारी याँक लि. ठाणै ।
- 4. दि कपील की-आपरेटिय याँक लि. मुम्बद्दें।
- 5. जनकल्याण सहकारी व<sup>क</sup>क लि. मुम्बर्च ।

एस. ए. ह्युस<sup>म</sup>न \*ार्यपालक निवासक

सरकारी और | वैना लेखा विभाग वस्बई, विनीक 17 जनवरी 1998

भारत सरकार के राज्यन में 20 मर्जल, 1946 को प्रकाशित तथा 29 मंग्रैल 1954 की प्रिष्ठमुखना सं०एफ० (8) 70/ वी/5 जोर भारत सरकार के दिनांक 21 फरवरी 1990 के प्रताद्यारण राज्यत सं० 67 के मन्तर्गत यथा संशोधित लोक ऋण मिनियम 1944 की धारा 28 के मन्तर्गत भारत सरकार धारा बनाए गए नियमों के नियम 18 के मनुसरण नवस्वर 1997 को .1-409GI/97 समाप्त माह में लिए निम्निलिखित सूची खो गई छादि ऐसी प्रतिमूतियों के बारे में एतव्हारा विशापित की जाती है, जिसके सम्बन्ध में इस बात का विश्वास करने के लिए प्रथम दण्डया आधार मौजूद है कि प्रतिमूतियों खो गई है और प्रावेदकों का दावा न्यायोगित है। नीचे लिखे गए सम्बन्धित दावेदारों से इतर सभी व्यक्ति जिनका इन प्रतिभूतियों पर किसी प्रकार का दावा हो, तत्काल मुख्य लेखाकार, भारतीय रिअर्थ बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, सरकारी और बैंक लेखा विभाग, केन्द्रीय ऋण प्रभाग, मुंबई को संसूचित करें। सूची दो भागों में विभाजित की गई है। भाग क में प्रभी पहली बार विशापित प्रतिभृतियों शामिल की गई हैं और भाग "ख" में पूर्व विशापित प्रतिभृतियों की सूची दी गई है।

		''सूर्च	ो क''		
प्रतिभूतियों का क्रमांक	म्ल्य रु०/ग्राम	किसके नाम से जारी की गई	व्याज धारित किए जाने की तारीख	डुप्लिकेट जारी करते/ भुगतान मृत्य की प्रदायगी के लिए दावेदार(रों) का/ के नाम	जारी किए गए घादेश की सुं् तथा तारीख
		राष्ट्रीय रक्षा स्वर्ण बाङ	'ए' शृंखला (चेन्नई स		
एमएस-001626	22 ग्राम	के प्रतः गोपाल कामत	20-1-1966	डी० नरसिंहकामत	जीएम डायरी सं॰ 65 दिनांक 16-10-97
		् 5 रे प्रतिशत ऋण	2000 (फलकत्ता सकिस	r)	-
सीए-010064	₹0 25000 <b>/</b> —	भारतीय रिजवें वैक	2.2वां मधं वर्ष तक का स्याज घदा किया गया है।	•	: फाइल सं॰ आई-2528 दिनांक 5-12-97 का महा प्रबन्धक का श्रादेश देखिए दिनांक 5 दिसम्बर, 1967 का डीवाई सं॰ एलसीओ 7470/-08
			'सूची ख''		
प्रतिभूतियों का कमांक	मूह्य ६०/ग्राम	किस नाम से जारी की ग <b>र्द</b>	र्गीज धारित किए अने ी नारीख	बुष्लिकेट जारी करने/ मृतकात गृहत्र को भवायगी के लिए दावेदार(रों) का/ के नाम	जारी किए ग <b>ए मादेश</b> को त ० तथा ता <b>रीख</b>
			कलकता सकिल		
			प्रतिशत ऋण 2000		
सी ०ए० 000562- 565	সবি 25,000 <b>/</b> ⊸া	ह० भारतीय रिजर्व <b>बैक</b>	20यां प्रधैवर्षतक का स्याज प्रदाकर दियागया।	दशोराइड कर्मचारी अस्तितोषिक निधि	फाइल सं ० प्राई-2518 विनांश 17-9-97 का महा प्रवस्थका का प्रावेश वेजिए दिनोक 18-9- 97 का डीवाई सं ० एल० सी० औ०- 44/97-98
सी०ए०-000590	25,000/- ৼ৹	्-वही ∽	वही	-वही-	-प्रहो <i>-</i>
सी०ए०-000613	50, 000/ <del>-</del> ₹0	-	-य <b>ही</b>	- <b>यही</b>	–वहीं–

### वित्तीय कंपनी विभाग

कसकता-700 001, दिनांफ 11 मयम्बर 1997

सं० 113 ई०डी० (जी) 97—भारतीय रिज्र्व बैंक, लोकहित में इस जात से संतष्ट होकर कि देश के लाजार्थ ऋण प्रणाली को जिनियमित करने के लिए बैंक की समर्थ बनाने के प्रयोजन हेतु अवशिष्ट गैर बैंकिंग कंपनी (रिज्र्व बैंक) निवेशावली, 1987 को संशोधित करना आवश्यक है, भारतीय रिज्र्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की छारा 45 ट, 45 ठ. 45 ठा और 45 टक हारा प्रदत्त सक्तियों तथा इस संबंध में इसे समर्थ बनाने बाली सभी शिक्तियों का प्रयोग करते हुए इसके द्वारा यह निवेश देता है कि दिनाक 15 मई, 1987 की अधिसूचना सं०डी० एफ०सी० 55/दी० जी० (ओ)—87 में निहित उपर्युक्त निदेशावली में तत्काल प्रभाव से, निम्नानुसार संशोधन किया जाये, अर्थात्—

 पैरा ग्राफ 4 क के परंतुक के अंत में रू० 80 - की न लौटायी जाने वाली राशि" शब्दों और अंकों के बाद मिम्नलिखित शब्द जोड़े जाएंगे :

''वैनिक जमा योजना के अंतर्गत प्राप्त जमाराशियों पर इस प्रकारकी राशि बसूल महींकी⁻जाएगी।''

2. पैराग्राफ 5 के प्रावधानों को निम्नलिखित द्वारा प्रति-स्थापित किया जाएगा:

अविशिष्ट गैर-वैकिंग कंपनी द्वारा 11 नवस्वर 1997 को और इस दिनांक से प्राप्त की गई अमाराशियों के संबंध में ब्याज किस्त; बोनस या अन्य लाभ चाहे किसी भी नाम से.. कहा जाए, के रूप में देथ राशि निम्नानुसार गणना की गई राशि से कम नहीं होगी-

- (i) एक मुद्रत अथवा मासिक या उससे अधिक संतराकों पर जमा की गई राशि पर 8 प्रतिशत (वार्षिक आधार पर चक्रवृद्धि ब्याज लगाना है) प्रति वर्षे की दर से ;
- (ii) वैनिक जमा योजनाओं के अंतर्गत जमा की गई राशि पर 6 प्रतिशत (वार्षिक आधार पर चक्रवृद्धि व्याज लगाना है) प्रति वर्ष की दर से ।

बगरों कि जहां अविशिष्ट गैर-बैंकिंग कंपनी जमाकर्ता के अनुरोध पर एक वर्ष की अविध की समाप्ति पर परन्तु उस अविध की समाप्ति से पहुले जिसके लिए जमाराणि स्वीकृत की गई थी, जमाराणि की वापसी अवायगी करती है, यहां उक्त कंपनी द्वारा इस प्रकार की जमाराशि पर क्याज, किस्त, बोनस या अन्य लाभ के रूप में देय राशि उस दर से एक प्रतिशत कम वी आएगी जो उक्त कंपनी क्याज, बोनस किस्त अथवा अन्य लाभ के रूप में सामान्यतः अदा करती यदि उक्स जमाराशि उस अवधि के लिए स्वीकार की जाती जिस अवधि के लिए ऐसी जमाराशि रखी गई बी।

> एस० गुरूपूर्ति, कार्यपालक निदेशक

श्रम मंत्रालय

### कार्यवारी भविष्य निश्चि संगठन

(क्लेन्द्रीय कार्यालय)

नहीं विल्ली-110066, विनास 4 विसम्बर 1997

सं. 2/1959/बी. एल. बाइ ./एकजम./89/भाग-2/3149-- पहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियांकताओं ने (जिसे इसमें इसके परचात् उकत स्थापना कहा गया है) कर्मजारी भिक्य निधि और प्रकीर्ण उण्बन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके परचात् उकत अधिनियम कहा गया है)।

मंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बाह सं संसुद्ध है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशवान या प्रीमियम की अवायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का साम उठा रहे हैं जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षंप सहबव्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य साभाँ से अधिक अनुकृत है (जिसे इसमें इसके) एहचात् स्कीम कहा गया है) ।

अतः उक्त मधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) ब्बारा प्रवस शिक्तथां का प्रयोग करते हुए तथा अम मंत्रासय, भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना मंख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के मामने दर्शायी गयी ही, के अनुसरण में तथा संस्थन अनुसूची-2 में निधिरित शतों के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रस्थेक उक्त स्थापना को जागे 3 वर्ष की अविध्य के लिए छुट प्रवान कर वी ही जैसा कि सलग्न अनुसूची-। में उनकी माम के सामने दर्शाया ही।

# अनुसूची--1

कमःसं०	स्थापना का नाम और पता	कीड गं०	सरकारी अधिसूचना की सं व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/निस्तार की तिथि	ंञ्रूट क्री तिश्वि	विस्तार तिथि ।	के० भा० नि० फाइल नं०
1	2	3	4	5	6	7
सेल्स बी, <b>ग</b> कलक	सिकरी बादसं कील प्रा० लि०, 14 कामक स्ट्रीट, स्ता–700017 बाखाएं।	डस्त्यू० वी०- 11241	2/1959/डी० एस० आर्म्स्/ 89/भाग-1/3700 विनोक 17-11-93	30-11-91	1-12-91 से 2/ 30-11-94 ड	
2. मैं० प्राप्ट काम	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		विनांक 17~11 <b>-</b> 93	30-11-91	1-12-91 से 30-11-94	2 5117 93
3. मैं ० सँग्ट स्ट्रीट	्रिष्डयास कोल टर, 14 बी, कामक ८, कलकत्ता-7000 । शाखाएं	डक्स्यू० व्याप्ट- 15207	विनांक 17~11~93	30=11-91	1-12-91 से 30-11-94	2 5119 93
सेस्य कार	नरेश कुमार कोल स स्नि॰, 14 बी, मक स्ट्रीट, कलकत्ता 10017 तथा शाखाः	11925	विनांक 17-11 <del>-</del> 93	30-11-91	1-12-91 ₹ 30-11-94	2   5 1 1 6   93
5. मैं० प्रा का	अर्जुन ऐसोसिएटस ० लि०, 14 बी, मक स्ट्रीट, कलकत्ता 00017 तथा शाखा	डब्स्यू० बी०- 14886	दिनांक 17-11-93	30-11-91	1-12-91 से 30-11-94	
6. में ० इक प्रा का	अरोरा इंजीनियरिं इस्ट्रींज (इण्डिया) ० लि०, 14 बी, मक स्ट्रीट, कलकत्ता 00017 तथा शाखा	गंडब्स्यू० की०- 1884-0 ा−	विनाक 17-11-93	30-11-91	1-12-91 से 30-11 <b>-</b> 94	2   5 1 2 2   9 3
लि कर	े हिंग्बुस्तान कॉपर ०, 10, कामक स्ट्रीर तकत्ता-700017 स शाखाएं	41	विनोक 11-1-92	12-4-94	13-4-94 से 12-4-97	2 309 88
लि ए ० क ६	एन०एस०टी०सी 10,225-सी०, ० जे०सी० बोस रो तकता-709020 गामाखाएं	12526	विनांक 11-10-92	7-1-95	8-1-95 से 7-1-98	2/613/81
লি ভা ল	े एण्ड्र यूले एण्ड कं ा∘', यूले हाज्स ८, ं० राजेन्द्र प्रकास, रानी, सतककका⊭ 00001	० डब्स्यू० बी०- 5223	दिनोक 11-1-92	17-11-94	18-11-94 17-11-91	से 2/149/78 7

1	2	3	4	5	6	7
	मैं • वेस्ट बंगाल स्टेट इलैक्ट्रोसिटी बोर्ड,विद्युत भवन, ब्लाक डी० जे०, सैक्टर-11, बिधाननंगर,-		दिनांक 5-4-95	20-5-95	21-5-95 20-5-98	6/614/84
	कलकता-700091 मैं ० एम० जी० ई० एफ० लि०, 7 बी, भिडीलटन स्ट्रीट, कलकता-700071 तथा शाखा ।	डब्स्यू० <b>/बी</b> 15731	दिनांक 17-10-92	13-10-94	14-10-94 13-10-97	2/181/78

## अनुसूची-2

- 1 जिल्हा स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिलं इसके प्रवाद नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि वायुक्त को एसी विवरणिया भेजेगा और एसा लेखा-फीला रहेगा सम्भा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि वायुक्त, समय-समय पर निधिष्ट करें।
- 2. नियंजक, एसे निरक्षिण प्रभारी का प्रत्यंक मास की संयाध्व कं 15 दिन के भीतर संवाय करोगा जी केन्द्रीय सरकार. उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के तथीन समय-समय पर निवंश करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम की प्रशासन की, जिसके अन्तर्गत सेवाओं का रखा जाना, विवरणियों को प्रस्तृत किया जाना, वीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संवाय जावि भी है, होने वाले सभी अपयों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोचित सामृहिक बीमा स्क्रीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मृहय वार्ती का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रवित्ता करेगा।
- 5. यदि एसा कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूटप्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य ही, उसकी स्थापना में नियो-जिन किया जाता ही हो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक श्रीमियम भारतीय जीवन धीमा निगम को सदस करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध नाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-बाह्यों को उपलब्ध नाभों में सामृहिक रूप से बदिध किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन नाभ उपबन्ध नाभी से अधिक बन्कून ही जी उक्त स्कीम के अधीन अनुकंध है।

- 7. सामृहिक बीमा स्काम में किसी बात के हांसे हुए भी याँव किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अभीच बंकते राशि उस राशि से कम हैं जो कर्मचारी को उस पता औं संदेय हो तो जब वह उदल स्कीम के अभीन होता सो निम्नेष्ट्रक कर्मचारी के विधिक यारिस/नाम निव्यक्तितों को प्रीतकार के रूप में दोनी राशियों के बरावर राशि का संदाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में काई भी लंगांधन संबंधित क्षेत्रीय भीषण निर्मि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के विका नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों चे हिल पर प्रतिकर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां बंदीय भीषण निर्मि आयुक्त अपना अनुमीदन दोने के पूर्व कर्मचारियों ची अपना इण्डिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना को कर्मचारी भारतीय श्रीवय कीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्क्रोम के, जिसे स्थापना, पहले ही अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम को अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाली किसी राशि सं कम हो जाये ता यह रवद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियस तारीक की भीतर जी भारतीय जीवन बीमा निगम नियस करों प्रीमियन का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपनत होने दिया जाता है तो छुट रदद की जा सकती हो।
- 11 नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये किसी व्यक्तिकम की दशा में जन मृत सदस्यों के नाम निविधिती वा विधिक वारिशों को यवि यह छूट न दी गई होती तो उच्छा कार्ज के अन्तर्गत होते, श्रीमा लाभी के संवाय का उत्तरवाधित्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निदा्शिकों/विधिक धारिसों की बीमानृत राशि संदाय सरपरता से और प्रन्थेक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमानृत राशि प्राप्त होने के एक माह के मीकर सृनिधिकत करेगा ।

ही. के हारवाह अंत्रीय अधिका निधि आयुक्त (कुकालक) सं. 2/1959/डी एल आई /भाग-1/3166—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिस इसमें इसके परचात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भिक्य निधि और प्रकीर्ण उपवन्भ अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की भारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेबन किया है । जिसे इसमें इसके परचात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

कृतिक केन्द्रीय भिवष्य निरिध आगृक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशवान या प्रीमियम की अधायगी किये जिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा श्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षंप सहबव्ध बीमा स्कीम 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल हैं जिसे इसके परवास स्कीम कहा गया है ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप धारा 2(क) क्यारा
प्रवस शिक्तमों का प्रयोग करते हुए सधा इसके साथ संस्क अनुसूची में उल्लिखित सर्ती के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त
ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली
तारीं से प्रभावी जिस तिथि ते उक्त स्थापना को संत्रीय भविष्य
निधि आयुक्त मूं पी. ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत उलि
प्रवान की हैं, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम के संजानन
की छूट प्रवान कर ही हैं।

अनुसूची -1

क्रम स्थापनाकानामऔरपता सं∘	कोड मं०	छूट की चाषी तिथि	के० भ० नि० झा०. फाइल नं०
<ol> <li>मैं ० अस्मोड़ा मैं क्नेसाइट लि०, मुख्य कायलिय, मटेला पो०</li> </ol>	यु॰ पी॰ 4481	1-5-79	15/20/96-জী एल
आफ़िस बिल्लोरी-पिन-263630 जिला अल्मोड़ा (यू० पी०)।	<del>-,</del>	30-4-82	
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		1-5-82 सें	
		30-4-85	
		1-5-85 से	
		30-4-88	
		1-5-88 से	
		30-4-91	
		1-5-91 स	
		30-4-94	
		1-5-94 से	
		30-4-97-	
2. मैं ० अतुल इंजीनियरिंग उक्तोग नुन्हें आगरा-282906	यु॰ पी॰ 14242	1-8-89 से	15-8-86
		31-7-92	
		1-8-92 स	
		31-7-95	
		1-8-95 मे	
		31-7-98	
3. में वन्त्रमा हं जीनियर्स, राम बाग, आगरा-282006	यू०पी० 3548	1-2-90 से	15-5-96
		31-1-93	
		1-2-93 से	
		31-1-96	

# अनृ**स्<b>ची**-2

ा. उक्स स्थापना के सम्बन्ध में नियंशक (जिसे इसके पदमात नियंशक कहा गया है) सम्बन्धिस क्षेत्रीय भीषण्य निर्धि आयुक्त कुं एं भी दिवरिणयां भेषंगा और एंसा लंका खोका रहेगा तथा निरक्षिण के लिए एंसी सुविधाए प्रवान करेगा जो केन्द्रीय

अधिषय निधि बायुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट कर रि

2. नियंजिक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की ममाप्ति के 15 विन के भीतर संदाय करेंगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनयम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के बन्ड के अधीन समय-बनय पर निर्देश करें।

- 3. सामृद्धिक बीमा स्कीम के प्रशासन में विसर्क अन्तर्गत लेबाओं का रबा जाना जिल्हाओं की प्रस्तुत किया जाना, जीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीधाण प्रभारी का संदाय शादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन निर्धाणन द्यारा किया जाएगा।
- 4. नियंजक, कोन्द्रीय सरकार युवारा जनुमेचित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संघोधन किया जाए, तब उसे संबोधन की प्रति सथा कर्मचारियों की शहु संबाध की भाषों में उसकी मूच्य बाक्ष का नमुनाद स्थापना के सुचना पट पर प्रविश्वत करेगा ।
- 5. यदि कोई कर्मचारी जो भीवव्य निष्य या उक्त अधिनियम के अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना को अधिव्य निष्य का पहले ही सबस्य हैं, उसकी स्थापना में नियंतिक किया जाता हैं से नियंत्रक सामृहिक बीमा के सदस्य के रूप में उसका नाम सूर्य वर्ष करोग और उसकी बाबल आवश्यक प्रीमियम आरतीय जीवन बीमा निषम की संबत्त करोग ।
- 6. यथि उन्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध साम यक्षाए जाते हैं तो नियंजक साम्हिक दीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाभी में साम्हिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए साम्हिक बीमा स्कीम के अधीन साम उपबन्ध लाभी से अधिक अयुक्त हों ची उन्तर स्कीम के अधीन अनुश्रंय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बाध के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्य पर इस स्कीम के अभीन संबंध राष्ट्रि उस राश्चि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबंध होती अब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिए/नाम कियाँचातों को प्रतिकार के रूप में होती राश्चिम के स्वावर राश्चि का संवाय करोगा ?
- 8. किस्तिक बीमा स्कीम क्षे उपक्रमी भी की की मी नंदि निर्मा संबंधित की नीय भिवज्य निर्मि आयुक्त के पूर्व जनमंदन के विना नहीं किया आएगा बीर जहां किसी मंशोधन से क्रम्बित्तियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पढ़ने की सम्भावना हो बहां की नीय भविष्य निर्मि आयुक्त अपना अनुमादन दोने के पूर्व दर्भिवारियों के अपना दिख्कोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवंश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामहिक बीमा स्क्रीम के जिसे स्थापना पहले अपना चकी है जधीन नहीं रह जाता है या इस स्क्रीम के अधीय कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी रहिंग से कम हो जाए से रहेव की जा सकती है ।
- 10. यदि किसी कारणवध उस निग्रह सारीख के भीतर शीमा निगम नियत कर प्रीमियम का संदाय करने में गसकल रहता है

और विश्विमी को व्यवगत होने विथा जाता है तो छुट रद्व की जा सकती हैं।

- 11. नियोजक व्यारा प्रीमियम हे संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सवस्था के नाम निविधितारी या विधिक वारियों को यदि यह छूट न वी गई होती हो। जबत स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा लाभां के संदाय का उसरवाधिस्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्काम के जधीन आमें वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसकें हक्यार नाम नियोशितों/विधिक वारिकों की बीमाकृत राशि संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्विनिकत करेगा।

की. के. भरवाहः क्षेत्रीय भविष्य निधि स्रायुक्त (स्.)

नर्ष विल्ली-110066, विशंक 8 विसम्बर 1997 👚

सं. 2/1959/डी. ्ज. आई./भाग-1/3175—आहां जनुसूची-1 में जिल्लांचन नियांकताओं ने (जिस् इसके पश्चात् उद्भत स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकाण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के बंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवंदन किया हैं (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

भूकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बाल से संतुष्ट हुँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशवान या ध्रीमिथम की अवायगी किए जिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की समिहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जा कि एसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षंप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गस स्वीकार्य लाभी से अधिक अनुक्ष्ण हैं (जिसे इसके परस्तात स्कीम कहा गया है)।

असः उक्त अधिनियम की भारा 17 की उपधारा 2(क) व्यारा प्रवक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रामय, भारत सरकार/केन्द्रीय भिविष्य निरिध आयुक्त की अधि-सुचना संख्या तथा तिथि जो प्रस्थेक स्थापना के नाम के सामने दर्शायों गयी है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में निर्धारित कर्ति के रहते हुए केन्द्रीय श्रीवष्य निधि आयुक्त ने उक्त स्क्रीम के सभी उपबंधों के संवालन सं प्रस्थेक उक्त स्थापना को आगे 3 बर्ष की अविष के लिए छूट प्रदान कर दी गई है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है (1)

# भनुसूची

ऋ <b>न्</b> सं ०	स्थापनाकानाम एथं पता	कोड संख्या	सरकारी प्रधिसूचना की सं०व दिनोक जिसके द्वारा छूट प्रयान विस्तार की गई	की तिथि	छूट विस्तार की तिथि	के ज्या जिल्ह्या व फाइल संख्या
1	2	3	4	5	6	7
1.	मै० मेथाडिस्ट हास्विटल, जयसिंह पुरा, मथुरा-2810 (यू०पी०)।	यू०पी०   5124 03	2 1959 ई०डी०एस० ग्राई० एकजम 89 पार्ट 1, दिनोक 13-5-93	-	1-11-93 ₹ 31-10-96 1-11-96 ₹ 31-10-99	माई॰/यू॰पी॰/93 6 6
2.	मै॰ क्वालिटी स्टील एंड ट्यूब् लि॰, बेंचकी रोड़, पो॰ ग्रा॰ माहार, 212685, जिला फ्लेस्पुर (यू॰पी॰ एवं इसकी शाखा)।	स यू०पी० <b>/4</b> 926		28-2-92	29-2-92 भे 28-2-95 1-3-95 भे 28-2-98	2  597 डी ०एल ० ष्ट्राई० यू०पी•  81
3.	मै॰ हिन्द लैम्पस लि॰, शिकोहाबाद, थू॰पी॰- 205141 ।	यू० पी ०   105	23-3-93	28-2-93	1-3-93 ₹ 29-2-96	2  259 डी ०एस० ग्राई० यू०पी०  81
4.	मै॰ रमन इलैक्ट्रिकल्स, धागरा बाई पास, मजदीक कुष्णा नगर, मथुरा2810041	यू० पी०   6213	9-9-92	31-3-93	1-4-93 श 31-3-96 1-4-96 श 31-3-99	2/5560/डी०एल० स्राई०/यूं०पी०/94
₫.	मै॰ श्रीराम होंडा पावर इक्यूपर्सेट लि॰, गांव व पो॰ खा॰ भिगवारावाया किच्वा 263148, जिला नै नीताल तथा शाखा ।	यू॰ पी०   14060	7-3-94	24-1-93	25-1-93 से 24-1-96	2 5407 বী ০एন ০ সাৰ্হ ০ যু•পী ০ 94
6.	मै॰ यू॰ पी॰ स्टेट टैक्सटाइल कार्पोरेशन लि॰, स्पिगिग मिल । काशीपुर244713, नैनीताल	यू० री०   6723	35014(80) 84- एक०पी०जी० दिनोक 6-9-84	5-9-87	6-9-87 就 5-9-90 6-9-90 就 5-9-93 6-9-93	2/1030/डी ॰एल ॰ स्राई ॰/यू॰पी ॰/84

1	2	3	<b>'4</b> .	5	6	7
8.	मै० यू०पी० स्टेट स्पिनिंग के लि०, ग्रमायन मार्ग राय बरेली (यूक्ष पि०) संबाधकर्मणी शर्मिष्	स्०पी०/६१२०१३	पं स्व 3501 ((का)) ×××एस (का) गा। वितोक 17-9-84	1 <sup>16</sup> - <sup>1</sup> 9 <sup></sup> -8 <sup>-</sup> 7	17-9-97 16-9-90 17-9-90 16-9-93 17-9-93	2/1060/डी व्एलव मार्ड / यूव्पी व 84
9.7	मै० तेज स् फैंक्टरी, जान मिल्स तं ९ 3, जानी मंडी, श्र ा~28 2 004 ।	यू∘पी <i>ः∤,</i> 9€07	एस॰ 35014(279)83 पी॰एफ॰ 11विंगिक 28-11-83	27-11-86	28-11-86 就 2 <b>%</b> -11-89 28-11-89 就 27-11-92	2/962'डी॰एल॰ माई॰/यू॰पी॰/83

# अनुसू**ची**-2

- 1 उक्त स्थापमा के संबंध में भिन्ना की विश्व इसकी वश्यात च्रियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणियो भेजेगा और ऐसा संबा-अंखा रखेगा तथा-निर्मित के सिंह ऐसी सुविधार प्रकान कर या कि स्विधिय प्रकान कर ।
- 2 नियंजक एसं निर्वाक्षण प्रभारी का प्रत्येक निर्वाक्षि हवाकि को 15 विवनको भीतर संबंध करणा जो केक्क्षि सरकार अकतः स्थितिकभ करिश्वरा 17 की सम्बद्धा (2-क) के बंड के स्थिति समय-समय पर निर्वाह करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीन के प्रवासन में जिसके बंतर्गत नेका की रखा जाना विवरणियां को प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमिक्क का संदाय लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभारी का संदाय आवि भी है, होने वाल सभी व्ययों का वहन नियाजक द्वारा किया जाएगान्।
- 4. नियंजिक, केन्द्रीय सरकार वशारा अनुसंवित सामृहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संबोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा धर्मवारियों को बहुं-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बालों का अनुवाद स्थापना के सूजना पट्ट पर प्रविश्वित करेगा।
- 5. यांच कोई एसा कम्बारी जो भविष्य निर्मि या उत्त किभीनगम के अधीन छाट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निर्मि का पहले ही सबस्य हैं, उसकी स्थापना में निर्मिणन किया जाता हैं तो निर्माणक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसकी गाम नरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवष्यक प्रीमियम भार-नीय जीवन बीमा निगम को संबत्त करेगा।

- कि विकित्यक्त स्कीम के अधीन कर्मचिरियों को उपलब्ध साम गुरु जाते हों ते निर्मात्रक सम्मृहिक कीमा स्कीम के आधीन कर्म-चिरियों को उपलब्ध लाओं में सामृहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबंध साभी से अधिक अगुकृत हो जी उम्लेशस्कीम के अधीन अनुष्य हो।
- 7% समितिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी को में बार की मारम पर इस स्कीम के जाशीन संबंध बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले हो तो जब बहु उकत स्कीम के आधीन होता तो नियोगक कर्म नारिंग के बिकिक बारिस/नाम नियोगिक की प्रतिकार को स्थापनी पारिस/नाम नियोगिक कर्म नारिंग राशिशों के बराबर राशि का संबंध करेंगा।
- 8. सोम्हिक दोमा स्कीम के उपर्यक्षी में कोड भी मंक्षिण्य संबंधित को सम्बद्धि निष्य अपूर्वित के पूर्व अमुम्बिन के तिया नहीं किया जाएगा और जहां किसी संबंधिन से कमें विचा के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संबंधिन हो वहां क्षेत्रीय भिक्षण निष्य आयुक्त अपना अनुमावन वर्ष के संबंधिन हो वहां को अपना अनुमावन वर्ष के पूर्व का वर्ष का वर्ष के वर्ष के वर्ष के वर्ष के वर्ष के वर्ष के वर्ष की अपना अनुमावन वर्ष के वर
- 9. यदि किसी कारणंदश स्थापना के कर्मचारी भारतीय नीवर बीमा निगम की उस सामृहिक दौमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले ही अपना चुकी है बधीन नहीं यह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो रखेब की जा सकेती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश उस नियस तार सिं के भीतर जीवन की नियस कार सिंदि करने में असर्कल करते ही मियम का सिंदि करने में असर्कल करते ही प्राप्ति की व्यवस्त होने वियम जाता है तो छूट की जा सकती है ।

25%

2-129GI,97

11 वियोजक द्वारी पीमियमें के संदाय में िकए गये की धारा 17 की उपधारा किसी व्यक्तिका की दशा में उन मृत, सदस्यों के नाम निद्रािश्वाती, विश्व आयंदन किया है। िया विधिश्व विरिशी की यहि यह छूट न हो गर्दी होती ती पुल्का कहा गमा है। स्कीम के अंतर्गत हो तो, वीमा लाभों के संदाय का उत्तर्दािश्व के च्या के केन्द्रीय भविष्य नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियाँजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी रादस्य की मृत्यु होने पर उस के हकदार नाम निदंगिकतों/विविध वर्गरसों की बीआकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन वीमा निगम में बीमाकृत राशि हत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमानिगम में बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक गाह के भीतर सुनिश्चित करोगा।

डी. के. सरवाह क्षेत्रीय अविषय निधि अयुक्त (मृ.)

# दिनांक 12 दिसम्बर 1997

सा. का. मं. 2/1950/डी. एत. आई. /एक्जम/89/भाग 2/3189—जहां अन्सूची-1 में उन्लिखित निर्मायताओं ने (निर्फे इसमें इसके परचात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भीयप्य निर्मि और प्रकीर्ण उपविध अधितियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आयंदन किया है । जिसे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गमा है ।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतृष्ट हैं कि उकर स्थापना के कर्मधारी कोई अलग अंशवान या प्रीपियम की अदायनी किए बिना जीवन दीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निग्नम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं जो कि एने कर्मधारी के लिए कर्मधारी निश्नप सहबद्ध दीमा स्कीम, 1976 के अंशर्गस स्वीकार्य लाभी से अधिक अनुकूल हैं (जिसे इसमें इसके पहचात स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उदल अधिनियमं की धारा 17 की उपधारा 2(क) व्याग प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भिवच्य निधि अयुक्त की अधिमूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामगे दर्शायी गयी है, के अनुसरण में सथा रात्र्यन अनुमूची-2 में निर्धा-रित शती के रहते हुए केन्द्रीय भिष्य ने आयुक्त उदल स्कृमि के सभी जापबंधी के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्ष की अविध के लिए छूट प्रवान कर दी गई है। जैसा कि संलग्न अनुमूची-1 में उनको नाम के सामने दर्शाया है।

# अनुसूची-1

क्रम सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी अधिकारी की सं दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	० छूट ममाप्ति तिथि	छूट विस्तार तिथि	के०भा० नि० आ० प्रा० नं०
1.	मै॰ प्राटिस एलवाटीर कं॰ (इंडिया) लि॰ रहम मैसंट नं॰ 1, 42 शहीद भगत सिंह मार्ग, मुम्बई-400001 तथा शाखाएं	एम. एस/ 4154/ 2295	2/1959/डी०/एल०आई/ एक्जम/89/भाग-I दिनौंक 5-3-92	4-1-94	5-1-94 से 4-1-97	2/1125/84 కী০एল০য়াহঁ ০
2.	मैं एस बी बिलिमोरिया एण्ड कं , महर चैम्बर्स आर कामनी मार्ग, बलार्ड, (ई) मुम्बर्ट - 400038 तथा शाखाएं	'एम⊬ <b>एच.</b> 5918	दिनोंक <u>,</u> 2 <del>- 7-</del> 92	28-2-93	1-3-93 से 29-2-96	2 2125 89
3.	मैं ॰ हाचैस्ट इंडिया लि॰, हाचैस्ट हाऊस, नरियान पोइन्ट, मुम्बई-400021 तथा प्राखाएं	एम• एच• .≱544/2	566	21-9-87	22-9-87 से 21-9-90 22-9-90 से 21-9-93 22-9-93 से 21-9-96	2 54 77
4.	मै॰ मुजिक इंडिया नि॰, स्टालिग सैन्टर दूसरी मंजिल डा॰ अन्ती बसंत भाग मुम्बद – 400018 तथा शाखाएं	एम. एम. 4464	दितांका 1ूं0-12-90	28-2-93	1−3−93 से 29−2−96	
	मै०फिलिप्स इंडिया लि० 👵 🤭	एस. ए.स. 51,85	द्विनोक 6−12−8 <sub>/</sub> 2	25-11-85	26-11-85 25-11-88 26-11-88 25-11-91	26-11-91 से 25-11-91 26-11-94 से 25-11-97

### अनुसूची-2

- 1 उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियंजिक (जिसे इसके पश्चात नियोजिक कहा गया हो) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त की एसी विवर्णियां भेजेंगा और ऐसा लेखा-जोखा रखेंगा तथा निरक्षिण के लिए ऐसी सृधिधाएं प्रवान करेगा। जे केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निधिष्ट करें।
- 2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 विन के शीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय स्रकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निवां का करें।
- 3 सामूहिक श्रीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरिणयों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा श्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने बार् सभी व्ययों का वहन नियाजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक वीमा स्कीम के नियमी की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को अहु-संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुवाद स्थापना के त्चना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो शिवज्य निधि या उक्त अधि-भियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भीवज्य निध्य का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरना वर्ष करोगा और उसकी बाबत शावस्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संदत्स करोगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लीभ बढ़ाये जाते हैं तो नियांजक सामूहिक कीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सानूहिक रूप से वृद्धि किए जुम्ने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपजन्ध लाभों से अधिक अनुकृत हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुजीय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्क्रीम में किसी वात के होते हुए भी यिष किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्क्रीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्क्रीम के अधीन होता तो नियंजिक कर्मचारी के विशिक्ष वारिसों/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के वरावर राशि का संदाय करेगा।
- 8. साम्हिल बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबीधत क्षेत्रीय भिवष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमृदिन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन की के पूर्व कर्मचारियों को अपना हिल्लाण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

- 9. यदि किसी कारणवन स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन धीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अधान चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मधारियों को प्राप्त होने वाली किसी राजि से कम हो जाए तो रेंद्रें की जा सकती है।
- 10 विदेश किसी कांरणवश उस नियत तारीख के भीतर बीमा निगम जो नियत करों, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी का व्यपगत होने दिया जाता है हो छूट रह्द की जा सकती है ।
- 11. नियंजिक य्यारा प्रीमियम के सदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निदंगिशतों या विधिक वारिमों को यिथ यह छूट न दी गई होती तो उक्स स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा लाभी के संदाय का उत्तरवायिता नियंजिक पर होगा।
- 12 उनत स्थापना को सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी गवस्य की सृत्यु होने पर उसके हकतार नाम निवंधियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन दीमा निगम से बीमाकृत राशि वापत होने के एक याह के भीतर सनिधिक करेगा।

डी. के. मरवाह क्षेत्रीय भविष्य आयुक्त (मृ.)

मं 2/1959/डी एक जाई भाग-1/3200—जहां अनुसूची में जिल्ले हिन कि नियानताओं में (जिस् हमसे इसके प्रकृति जुड़ेन स्थापना कहा गया है) कर्मधारी भावव्य निधि और प्रकृति जुड़ेन स्थापना कहा गया है) कर्मधारी भावव्य निधि और प्रकृति जुड़ेन स्थापना कहा जाया है (जिसे इसमें इसके परचात जलत अधिनियम कहा यथा है)। जिसे इसमें इसके परचात जलत अधिनियम कहा यथा है। जिसे इसमें इसके परचात जलत अधिनियम कहा यथा है। जिसे इसके स्थापना के कर्मधारी की जिसे अयुक्रन इस बाय से संतृष्ट है कि जैने स्थीपना के कर्मधारी की बाम जी सामित्र की सामि

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क), ब्वारा इस्त कित्यों का प्रयोग करने हुए लथा इसके साथ संजग्न अनुसूची में उल्लिखित कर्ती के अगुसार केन्द्रीय भित्रप्य निध्ध आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित विष्ट्यी सारीय भि प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भिवष्य निधि अत्युद्धत, मदास ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत दिल प्रदान की है, 3 वर्ष की अबिध के लिए उक्त स्कीम के समानन की छूट प्रयान कर दी है।

## ्ञनुसूची-1

क्रम सं ०	स्थापना का नाम व पता	with the second	सूट क्षी प्रभावी सिथि	के०म्०नि०आ० फाइस सं०
1.	मै० सदरन ग्रुप इंडप्रा० सि०, राजा अन्तमलाई बिल्डिंग, 19 मार्शस्त रोड, एगमोर मद्रास-600008, (1 कांच)	टी क्रो   ९३०/८	14-12-96 से 28-2-189	की उपरा व अवर्ष व 114( 259)/97
2.	मै० हटसन मिल्क पूड लि०, 27, पाई काफ्टस, गार्डन रोड, ननगामबम, मद्रास-600006	टी महाक्षेत्र ६६६	1-12-94 新 30-11-97	,डो०, मुल० आई०/14 (,251) 97
3.	मैं बालमर लाशी एण्ड कं िलिं नं 32, सतागाडू विलेज मनाली, महास-62000	टी एन 16719	1-2-94 से 30-1-97	डी० एल० आई०: 1∕4(¹2∕52) 97
4.	मैं ० ब्रिस्तानी को ० अग्प ० शूगर मिस्स लि ०, त्रिरुवलानगढ़ एण्ड पोस्ट व्रिरुतानी सालुक चेनागई एम जी आर डिस्ट्रिक्ट, महास-631210	टी एन  19928	1-9-94 <sup>'</sup> से '31-8-97	'ব্যক্তিক আই০  14 ('252)  <del>9</del> 7

# अनुसूची-2

- 1. दयत स्थापना के सम्बन्ध में निमोज़क (विषये भूकतो प्रकात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भूजिक दिश्वि आयुक्त को एसी विवरणिया भंजिया और एसा लेखा जोखा रहेगा लंधा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाए प्रवान करेगा जो कोणीय भविषय निधि आयुक्त समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक एसे निरक्षिण प्रभारी का प्रत्येक भास की समाध्ति के 15 दिन के भीसर संदाय करेगा जो केन्स्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के बच्च के अधीन समय-समय पर निवांश करें।
- 3. साम्क्रीहरू बीमा स्कृषि के प्रशासन भी किस्सी कर्टार्जन सेनाओं का रखा जाना, जिन्हरणीयों को प्रस्तुत किया जाना, जीमा प्रीनियम का संदाय, लंबाओं का बन्तरण निरीक्षण, प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्यक्षे का वहन विकेचन स्वादा जिल्हा जाएगा।
- 4. निर्माणक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमंदित सामृहिक नीमा स्कीम के निर्माणकी धुक अति और क्वल्या उत्तर केन्द्रिय किया जाए, तब उस संसोधन की श्रीत स्था कर्मश्री की बहु-मंद्रवा की भाषा भें उसकी मुख्य बाह्री का अनुवाद स्थापना के सूचना पट पर प्रविश्ति करेगा।
- 5. यदि एसा कार्य क्रांस्तरिको अकिएम सितिश त्या जाइन अधिनयम के अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना को अधिन छुट प्राप्त किसी स्थापना को अधिन किसा किसा का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया किसा है तो नियोजित सामृहिक बीमा स्थाम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करोगा और उसकी यावत खाबस्यक प्रीजियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबोत करोगा।
- 6. यदि उत्तर स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपज्ञान लग्न बकाए जाते हैं तो नियोगक सामृहिक जीमा स्कीम के त्रधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए गाम्हिक बीमा स्कीम के अधीन उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकरूल नहीं जी उक्त स्कीम के अधीन अनुनय हों।

- 7. सम्मूहिक बीमा स्कीम में किसी बास के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अभीन संबंध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबंध हो ती जब जह उसत स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विकास बारिस नाम नियाजियों को प्रतिकार के रूप में बोकों राशियों के बराबर राशि का संवाय करेगा।
- क्ष. सामुहिक जीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित केलिया भविष्य निधि आयुक्त के कृष अनुसंदन के जिला महीं क्षिया जरून और कहाँ किसी अंशोधन से कार्मकारियों अके कित अप अधिकार केलिया जरून कार्मका पड़ने को क्षेत्रका हो बहुं क्षेत्रीय सविषय तिक्षित अवस्था अधिकार केलिया को अपना केलिया केलिया करें कार्मका असी केलिया को अपना केलिया स्थान केलिया केल
- 9. यदि किसी कारणवरा स्थापना के कर्मकररी भारतीय जीकन र्यामा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के जिसे रथापना पहले ही कारणा जुली ही अधीन नहीं यह खाता है या इस स्कीम के साधीन कार्मकारियों को अपकाहीने वाशी किसी राशि से कम हो अप्यान यहत की जा सकशी है ।
- 10. अधिय विज्ञी कारणमधाः उस विज्ञत तारीस के भीवत अधिम बीवा विज्ञम नियत कर अधिमग्रम का संद्रान करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत होने दिया जाता है तो छुट रदद की जा सकती है।
- 11. विकासक इतारा प्रीमियम के संवाय में किये गये बिना किसी स्यक्तिक की बाम में उन मृत सबस्यों के बाम निविधारों मा विभिन्न वारिसी को यदि यह छूट न वी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत हो तो, बीमा लामों के संदाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हककर नाम निवासितां/विधिक वारिसां की बीमाकृत राणि संवाय तत्परवा से जीए प्रत्येक दशा में आरतीय कीवन वीका निकास से बीबाकृत राणि संस्परता में आरतीय कीवन वीका निकास शे जीमाकृत राणि सत्परता से आरतीय प्रतिचत कीका विकास शे जीमाकृत राणि प्राप्त होने के एक बाह के भीतर सृतिकित करना ।

की ःकोः अस्पस्ह ःक्षनीस-शरियाम-निर्माण-क्षास्त्रकृतः (सु.(१) ना का वर्ष 2/11/95% की बर्ल काई क्षेत्रकार 1 3210 जहां अनुसूची में उल्लिखित तिगृहिताओं ने (जिस्से इसके परभात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मणारी प्रक्रिक्स किटीश और अक्तिक उपलंश अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की सुप शहर 2(क) के अंतर्गत कुट के लिख सालेशन किया है (जिसे इसमें इसके परकार उक्त अधिनियम कहा गरा है)।

्रमृतिक क्रेडिय अधिनक्यः चिकि क्रेस्यम्य हस्य व्यापाः से संस्कृष्ट हाँ कि उत्तर स्कापना क्रे अन्वविद्या क्रोडि क्राडि व्यापाः प्राव्यक्रियमम् की अध्ययनी किए विद्या जीवन बीमा क्रेडिक्य औं भारक्षीय जीवन वीमा क्रियामा की क्राम्हिक विका क्रिडिक्य क्रिडिक्य क्रिडिक्ट स्टूर्ड हाँ जीतिक एसे कर्मकारीकों के किए कर्मकारी निक्षण सहयद्भ गीमा स्कीम, 1976 के भंतिरीत स्टीकार्म लिभी पर्श अधिक अध्याल ही (लिमी इसक्रे परचात स्कीम कहा गया है)।

अतः खन्म निभिन्नाम की थान 17 की उपधारा 2(क) नवारा प्रवर्त वाश्रिक्तमाँ को प्रयोग करते हुए नथा धम संप्राजय, भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निर्मेश थायु इत की अधिसूचना रास्का तथा सिंधि जी अस्प्रेक स्थापना के नाम के सामने दलिय गयी गयी ही, के जेगे-सरण में स्था सेन्सन अंगुसूची-2 में निर्माधित कार्ती के पहले हिए केन्स्प्रेम अधिक उपलब्ध के जवत स्कीम के सभी उपनिष्यों के मंचालते से प्रयोक उपलब्ध स्थापना को आगे 3 वर्ष की अधिक के लिए छुट प्रवान कर वी गर्दी हैं जैता कि मान्य अप्रूची-1 में उनसे नाम के सामने वर्णीया हैं [1]

अन्*सूची--*I

₩H ¥io	स्थापन्।कासाम् त प्रता	कोड नंऽ	तरकारी अधिसूचा की दि०वसं० जिसके द्वारा छूटप्रकान/विस्तारकी गर्व	समाप्तिकी तिथि	्ष्ट्रकी अनिव	ते २ भि० नि० आ ० फाइल सं०
1.	मै ःसेंट कोसोफ प्रैस क्वाजिटी प्रिटर्स, काटन हिल, विस्वक्तापुरम695014	केरल 1034	2/1959/बी० एल० आफ्रि) छूट/89/पार्ट-II/52 पिनोक 3-5-91	28-2-90	28-2-93 1-3-93 %	2/3514/91/ बोट एवंट शाईट
2.	मैं ० एस० - कोद्वार लिं ०/ पो० वा०-7,एम० जीव रोड, विवेखम-695001, केरला	केरम् 1115-ए	2/1959/ভীত एलত আইত/ জুহ/৪9/पार्ट-II বিনাদ 3-4-93	30-9-93	25-2-96 1-18-92 W 30-9-96	्रिव्यक्ष्मिश्ची जीव्यक्ष्मिश्ची
3.	मै० हिन्दुस्तान लेटेक्स लि०, लेटेक्स भवन, पूजापुरा, जिकेम्हम 695012	केरल/ 3947	2 1959 डी० <b>एक</b> ० आई०  छूट 89 पार्ट-II विनोक 3-5-91	28-2-90	1-3-90-7 28-2-93	2 3509 91  ধাঁ০ দুল০ গাই০

#### ननुसूची-2

- 1. जबस स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके परनाह नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और एसा लेखा-जोखा रहोगा तथा निरक्षिण को लिए ऐसी सुविधाएं प्रधान करोगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय कर निधिय करों।
- 2 निर्यालक एके निर्यालक प्रभारों का अध्येक आस को समाप्ति की 15 विका के बीतर संवाय करेंगा जी केन्द्रीय सरकार उनके की निर्यालकी भाषा 17 की जपआरा (2—क) के खण्ड के श्रधीन समय-समय पर निर्वांश करें।
- 3. सामृद्धिक बीमा स्कीन के प्रकासन में जिसको अन्तर्गत नेदाओं का रेखा जाना, विचरणियों का प्रस्तृत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संख्या, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संख्या छाढि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक द्धारा किया जाएंगा।
- 4. निभाषक, कोन्द्रीय सरकार ब्रवारा अनुगिरित साम्द्रिक बीसा स्कीम के नियमी की एक शिंत जीर जब कभी उनमें संकोधन किया जाए, सब उसे संबोधन की श्रीत लांधा कर्मचारियों की गरु संबंधा की भाषा में उसकी मूख्य जाती का अनुवाद स्थापना के स्वता पहुंट कर प्रवित्तित करा ।

- 5. यदि मोई अभिषारी को धीना निषि या उन्हा अधिनियम के अधीन छुट प्राध्य किली स्वाप्ता की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य हो, उसकी हमाना को कियतिकत किया जाता है हो नियोजक सामृहिक वीमा के रायस के कर्ष मो उसका नाम सुरन्त वर्ष करणा और उसकी बाबन आनगा प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करणा।
- 6. यिष उन्त स्कीम के अधीन कार्यचारिकों को उनलका हाम न बढ़ाए जाते हैं तो नियाजिक साम्हिङ कीना स्कीम के अधीन कम-भारियों को उपलब्ध लाभी में साम्हिङ का से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्सचारिकों से लिए साम्हिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लागों से अधिक अनुकाल हीं की जक्त स्कृमि को अधीन अनुकाय हैं।
- 7 साम्हिक शीमा स्क्रीम में किसी बना के होते हुए भी बिस किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्क्रीय के अधीन संदोग होती जन राणि से कम है जो कर्मचारी को उस दका में संदोग होती जन बहु उक्त स्क्रीम के अधीन होता हो नियोजक कर्मचारी के विधिक शारिकां/नाम पिक्षिणों को प्रतिकार के च्यू में क्षेत्री राशियों के असकर संविक्ता संवाय करेगा

- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कांद्रें भी संजोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमादन के बिका नहीं किया जाएगा और जहां किसी संजोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभागना हो, वहां अंजीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने से वृत्र कर्मचारियों को अपना रिष्टिकोण स्पष्ट करने का सुनित्यपुक्त अवसर होगा।
- 9. चिंद किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी ग्रांश में कम हो जाए से यह स्वद की जा सकती है।
- 10. यीष किसी कारणवश नियंजिक उस नियस तारी के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियस कर, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया पाता है तो छुट रखद की जा सकती है।
- 11 नियोजक प्वारा शीमयम के गंदाय में किए गए किसी ध्यतिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशियों या विधिक वारियों को यदि यह छूट न वी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा लाभों के मंदाय का उसरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उन्त स्थापना के सम्बन्ध में नियंजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके इकदार नाम निद्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि संदार तत्परक्षा से और प्रत्यंक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से

बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक साह के भीतर सुनिधिचल करोगा।

> डी के मरवाह क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त (मृ.)

मा. का. सं. 2/1959/डी. एन. आर्ड./भाग-1/3219—जहां अनुसूची-1 में उन्लिखित नियांकताओं ने (जिसे इसमें इसकें पश्चात उकते स्थापना कहा ग्या है) कर्मचानी भिकट्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अनर्गत छूट के लिए आर्डा किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात उकत अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भिक्षण निधि आयुक्त इन बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी ट्यंड अलग अंगवान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक दीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं जीकि एमें कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षण सहस्वूध बीमा स्ट्योम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों मे अधिक अनुकूल हैं (जिसे इसमें इसके पश्चास स्कीम कहा गया है)।

अत: उनत अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क), द्यास प्रदत्त किक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संस्वन अनुसूची में उल्लिखित कारों के अनुसार केन्द्रीय भिवाष्य निधि आधुम्त ने प्रत्येक उम्त स्थापना को प्रत्येक के सोमर्न उल्लिखित पिछली तारीख में प्रभावी जिस निधि में उनत स्थापना को क्षेत्रीय भिवाष्य निधि आयुक्त, दिल्ली ने स्कीम की धारा 18 (7) के अंतर्गत ढील प्रदान की हैं, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्थीम के संचानन की छाट प्रदान कर दी हैं।

# अनुसूषी--1

ऋम सं०	स्थापना का नाम व पता	कोडनं०	छट की प्रकारी तिथि	के० भ० नि० आ० फाइल सं०
1.	मै० मुपर पुर्कल प्रा० लि०, बी~45, मायपुरी इन्डस्ट्रीयल	डी एन/2628	1-1-91 से 31-12-93	3 8 97  डी० एल०
	एरिया, नई विल्ली -110064		1-1-94 年 · 31-12-36	,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
2.	मै॰ हिमाचल फाईबर्स लि॰, 24, कम्युनिटी सेन्टर, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिस्ली-110065	डी ए ल   9132	1-10-89 英 30-9-92	3/10/97 ভী০ एল০

# अनुसूची-2

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियंजिक (जिसे इसके परवात् नियोजिक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भिष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणियां भेजिंगा और ऐसा लेखा-जीखा रखना तथा निरक्षिण के लिए ऐसी स्विधाए प्रवान करेगा अं केन्द्रीय भिविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक एंसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक बास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, इक्त अभिनियम की भारा 17 की उपभारा (2-का) के खण्ड के आभीन समय-तमय पर निर्देश करें।
- 3 सामूहिक लीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अस्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरिणयों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अंहरण, (निरीक्षण प्रभारी का संवाय आदि भी हैं, होने वाले भभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजन, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें मंधी-धन किया जाए, तब उसे मंशीधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी गूब्य बाते का अनुवाद स्थापना के सुचना पट्ट पर प्रविधित करेगा।

- 5 यिष कोई ऐसा कर्मचारी जो भिव्य निधि या उकत अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी, स्थापना की भिवष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियंजित किया जाता है तो नियंजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तूरन्त वर्ज करोगा और उसकी बाबस आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निराम की संबस करोगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जात है तो नियंजक सामितिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से वृद्धिभ किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीम लाभ उपवंध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुजय हैं।
- 7. समित्रिक धीमा स्कीम में िकसी बात के हाते हुए भी मिट किसी कर्मचारी की मध्य पर इस स्कीम के अपित संबंध राजि उस राजि में अम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबंध क्षाती जब वह जन्म स्कीम को अधीन क्षाता में नियोजक कर्मचारी के विधिक अधिसौ/नाम निद्धिता को प्रतिकार के रूप में बोनों राजियों के बराबर राजि का संबंध करेगा ।
- A. सामिहक बीमा स्कीम के लएक भी में कोई भी मंशोधन संबंधिन क्षेत्रीय भविष्य निधि आयवन के पर्व अनमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिल पर प्रतिकाल प्रभाव पड़ने की सम्भावना. हो बहां अंत्रीय भविष्ण निधि आपक्रत अपना अनमोदन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना क्षेत्रिक संवधित के पूर्व कर्मचारियों को अपना क्षेत्रिकोण स्पष्ट करने का मुक्तिस्वह अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवंश रथापना के कर्मचारी भारतीय जीवन होमा निगम की उस सामित्रक, बीमा स्कीम के जिसे स्थापना एडल् अपना चकी है अधीन नहीं रच जाता है ना इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि में क्रम हो जाये तो रदद की जा सकती है ।
- 1-0. यदि किसी कारणवंश उस नियत तारीख के भीतर श्रीवन बीमा निगम नियस कर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपमत होने दिया जाता है ती छट रदद की जा सकती है ।
- 11. नियोजक व्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मह सदस्यों के नाम निविधित या विधिक बारिसों को यदि यह छट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होती, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व दियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध भे नियोजक इस स्क्रीम हो अधीन आने वाले किसी सदस्य की मत्य होने पर उसके हकदार नाम निद्रिक्षतीं/विधिक वारिसीं को दीमाकत राशि संदाय तत्यरक्षा से और प्रस्थेक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से वीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह को भीवर मुनिश्चित करेगा।

डी. की. मरवान क्षेत्रीय भौतष्य निधि आयुक्त (सृ.)

सा. का. सं. 2/1959/जी. एत. आर्ड /एक्जम/89/ भाग 1/3227—अहां मैसम् कोलोरमा जिट्स प्रा. ति., 7-119, क्षेगमपेट, हैंदरानाद-500016 एं पी /11579 ने कर्म-नारी भिष्य निधि और ग्रकिण उपर्वंध अधिनियम, 1952 (1952 छा 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (स) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गगा है)।

चूंकि केन्द्रीय भविषय निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उदत स्थापना को कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवायनी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की साम्हिक बोमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं जीकि एसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षंप सहबस्थ बीमा स्वीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अन्कृत हैं (जिसे इसमें इसके पश्चाप स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अभिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (ख) द्वारा प्रदत्त शिक्षियों का प्रयोग करते हुए तथा इसकी साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शतों के अनुसार केन्द्रीय भिज्ञ निधि शायकत ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक से सामने उल्लिखत पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उसत स्थापना को क्षेत्रीय भिवष्य निधि आयुक्त जान्धू प्रवेश ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गस ढील प्रवान की है 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्थापन की छूट देता हूं। विनोक 1-10-94 से 30-9-97 तक।

### अनुसूची-1

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसकें प्रचात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित धंतीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवर्णियां भेजेंगा और ऐसा लेखा-ोसा रखेंगा तथा निरक्षिण के लिए ऐसी स्विधाएं प्रवान करेंगा जी केन्द्रीय भविष्क निधि आयुक्त समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उन्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के लण्ड के आधीन समय-समय पर निविधा करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत संज्ञाओं का रज्ञा जाना, विवरणियां का प्रस्तृत किया जाना, वीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का शंतरण, (निरीक्षण प्रभारी का संवाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक दवारा किया जायेगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय भरकार व्यारा अन्मोदिश साम् हिक थीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संगीधन किया जाए, तब उस संजोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मह्य बार्ती का अनुवाद स्थापना कें स्चना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि काई कर्मचारी जो भिष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छाट प्राप्त किसी स्थापना की भिष्य निधि का पैक्ष हो सदस्य हैं, उसको स्थापना में नियोजिस किया जाता है तो नियोजिक सामृहिक बीमा स्क्रीम के सदस्य के रूप में उनका नाम त्रन्त वर्ष करेगा और उसकी बाबन आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदस्त करेगा ।
- 6. यदि उक्स स्कीम के आधीन कर्मणारियों को उपलब्ध लाभ बढाय जाने हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के आधीन कर्मणारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप में विदेध किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मणारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपवस्थ लाभों से अधिक अनुकुष हों जो उस्त स्कीम के आधीन अनुक्रेय हैं।

्री साम्पीहक बीमा प्रितिन में किसी बात के हाते हुए भी सिद किसी कर यहारे की कृष्य पर इसे एकीम के आधीन संदर्भ राधि से यह हो जो के प्रवास के उसे रहा की किसी जब बहु उसके स्ट्रिंग के वामित होता की उसे रहा की निभीजक कार्मचारी की विभिन्न मिर्मिक किसी जा किसी के उसके में सिनी सिद्धिक के उसके मानि के प्रवास के किसी सिनी के उनके मानि के उसके मानि के प्रवास के किसी के उनके मानि के प्रवास के प्रवास के किसी के उनके मानि के प्रवास के प्रवास

हैं साम्मृद्धिक नीय एक्ट के कि एक्ट भी में कोई भी संशोधन समिद्धिक के किय किएक कि कि के अनुमादन के जिना नहीं किया जारेगा घर कर्ज क्षियों संशोधन से कर्मचारियों के निहर पर प्रतिकाम प्रभाक पारी की सम्भोजना हो वहां क्षेत्रीय भीक्षिय निश्चि आयुक्त अनुसे अनुसेदन होने के पूर्व कर्मचारियों को अपना टिप्ट नरिण क्षेत्र करने का युक्तियुक्त अवसर देणा।

की पंचित्र विक्री कर विकास का ता के क्षेचारी भारतीय जीवन बीमा विकास की उन कांक्रिक धीप स्वीम के जिसे स्थापना पहले अपने कुळी हैं जिथीन वहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन क्षेप्यारियों की प्राप्त होने पार्च कियी गांक से कम हो जाये. तो रहें नी जा कुकती हैं।

0. यदि किसी कारणांच उस नियत तारीख के भीतर जीवन डीमा नियम जियक करों मीनियम का संदाय करने भी असकत रहता है और पालिसी को व्यापमत होते दिया जाता है ती खूट रहा की पा सकती है।

े। 1. नियोजक व्यास भी भएम के संवाय में किये गये किसी व्यक्तिकाम की देशा में उस यह संवस्थे के नाम निविधिकार्ति या किसी किये की किसी की उस उस के नाम किसी ती उस स्कार में की मही होती ती उस स्कार के संवाय का उस स्वीय के निविधिक का उस स्वीय के निविधिक के स्वाय का उस स्वीय के निविधिक पर होगा।

्रे प्रयत्न स्थापना के सम्बन्ध में नियाजक इस स्कीम के स्थीन आने वाले किसी संदस्य की मृत्य हीने वर उसके हकतार निम किसी किसी स्थापना की नीमाकस राशि संयाध तस्परता

से जीर प्रत्येक वचा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत यशि प्राप्त होने के एक शाह के भीतर सुकिरिकांत करणा।

> ्की. कें. मरवाह अभिकासिका निधा वायुक्त (मृत्र)

सा का ते - 2/1959/डी एस काई /भाष-1/3234-जहां अनुसूची । में उरिलेकित निकीपतांजों से (जिसे इसमें इसके प्रकार उपस स्थापना कहा नहीं है) कर्मणांची भविष्य निधि और प्रकार उपयोग जिसे मिथि और प्रकार उपयोग जिसे किया । 1952 (1962 का 19) की भारा 17 की उपभारा 2 (क) के बंतर्गत छूट से लिए आवंदन किया है (जिसे इसमें इसके परचात् उप अधिनियम नहां गया है)।

चिक केन्द्रीय भीवच्य निष्णि आब्वत इस बाध से संस्कृट हुने चिक्र उदल स्थापना के कर्मचारी कोई अलग शंकदान वा प्रीमियम की अविधान किए विचा जीवन बीमा के क्या में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृद्दिक दीनों स्कीम का लाभ उठा रहे हुने जीकि एसे कर्मचरियों के लिए कर्मचर्य निव्धि सहब्द्ध विका स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य सम्भीन के अपना स्वीमा का भाषा अपना अपना स्कीम, विभिन्न अपना स्वीमा स्वीमा कहा गया हुने ।

अतः जनतः अभिनिम्नमं की. धारा 17 की जुपेग्रा 22 (क), द्वारा प्रवत्तः शिक्तमा का प्रयोग करते हुए तथा इसके सम्भ संलग्ने अनुस्यो में उल्लिखित वार्ती के अनुसार केन्द्रीय भीग्रिय निर्मिश्व अक्तूबर में प्रस्थेक उपलिख्या करते के अनुसार केन्द्रीय भीग्रिय निर्मिश उपलिख्या को प्रस्थेक उपलिख्या को प्रस्थेक उपलिख्या को प्रमित्र भीग्रिय विभिन्न के प्रस्थेक स्थापन को भोग्रिय भीग्रिय विभिन्न का क्ष्में के स्थापन को भीग्रिय विभिन्न का प्रस्थेक के स्थापन की स्थापन कर यो हो ।

मनस्थी---Iः

نيرية بنويمينين ما مصمة ك <sub>ا</sub> ر محاد ديكيات الناب البيار		*	<del></del>	
∼. स्थापना का नाम और प्रता	क्येश न ०		स्टू <del>ट निर</del> क्षणायीः विक्रम	्रोहें के भी कर सिंह के आहा है। सामित में के
मै० ब्रारविन्द इण्डस्ट्रीज,		जी <b>• जे •   4438-सी</b>	1-7-91	প্রতি সামতি ঐত
	विगगर रोड		ં ભેંભ 3 <del>.9 કન્</del> 9.4	
			1-7-9.4	•
			-	
मैं ० इण्डस्ट्रीयन स्रावसी तन कम्पनी लिंक,		<b>জী</b> ৹   10017	T-4-92	· 4  1 1  9 7  जी ० जे ०
प्रह्मदाबाद382445 ।			4 31 <del>~</del> 3 <b>~9</b> 5	
,			1-4-95	
मै ० रोल्स एण्ड रिटेनमें प्रा० लि॰, 217,गुजे० विपरी जहांमण्डल इ <b>ण्डस्टीयल ए</b> ण	रेट. प्रोयवः	কী•জ ∘∱23 <b>2#</b> 0	1-3-93	4 7 97 अं विव
म्रह्मदाबाद382 <sup>4</sup> 15 ।			29-2-96	
				<b>;</b>
			7	
	राजकोट-360003 (गुजरात)।  मैं ० इण्डस्ट्रीयन प्रावसी गन कम्पनी जिल्, ए-1/15, जी ० आई० डी० सी० वटवा, प्रह्मदाबाद382445।  मैं ० रोल्स एण्ड रिटेनमें प्रा० जिल्, 217,गुजर बगरी बहामण्डल, इण्डस्ट्रीयलप्र	स्थापना का नाम और प्रता की की ह तं ०  मैं० अरिवन्द इण्डस्ट्रीज, आई० एस० पी० एल० रन्डस्ट्रीज के सामने, भावगगर रोड राजकोट-360003 (गुजरास)।  मैं० इण्डस्ट्रीय मुआवसी जन कम्पनी लि०, ए-1/15, जी० आई० डी० सी० वटवा, अहमदाबाद382445।  मैं० रोल्स एण्ड रिटेनमें प्रा० लि०, 217,गुजरु वगरी यहामण्डल, इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, भोषव,	मैं० अरिवन्द इण्डस्ट्रीज, जी०जे०/4438-सी आई० एस० पी० एल० रन्डस्ट्रीज के सामने, मादगगर रोड राजकोट-360003 (गुजरात)।  मैं० इण्डस्ट्रीप मु प्रोक्सी गन कम्पनी लि०, जी०जे०/10017 ए-1/15, जी० आई० डी० सी० वटवा, प्रहमदाबाद382445।  मैं० रोल्स एण्ड एटेनमें प्रा० लि०, जी०जं०/23280 217, गुजर बनारी जहां मण्डल, इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, कोव्यव,	स्थापना का नाम और प्रता क्येंड न ० क्येंड क्

# अनुसूची-2

- 1 उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियंजक (जिसे इतके प्रधात नियंजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भीवव्य निधि व्यायस्त को एसी विवर्णायां भेजेगा और एसा लेखा-जीखा रखेगा तथा निरीक्षण के निए एसी स्विधाएं प्रदान करेगा जो केंद्रीव भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निरिष्ट करें।
- 2. निर्मेशक, एंसे निरक्षिण प्रभारी का प्रत्येक भास की समापित की 15 दिन के भीतर संदाय करोगा जो केन्द्रीय मरकार. उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) से सम्बद्ध के अधीन समय-समय पर निद्धिश करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्केमि के प्रशासन के जिसके अंतर्गता लेकाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेकाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय जाबि भी हो, होने माले सभी व्ययों का वहन नियोजक दुरुष्ट किया लागेना।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमीदित साम्हिक कीमा स्कील के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारी की बहु संख्य की भाषा में उसकी मृख्य बाती का अनुवाद स्थापना के सुचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जा भिवच्य निधिया उत्तर अधिनियम के सधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही रावस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सामहिक बीमा स्कीम के संदस्य के रूप में उसका नाम तूरने दर्ज करणा और उसकी बादस आवश्यक प्रीमियम भार- सीय जीवन बीमा जिस्सा को संदस्त करणा।
- 6. यथि उक्त स्कीम को अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हों तो नियाजक साम्हिक बीमा स्कीम को अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध साभी में सामहिक रूप से बदिध किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामहिक बीमा स्कीम के अधीन उपबंध लाभी से अधिक अन्कूल हों जी उक्त स्कीम के अधीन अनक्षेप हों।
- 7. सामहिक शीमा स्कीम भें फिसी बान के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मत्यू पर इस स्कीम के अधीन गंधेय राचि उस राचि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबोध होती जब वह उक्त स्कीम के आधीन होता तो निर्मालक कर्मचारी के निधिक/वारिस नाम निर्धिशितों की द्रिविकार के रूप में दोनें राचिमों के दरावर राचि का संवार्य करोगा।
- 8. सामहिक वीमा स्कीम को उपबंधों में कोई भी मंद्रोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व बनमानन के बिना गहीं किया जाएगा और जहां कियी मंद्रोधन से कर्मचारियों के हित एक पितक ए प्रभाव पढ़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कपना अनुमंदन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दिख्कोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर होगा।

- 9. यदि किसी कारणवंश स्थापना के कर्मधारी भारतीय श्रीवन नीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले बपना खुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के आधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रबुद की जा सकती है ।
- 10. यदि किसी कारणवश उस नियस तारीस के भीतर जीवन बीमा निगम नियस करे, 'प्रौभियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी की व्ययगत होने पा जाता है तो छूट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए विना किसी जीनकम की बचा में उन मृह सदस्य के नाम निवासितों या विभिन्न वारिसी की यदि एवं छुट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरहायिस्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोगक इस स्क्रीम के आधीन आने वाले किसी सबस्य की मृत्यू होने पर उसके हानवार माम निवाधिकों/विधिक बारिसों की बीमाकृत राशि संबाध सस्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिध्यत करोगा।

ही. के. बरवाह क्षेत्रीय भविषय निधि आयुक्त (यु.)

सं. 2/1952/डी. एल. आई /एकजर/89-भाग-2/3243--जहां अनुस्पी-1 में उिल्लिख निर्मायतामें ने किसे इसमें इसके परचात उक्त स्थापना कहा गया हैं। कमेंचारी भविष्य निध और प्रकर्ण उपवंध क्षिमियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के लंहर्गत छूंट के जिस्तार के लिए बार्वबन किया है। जिसे इसमें इसके परचात् उक्त अधि-नियम कहा गया है।

बांकि कोदीय भिष्ण निधि आयंत्रत इस बाह से संहष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मबारी कोई अलग नंशवान या प्रीमियमा की अवायंगी किए किना जीवन बीमा के रूप में भारतीय लीवन बीमा निगम को नामकिक कीमा स्क्रीम का लाभ उठा रको हो। जेकि एसे कर्मबादी के लिए कर्मबारी निश्लेष सङ्गद्ध बीमा स्क्रीम. 1076 के अन्हर्गह स्वीकार्य लाभों में अधिक अन्कृत हैं)। जिसे इसमें इसके एक्सर स्क्रीम कहा गया है।

अतः उक्त किपिन्यम की धारा की ज्यागा १ (क) बनारा प्रदक्त समिन्यों का प्रयोग करते हाए सथा श्रम मंत्रालय. भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय सरकार की किपान की सामित्रक की मां स्कीम का लाभ तहा उने के लिक स्चान सं. सथा दिथि जो प्रत्येक स्थानमा के नाम के सामि कार्मी गांगी है, के जनसरण में सथा संस्थान अनमणी-2 के जिम्मित्र कि रहते हाए केन्द्रीय भविष्य दिश्य के उक्त स्थान के गांगी उपानी के संस्थान से प्रत्येक जवह स्थान को नाम के सामित्र की स्थान की सामित्र की

3-409 G1/97

			त्रनुस् <b>ची</b> —1			,
कम सं∘	स्थापना को नाम श्रीर पता	कोड नं ०	सरकारी श्रीघ- सूचना की स० व दिनांक जिसके द्वारा छुट प्रवान विस्तार की गई	ँ निधि	छूट विस्तार निथि	के० भ० नि० श्री फाइल नं०
1.	मै॰ ब्रेगलारे बापिटिंड्ट हॉस्पिटल, बिलारी फॉर्ग हेम्बल, बैगसोर-560024।	के॰एन॰ 5995	2/1959'डी ० एल ०झाई० एक्जम 89/भाग-1, दिनाम 17-11-93		1-1-91 31-12-93 1-1-94 ₹ 31-12-96	2   6   के ० एन ०   95
2.	मै • भारत इजै क्ट्रोनिक्स लि •, जालाहाली पोस्ट, बैगलोर—-560013 ।	के ∘ एत ∘ 946	एस-35014(43) व 79-80 चिनांक 5-11-79		*	2   4 1 ंक ० एन ०   7 8
3.	मै॰ मेसूर जिला कौपे ॰ मिल्क ब्रोड्यू ससं सोसायटीज यूनियन लि निदार्थ नगर,टी नर्सीपुर मार्ग, मैमौर570011 तथा गाखाएं		एस-35014 2 265/86-88- -।। दिनोक 3-12-86		27-11-88 स 26-11-91 27-11-91 26-11-94 स 26-11-97	2   564   81

### अनुस्ची-2

- 1 उसते स्थापना के कंडिंध में नियोषक (जिसे इसके परचात् नियोषक कहा गया हैं) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य हिनीध आयवत को एसी विवरणियां भंजेगा और एसा लंखा-जोसा रखेगा तथा निरक्षिण के लिए एसी सुविधाएं प्रवास करेगा जो केन्द्रीय भेजिय निर्धि आयूत्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक एसे निरक्षिण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधास (2-क) के खण्ड के करीन समग्र-समग्र पर निद्धा करें ग
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रवासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विश्वरणियी का प्रस्तृत किया जाना, बीमा जीमियक का संवाद, संखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी

का संवाय आवि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजन वृवारा किया जायेगा ।

- 4. नियोजक, कोन्द्रीय रास्तार द्वारा अनुभीदित सामृहिक बीमा रकीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन को प्रति तथा कर्मचारियों की वह संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यिष कोई एसा कर्मचारी जी भीवष्य निधि या उक्ते किमिनयम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भीवष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता ही तो नियोजिक सामृद्धिक बीमा स्कीम के सपस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ष करेगा और उसकी बाबक आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निग्नम को संदत्त करेगा।

- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध साथ बढ़ाए जाते हो तो नियोजक सामृहिक बाम स्काम के अधीन कर्म-चारिया का उपलब्ध लागा में सामृहिक हुए से शृष्य किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपबन्ध लागा से अधिक अनुकूल हों जी उक्त स्कीम के अधीन अनुक्रीय हैं।
- 7, सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यूचि किसी कम चारा की मृत्यू पर इस स्काम के आधीन गव य राशि उस राशि से कम है जो कमचारी को उस वशा में संबंध होती जब यह उक्त स्कीम के आधीन होता हो नियोजक कमचारी के विधिक/ वारिस नाम निविधितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संवाय करगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भिवष्य निधि आधुक्त के पूर्व अनुमादन के धिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां क्षेत्रीय भिवष्य निधि आधुक्त अपना अनुमोदन दोने हो पूर्व कर्मचारियों को अपना इण्डिकोण स्पष्ट करने का युक्तिय्वत अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना को कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृश्विक बीमा स्काम को जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कोम को अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राश्वि से कम हो छापु हो रहेव की जा सकती है ।
- 10. यदि किसी कारणवश उस नियत नारीख के भीतर जीवन बीमा निगम नियत कर ग्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यप्गत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है ।
- 11. निशीषक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए बिना किसी व्यक्तिकम की दका में उन मूल सदस्यों के नाम निवािकतों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते तो बीमा लाभों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।
- उन्तर स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधीन आने बाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हुकवार

नाम निवासिं/विधिक वारिसी को बीमाकृत राशि का संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवृत बीमा निगम से बामाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्निश्चित करेगा।

> डी. के. मरवाहुः क्षेत्रीय भविष्य निधि आगुक्त (मृ.)

गं. 2/1952/डी. एस. आई. /एकजम/89/भाग-2/3252—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार की लिए आवेदन किया हैं। जिसे इसमें इसके पश्चात उक्तअधि-नियम कहा गया है।

चू कि केन्द्रीय भिष्य निधि आयुक्त इस बाह से संहुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंद्रवान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का ताभ उठा रहे हैं जिकि एसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निर्भप महबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृष हैं)। जिसे इसमें इसके परचात् स्कीम कहा गया है।

जतः उक्त अधिनयम की धारा के उपधारा 2(क) ब्वारा प्रवक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा अम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भीवच्य निधि आयुक्त को उधि-सूचना में. तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने ध्यायी गयी है, के अनुसरण में तथा संज्ञान अनुसूची-2 के निर्धारित कर्ती के रहते हुए केन्द्रीय भीवच्य निधि ने उक्त स्कीम के समी उपाधी के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थारना को आगे 3 वर्ष की अविध के लिए छूट प्रदान कर वी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने वर्धाया है ।

		•-	अनुसूची −I		-	
 <b>ऋ</b> ऽसं	स्थापना का नाम ग्रीरणता	. को ड नं ०	सरकारी ग्रधि- सूचना की सं० व विनोक जिसके द्वारी छूट प्रदान विस्तार की गई	ř	छूट विस्तार तिथि	केंo भ० नि० द्वा फाईलसं•
1.	मै० प्रतीक्ष रिनास्य इंजीनियरिंग काक्षेत्र होस्टल मैस सुर्यकल (इति के०) श्रीनिवासनगर 574157 मैगलोर ।	के०एन० 5036	2/1959'डी ० एल० भ्राई० एक्प्रम 89 भाग-1 दिनोक 7-4-93	31-12-91	से 31-12-94 1-1-95 से	2/4075'डी० एस० ग्राई०/92
2.	मै॰ मतीराल इंस्टीट्य्ट ग्राफ टेक्नोलोजी मनीपाल576119 क्षी०फे० ।	के०एन० 8208	दिन कं 9−5-94	31⊬3-93	31-12-97 1-4-93 से 31-3-96 1-4-96 से 31-3-99	2  4660  92

### नन्स्मी-2

- 1. उत्तर स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके वर्षणात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविषय निर्मित्र बायुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसा लेखा-जाना रखेगा तथा निरीक्षण को लिए ऐसी जुनियाए प्रदान करना जो कोन्द्रीय अविषय निधि बायुक्त, समय-श्रमय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियंजिक एसे निरीक्षण प्रभारी का श्रत्येक नास की समाप्ति की 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जा केन्द्रीय सरकार, रजत अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड की नियंग समय समय पर निवांश करें।
- 3 सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधासन में, िषसके बंतर्गंस संखाओं का रखा जाना, विवरिणयों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा धीमियय का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरिक्षण प्रभारी का संदाय अन्ति भी हैं, होने वाले शभी व्ययी का षहन नियोजक बुधारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार व्वारा अनुमोबित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और अब कभी उनमें सशां-भन किया जाए, हम उसे मंद्रांचन की प्रति तथा कमंगारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मूख्य वार्ता का अनुवाद स्थापना के स्वानं पट्ट पर प्रविधात करना।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो भीवन्य निधि या उयस विधिनयम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भीवन्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजित काम्मिहल बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम द्रुव्त वर्ज करोग और उसकी बाबत बावस्यक प्रीमियम भारतीय मीवन बीमा निगम को उदस्त करोग।
- 6. यांच उपल स्कर्म के गधीन कर्न नार्यों को उपलब्ध साम बढ़ाए जाते ही तो नियोजक सामृद्धिक होमा स्क्रीम के अधीन कर्म-बारियों का उपलब्ध लाभा मा सामृद्धिक रूप से पृष्टिध किए जाने की व्यवस्था कर्मगा, जिसमी कि कर्मचारियों के लिए सामृद्धिक बीमा स्क्रीम के अधीन उपबंध नाभी से अधिक अबुक्त हो। औ उक्त स्क्रीम के अधीन जनुभय ही।
- 7. सामू हिंक बीमा स्कीम मी किसी बात के होते हुए भी पाँच किसी कर्मधारी की मृत्यू पर इस स्कीम के आधीन संबंध राणि उस राशि से कम हो जी कर्मचारी की उस दशा में संबंध ही तो जब वह उकत स्कीम के अधीन होता तो नियंजक कर्मचारी के विविध वारिस/नाम निद्धितां की प्रतिकार के रूप में दोनी राशियी के बराबर राशि का संवाय करना ।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपयंभी में कोई भी संक्षेत्रम नंगिषत अंशीय भिष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुभीदन के विमा नहीं किया आएगा और उहीं किसी संक्षेत्रम से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पेड़ने की संभावना हों, वहां क्षेत्रीय भीवव्य निधि आयुक्त अपना अनुमीदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दिख्योग स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन भीता निगम की उस सम्मूहिक भीता स्क्रीम के, जिसे स्थापना

पहले ही अपना **मुकी है नधी**न नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो छाट रहव की जा सकती है।

- 10. यदि किसी कारणवा उस नियस सारीय की भोतर जीवन बीमा नियस नियत करों श्रीमियम का संवाय करने भें असफल रहता हो और पालिकी को व्यापन होंने विया जाता हो से छूट रहंद की या सकती हों।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सदाय में निक्य गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यां के नाम निव्यितियां या यिविश्व बारिसी को रुदि यह छूट न दी गई होती ले उक्त स्कीम के शंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरवायित्य नियोजक पर होगा।
- 12. उन्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीय के आधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निव<sup>\*</sup>िक्सी/िकिधिक वारिसां की बीमाकृत राशि संयाय तस्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन वीमा निगम 'से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम 'से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिभिचत करेगा।

की. की. मरवाह क्षेत्रीय भीषच्य निषि आयुक्त (मृ.)

सं. 2/1952/डो. एवं. पार्स /एकजन/89/पार-2/3260—बहा अनुसूची-1 में खंळ्लिख निर्मावताओं ने जिसे इसमें द्राको पवचात् उक्त स्थापना कहा गया हो। टर्मचारी भविष्य िधि और प्रकीण उपबंध विधिनियम, 1952 (1952 को 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (कू) के अंतर्गत छूट के विस्तार हो जिसे इसमें इसके पश्यात उक्तअधि-नियम कहा गया है।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निषि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उवल स्थापना के कर्मचारी कोई अलग शंशवान या प्रीमियम की अदानमी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्क्रोम का लाभ उठा रहें हैं जीकि एसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निजंग सहब्ब्ध बीमा स्क्रीन, 1976 के अन्तर्गक्ष स्वीकार्य लाभों से अधिक अनृत्रूल हैं)। जिसे इसमें इसके पश्चात् स्क्रीम कहा गया हैं।

अतः उक्त अधिनियम की गरा के उपधारा 2(क) द्या प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा क्रम संवादय, भारह सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय अधिक्य निश्चित्र आयुक्त की अधि-सूचना सं. तथा तिथि जो प्रत्यंक स्थापना के नाम के सामने व्यक्ति गयी है, की अनुसरण में तथा सल्यन अनुसूची-2 को निर्धि के सही के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि ने उक्त स्कीम के सभी उपखेषों के संचालन से प्रत्यंक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रवान कर दी है जैसा कि संलय्य अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है ।

		अनुसूची-I			
क ० स्थामना का नाम और पता सं०	कोड नं ०	सरकारी अधिसूचना . की सं ० व दिमांक जिसकेद्वारा छूट प्रवान[ विस्तार की मई	ष्ट्रंट विस्तार विथि	छ्ट समान्ति तिथि	के० गे०नि० आ फाईल गे०
<ol> <li>मै⇒अंकुरटैक्सटाईस्स ओ एस रायपुरगेट, अहमदाब:द−2</li> </ol>	जी <b>॰ जे॰</b> 265	2/1959 की ०एस > आई/89/भाग1, दिनोक 2-593	11-5-94	1-6-94 中 31-5-97	2 4298 92
2. मै॰ रिजाइंसइण्ड॰ लि॰, 103/106, नरौदा इंडस्ट्रीयल इस्टेट, मरीदा, - अहुनदाबाण-382330।	ৰ্জাত <b>উত</b> 4147	विनांक 22-4-91	8-3-9:	9−3−94 सं. 8−3−97	2   42 2   80
3. मैं ॰ दी मानकश्रोक को ॰ ओ ॰ बैंक लि ॰, जयमंगस हाऊम ब्लाक ती, गांधीग्राम रैंसवे स्टेशन के सामते, इल्विसाबिज अहमवाबाद-१ ।	জী০ জী০ 48 <b>8</b> 1	<u> </u>	29-2-96	1-8-96 ti 28-2-99	2 2762 90
4. मै॰सेमीट्रोमिक इस्ट्र्मेंटस, 17 सी॰डी अर्चना इंडस्ट्रोयल इस्टेटखैल रोड, अहमवाबाद 380023।	জী০ জী০ [11367]	दिनांक 17-1-91	31-12-95	1-1-96 म 31-12-98	2/4159/92
<ol> <li>मै०अमोल डिकालाईट लि०, एस/ के, नवरंग स्वास्तिक कास रोड, नवरंगपुरा, अहमदावाद</li> </ol>	জীঃ জীঃ 14606	दिनांक 27-1-94	31-10-95	1-11-95 († 31-10-98	2 3338 90
6. मै॰ स्वीयगीयरस सिस्टम, प्लाटन ॰ 110, विट्ठल उद्योग नगर-388121 (गुजरात)	জী০ জী০ 23 <b>2</b> 10	विनांक 5-4-9,3 °	30-6-95	1∸7−95 ंस 30−6−98	2 4 <b>797 9</b> 2

### अनुसूषी-2

- 1. उनत स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसते पहनात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षत्रीय भिष्यप निधि आयुक्त को ऐसी विवर्णियां भेजन और ऐसा लंदा जीका रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी स्निधार प्रवान करेगा जी केन्द्रीय भविष्य निधि जायुक्त समय समय पर निधिष्ट करें।
- 2: नियोजक एसे निरक्षिण प्रभारी का प्रत्येक माल की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करणा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की जारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय समय पर निर्देश करें।
- 3. साम्हिस बीधा स्कीत के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरथ, निरीक्षण प्रभारी का संवाय आदि भी है, होने बाले सभी व्यथीं का बहन निरीजन द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुपोदित सामृहिक बौमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संबोधन किया आए, तद उस संबोधन की प्रति तथा कर्मधारियों की वहा-संख्या की भाषा में उसकी भृष्य अन्तों का अनुवाद स्थापना के सूचनापट पर प्रविशित करना।

- 5. यदि एसा कांधे कर्न नी का भीक्य निधि वा उपस अधि-नियम के अधीन छूट प्राज कि.े. स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सबस्य है, उसकी स्थापना में निलेगित किया जाता है तो नियाजक नामृहिक बीमा स्कृति के मदस्य के रूप में उनका नाम तुरस्त दर्ज करणा और उसकी वाधत आदश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदस्त करणा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ायें जाते हाँ तो निकाजक सामृहिक हीना स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उन्लब्ध लाभों में सामृहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिसमों कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपवन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्षय हां।
- 7. सामृहिक बीमा स्कोस में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कोम के अधीन संदेश राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबोध होती जब यह उकत स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक दिन्तिमा निर्देशितों को जैतिकर के रूप में दोनों राशियों के वरावर राशि का संवाय करना।
- साम्हिक बीमा स्क्रीम के उपवन्थों में कोई भी संशोधक संबंधित क्षेत्रीय भविषय निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के जिना

नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकाल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भिष्य निधि आयुक्त अपना अनुसंधन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना सीष्टकोण स्थल्ट कर्ने का युक्तियुक्त अयसर दोगा।

- 9. यदि किसी कारणवस स्थापना के कर्मधारी भारतीय जीवन वीमा निगम की उस सामृष्टिक बीमा स्कीम के पिस स्थापना पहलं अपना चूंकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मधारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो आये तो रहद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणबक्ष उस नियस तारीक्ष के भीवर बीमा निर्मम नियस कर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यवपत होने दिया जाता है तो छूट रख्व की का सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीतियम के संदाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में उन भृद स्वस्यों के नाम निविधिति या विधिक बारिसों को यदि यह छूट न दी गई होती तो उकत स्कीम के बंतर्गत होते, बीमा लाभी के संदाय का उत्तरवाधित्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियंजिक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निवंकिती/विधिक नारिसों की बीगाकृत राशि संदाय तत्वरता

से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से दीमाकृत राशि प्राप्त हुरेने के एक भाह के भीतर सुनिश्चित करोगा।

> श्री. के. मरवाह क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त (मु.)

सा. का. 2/1959/डी. एल. आई'भाग-1/3272— जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित निष्णेक्ताओं में (जिसे इसमें इसकें परकात उक्त स्थापना कहा गया हैं) कर्मचारी भिविष्य निधि और प्रकर्णि उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2 (क) के अन्सर्गत छूट के लिए आवेदन किया हैं जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूंकि केन्द्रोध भीवष्य निधि आयुक्त इस बात से संतृष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोड़ अलग लंशवान या प्रीमियम की अवायनी किए विना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जिकि एसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षंप सहयव्ध बीमा स्कीम 1976 के अन्तर्गत स्थीकार्य लाभों से अधिक अनुकर्ल हैं। जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है।

अतः उक्न अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क), द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संनग्न अमुस्थी में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भिवाया निधि अधुक्त में प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित फिला तिथि से उक्त स्थापना को केन्द्रीय भिवाया को केन्द्रीय भिवाया को केन्द्रीय भिवाया को केन्द्रीय से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को केन्द्रीय भिवाया की कान्द्रिय निधि आयुक्त, (गुजराव) सुरत ने स्कीम की धारा 28 (7) के अनुनर्गत उीन प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचायन की छूट प्रदान कर दी है।

अनुसूची---1

<b>क</b> ० सं∘	स्थापना का नाम और पता	कोड नं ०	छ इ की जभा वि तिथि	के०पावित्र फाउ नंद
1	2	3		5
1.	मै० अल्पा डायनामिक प्रोडक्ट्स प्रा० लि०, प्लाट न ० ५ और ६, रोड न ० १४,पोस्ट बाक्स न ० ३, उद्योग नगर, उधना, सूरत-39 4210 ।	जी० जे० 4528	1-3-96 स 28-2-99	4 68 97
2.	मै० इंडियन डावमंड इंस्टीट्यूट कटरगम जी०आई०डी०सी पी० बो०नं० 508, सूरत-395008।	जी० जे० 94.66	1−8−95 से 31−7−98	2 69 97
3.	मै० कलेनजेडस कनटैमिनेशन कन्ट्रोलं प्राठलिं०, जीव्याई डी०सी० इंडस्ट्रीयल एरिया अम्बरगोन 396171 डिस्ट्रीक्ट वल्साद।	জী৹ জ৾৹ 12320	1-3-96 भे 28-2-99	470 97
4.	मै० एम० आर० णाह <b>्याई</b> मरी स्कूल, सरवार बाग, बारवोली2, जिला सूरत ।	সী০ ঈ০ 13529	1-2-97 से 31-1-2000	4 71 97
5.	मै॰ गीता प्रिन्ट्म प्रा० लि॰, 150 जी॰अ।ई॰डी॰सी॰ पोडेसारा, सुरत-394221।	' <b>গী৹                                    </b>	1-3-97 रो 29-2-2000	4 72 97

1	. 2	3	4	5
6.	मैं० बिकोन डाईनोसटिक प्रा० लि०, ,	জী ০ জ ০	1-3-97	4 73 97
	424, न्यूजी आई० प्री० सी०, कबीलपीर.	24655	में '	•
	न बसारी -396424।		29-2-2000	
7.	मैं० श्री कामरेज विभाग सहकारी खंड उद्योग मंडली लि०,	ৰ্জী ০ বী ০	1-2-97	4 74 97
	एन० एच० नं० ८ ऐटनकी परहो, तालुका कामरेज, जिला	30054	से	• •
	सूरत-394160	•	31-1-2000	
8.	मै० रामकबीर प्राईमरी स्कूल कालेज के स्पस,	জী০ জৈ০	1-2-97	4 75 97
	कामरेज चार रास्ता, जिला सूरत -394185	30161	से	
	•	·	31-1-2000	)
9.	मै ० सुमतिनाथइ टरप्राईजस,	जी० जै०	1-2-97	4 76 97
,	201, अल्पा अपार्ट मेंट बन्धु गारा नाका लाल दरवाजा,	30646	से	• •
	सूरत-395003	•	31-1-2000	
0.	मैं० के० पी० संयवी एण्ड सत्म,	জী০ জী০	1-2-97	4 77 97
	201, अल्पा अपार्ट मेंट बन्धुगारा माका लाल बरवाजा,	30645	से	
	सूरत-395003		31-1-2000	
1.	मै० बरमेचास इम्पैक्स प्रा० लि०,	জী৹ জৈ৹	1-2-97	4/78/97
	एन० एच० न ० 8, गिरिष, कबिलपोर,	30668	र्स -	, ,
	नवसारी-396424 -		31-1-200	0

# अनु**स्पी** 2

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि श्वायुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और एसा लेखा जोखा रखेगा सथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त स्यम-समय पर निविष्ट करें।
- 2. निर्याणक एसे निर्वाशिण प्रभारों का प्रत्येक गांस की. समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधना (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निवंभा करें।
- 3. साम्हिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेकाओं का रहा जाना विवरणियों को प्रस्तूत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सवाव लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभारी का मंदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजन द्वारा किया जाएगा।
- 4. निर्माणक, केन्द्रीय सरकार बुधारा अनुसेवित रामिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रीत और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रीत राधा कर्मचारियों की बाह्य संस्था की भाषा में उसकी मृख्य बादों का अनुवाद स्थापना के सुचना पट पर प्रविश्वत करेगा।
- 5. यौष कोर्ड कर्मचारी जो भीवव्य निर्मिश या जबत अधिनियम के अधीन छाट प्राप्त किसी स्थापना को भीवव्य निर्मिश का पहले ही सवस्य हैं, जसकी स्थापना में निर्मितन किया जाना है सी निर्मेजक सामित्रक नीमा के सहस्य के क्या में उसका नाम हर्क्स वर्ज करोगा और जसकी बायस आयरबक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निर्मम को संबत्त करोगा।

- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपसब्ध साथ बढ़ाए जाते हैं तो नियंजिक सामृहिक यीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाओं में सामृहिक रूप से वृद्धि किए जाले की व्यवस्था क्रिया, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक सीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाओं से अधिक अनुकर्ल हों की उक्त स्कीम के अधीन अनुक्षेय हैं।
- 7 सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीम संबंध राशि उस राशि से कम ही जो कर्मचारी को उस दला है संबंध होती अब वह उक्त स्कीम के अधीन होता से नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निवाधितों को प्रतिकर के रूप की दोनों राशियों के वरावर राशि का संवास करेगा।
- 8 सामृहिक वीमा स्कीम के उपबन्धें में काई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भिवज्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमंदन के जिना गर्ही किया पाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मधारिया के किस पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भीषव्य निधि आयुक्त अपना अनुमंदन बने के पूर्व वर्मधारिनों को अपना इण्डिकांण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर बेगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय नीवर्न वीमा निगम की उस ताम्हिक बीमा रक्षीम के, जिसे स्थापना पहले अपना च्की है, अधीन नहीं रह जाता है रा इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाली किसी राणि से कम हो जाए से रवद की जा सकती है।

- 10. यदि किसी कारणदक्ष उस नियस तारीख के भीतर नीमा नियम नियस कर शिरियम का संदय करने में असफल रहता है जीर पासिसी को व्यक्तित होने विधा जाता है तो छूट रव्द जा सकती है।
- 11. नियाजक द्वारा प्रीमियम को सदाय में किए वए बिना किसी व्यक्तिकम की प्रशा में उन मृत तथस्थ्रं को नाम निविध्ति वा विधिय, बारिसों को यदि यह छुट न वी गई होती तो उक्त स्कीम को अंतर्गत होते नीया नाभी को संवाय का उत्तरवाधिक नियोजक पर होना ।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के क्षीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके इक्तार नाम निवाधिकों/विधिक धारिसों के बीमाकृत राशि संदाय तस्परता से और प्रत्येक दक्षा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्येक दक्षा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्ये होने के एक माह के भीतर सुनिध्नित करेगा।

डी. के. मरवाह क्षेत्रीय भिक्ष्य चिभ्य आयक्त (मृ.)

नक दिल्ली-66. दिनांक 16 लिमस्बर 1997

रां. 2/1959/डी. एक. बार्ड./भग-1/3289— क्यां अमुस्की-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसकें परचात् उकतं स्थाप्ता कता गया है) कर्मगारी भविषय विधि और प्रकृषिण नयकस्थ अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2 (क) के कतार्गत छूट के लिए आवेदन किया हैं। जिसे इसमें इसके परकात जबक अधिनियम कहा गया है।

मूंकि केन्द्रीय भीवण निधि आयुक्त इस बात से संतृष्ट है कि जनत स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशवान या प्रीमियम की अवस्था किए चिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवम बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जेकि एसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षेप सहयप्त बीमा स्वीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्ण साभी से अधिक अनुकूल हैं। (जिसे इसमें इससे प्रकार स्कीम कना गया है)।

अत: उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क), द्वारा प्रदत्त प्रितियों का प्रयोग करते हुए रूथा इसके साथ संस्थन अन्स्ति में उल्लिसित धारों के अन्साय केन्द्रीय भिज्ञ निधि आयुक्त में प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित धारों के अनुसाय के समाने उल्लिखित धारों के प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारील से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भिव्या निधि आयुक्त, मद्रास ने स्क्रीम की धारा 28 (7) के अन्तर्थत हील प्रयान की है, 3 वर्ष की अवधि के सिए उक्त स्क्रीम के संधानन की छूट प्रयान कर दी हैं।

#### अनुसूची--1

क० सं०्	स्थापना का नाम व पता	कोड र्न ०	छूट की प्रभावी तिथि	के <b>०म</b> ेनि०आ० फाइलसं०
1.	मै॰ सिवा डिस्टलरीज लि॰, 27-बी, मेटुपलयम रोड, नरसिमहा नाइकनपलयम, कोयम्बट्टर-641031।	टीएन  21049	1-11-89 से 31-10-€2 व 1-11-92 से 31-10-95	14/110/95 सो <b>वीई/टी</b> एन
2.	मै० मैक इंडिया (प्रा०) लि०, 122, जप्पुस्वामी नायहु लेआउट, रैड फं.स्डस, कोयम्बट्र-341045।	टीएन  1 6 9 2 1 ए	1-11-90 से 31-10-93 स 1-11-93 मे 31-10-26	डीएलआई  14 151  95 टीएन
3.	मैं० र्भक इंडिया (प्रा॰) लिं०, 122,ाप्पूरवामी नागणू लेशास्टर, रैंड पीरडन, कोयम्बट्रर-641045।	टी एत∫16021	1-11-90 	डीएलआई 14 82 95

### अन्यची-2

- किस स्थापना के संबंध में जिला । जिस्से सम्बंध परवाद निर्माणक कहा गया है। संबधित श्रीमीण श्रीदार जिला निर्माध आस्त्रा, जिला स्थापना भेदला अस्ति होती प्रश्निक को निर्माध स्थापना अस्ति होता स्थापना को जिला स्थापना स्थापना स्थापना को जिला स्थापना स्थापना स्थापना अस्ति स्थापना स्था
- 2. नियोजक एसे निरक्षिण प्रधारी का प्रत्येक नाम की समाप्ति के 15 विन के भीतर संदाय करोग को केरीय सरकार, जेकन अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-दा) के खंड के अधीन समय-समय पर नियोंश करें।
- 3. सामहित ीया रकीस के प्रशासन में जिसकी जीतरीन लेखाओं का रखा जाना विजयिष्यों की प्रशासन किया जाना निकासी का अंगरण जिसीरक प्रशासी जा संदार शादि भी है होने वाले सभी नायों का प्रहर निवासन देवारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय मरकार हवारा अवसंभित अग्रिया सीमा रक्षीम के नियमों वर्त गक गित और उस वस्ती क्वारी संशीधन किया जाये, तह तम संभोशन की प्रति तथा कर्मधारियों की यहा-रोख्या की भाषा में उसकी सन्त हातों का अनुसाद स्थापना के संध्या पट पर प्रदर्शित करोगा।
- 5. यदि कोई एरेन कर्मचाशी की भिविष्य निधि या ज्वस अधिनियम के अधीन छुट प्राज्य किसी स्थापना को भिविष्य निधि का पहले ली सदस्य हो, जसकी स्थापना को निर्णाणित निया जाना हो तो नियोजक अस्तिक टीमा स्कोम के सदस्य के स्थापनी असका नाम तरना पूर्व कर्मणा और प्रस्का जाना अन्दर्शक प्रीकिशंम भारतीय जीवन बीमा निश्म को भेदत्त कर्मणा ।
- त. रवि नवन स्कीम के अधीन सर्वकारियाँ करें जपलस्थ सभ असार जाने हों तो नियोग के राजािक केंगा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध नाभों मों साक्ष्यिक क्या से अखिथ दिस्ता जाने की व्यवस्था करोगा, जिस्मों कि कर्मखारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम को अधीन अपनेश लोगों से अधिक अन्कान हो जो उसर पक्षीम के अधीन अपनेश लोगे।
- 7 सामानिक जीमा रक्षीत औं निश्ती नांत के जोले नाम की यदि किसी कर्मचारी की महत्व पर हमा क्लीसे के उपकेल मंद्रीय पर हमा क्लीसे के उपकेल मंद्रीय पर हमा क्लीस के उपकेल कर्मचारी हो नाम हक्षा भी सन्ति। सिनी एवं वह एक्स स्कीस के उधीन सोला में निश्तेवास कर्मचारी के विधिक वारिसी/साथ निवर्णी में की दिश्तेवास कर्मचार से जीने रही दिश्लिक वारिसी/साथ निवर्णी में की दिश्लिक वारिसी/साथ निवर्णी की का संदाय कराया में स्वीति के अंतर के बरावर साथ कराया कराया कराया में स्वीति कराया स्वी
- 8. सामितिक जीमा कर्नाम के कार को ये ते हो भी संबंधित संवंधिक अमिति क्रिया कि कर्ना के सम्बद्धित संवधित संवधित अमितिक जायोग और अन्यो जिल्ली संवधित में कर्मितारिकों के हिल्ला अभिकास प्रभाद प्रकों की प्रकारण मा क्रियों कर्मितार प्रभाद प्रकों की प्रकारण मा क्रियों कर्मितार प्रभाद प्रकार कर्मितार में कर्मितार प्रभाद प्रकार कर्मितार क्रियों के प्रविधान कि स्थित अमितार प्रभाद स्थान क्रियों कर्मा अस्थान कर्मिता अस्थान क्रियों कर्मा अस्थान क्रियों क्

4-409 GI/97

- ० व्यवि विशी कारणवण स्थापंत के कर्मचारी भारतीं विना लोगा विगय की उस साम्बिक बीमा स्क्रीम के जिसे स्थापना पहले आहा हुना के अपीन नहीं रह जाता है या इस स्क्रीम के अधीन कर्मकारियों का अधन क्रीन वाली किसी राजि से कम हो जाए तो बहुद की जा करती है !
- (1). बंदि किसी कारणवंश उस नियम नारील के भीरार जीवन गीमा नियम नियद कर बीक्टिंग का संवाय करने में अवकल रहत ही और पालिसी को कायगढ़ होने दिया गोला है तो छूट रहद की जा सकती हो।
- !! जिलोजक द्वारा शीसिर म के संदाय में किए गए बिना किसो किसे किस की उन्न की उन्न की उन्न मुद्दा-अदस्यों के नाम निद्देशियों या कि का जाकियों को स्टिश्त की उस्त स्टीम के असर्गत होते तो उस्त स्टीम के असर्गत होते बीमा नाभी के भंदाय का उत्तरदायिन्य किसीएक पर होगा।
- 12. उपन स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के इतिन प्राप्त माली विक्रमी स्वस्थ की ग्रांच्य होते पर जसके हरुदार प्राप्त निवयं किया है किया की प्राप्त साथ है किया सिवयं हरूपादा में और प्रत्योक द्वारा में भारतीय जीवन दीमा निगम से शीपका स्थि गुण्य होने के एक सन्द के भीतर सुनिद्धात करेगा।

डी. के. मरवाहः क्षेत्रीय भविष्य विधि अयवदा (मृ.)

गं, २/१०:०/ली, गण्, अर्थः /भगा-1/२२०८—उहां धनाणकी-1 में जित्यिकान निर्माकनाओं ने किये इसमें इसके एक्जान सकत स्थापना कहा गरा हैं) कर्मचारी भिक्तिय निधि और प्रतिश स्थापना कहा गरा हैं) कर्मचारी भिक्तिय निधि और प्रतिश स्थापना कहा गरा हैं। किया निर्माण स्थापना २(छ) के अन्तर्गत छात के लिए आवेदन किया हैं। किया एक्पों उसके एक्पान सकत अधिनियम कहा गया हैं।

चंदित कोन्तीर पशिष्य निधि आयक्त सम जात से संवष्ट हैं कि वस्त रथा ता है कर्मचारी कोई अलग अंशहान या प्रीमियम की अलग दिन जिला जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा किया की गामिवड हीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं जोति एसे कर्मचारी शिक्षण सहसद्ध नीमा स्कीम, 1976 के कन्नक्त स्वीकार्य लाभों से अधिक अनक्त हैं (जिसे इसके प्रवास स्थीम कहा गया है) ।

ननः ज्यान अभिनेशम की धारा 17 की उपधारा 2(क), उदारा इक्षण मिलागों का प्रयोग करते हाए तथा इसके साथ संतरन अनसची में जिलिया श्रेति के अनमार केसीय भिष्ठिय निध्य आयक्त ने प्राप्त प्रयोग को प्रतिक के सामने उत्तिनिक पिष्ठली तारीख के ज्यानी दिस निभि में उत्तत स्थापना को श्रेतिय भित्रिय निष्य निधि उपध्यक्त, त्रेयक ने स्कीम की धारा 98(7) के अन्तर्भत उतिल प्रदान की ही, 3 दर्ग की अविध के लिए उसन स्कीम के मंत्रालन की छन्छ-प्रदान कर दि ही।

### अनुसूची---1

<b>क</b> ं स ं	स्थापना का नाम व पता	को इ.सं०	छ्ट की प्रभाषी तिथि	के०म०नि०आ • फाइल सं०
1-	मै० हिन्दुस्तान आर्गेनिक केमिकल्स लि०, अंबलमुगल, 682302 एरनाकुलम जिला, केरल, इण्डिया।	केरल/13212	1-10-95 से 30-9-98	डीएलआई 8 (25) 97 कोची
2.	मै० जगरल मोटर्स, कोट्टयम-686001, केरला।	केरल   15048	1−2−96 ₹ 31−1−99	डीएलआई 8 (26) 97

## अनुसूची-2

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके प्रकार नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय अविषय निधि आयुक्त को एसी विवरणियां भें जेगा और ऐसा लेखा जोखा रखेगा तथा निरक्षिण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेगा औ किंद्रीय भविषय निधि आयुक्त समय मुभय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक एसे निरिक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाम्ति के 15 दिन के मीतर संदाग करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय पर निवर्षण करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत संखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय दिखाओं का अन्तरण निरक्षिण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने थाले. सभी व्ययों का वहन नियोजन दुवारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, क्षेन्द्रीय सरकार ध्वारा अनुमोचित सामृहिक बीमा स्क्षीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जर्मी, तक उसे मंशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-इंगा की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुवाद स्थापना की स्कार पट पर प्रविधित करेगा।
- 5 यदि काई कर्मचारी को शिवष्य निर्धि या उक्त अधि-निक्त के अधीन छट प्राप्त किसी स्थापना की शिवष्य निधि का बहुते ही सदस्य हैं, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सामहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उनका नाम तुरन्त दर्ज करोगा और उसकी शबस आवष्यक ग्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदर्ज करोगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध साम ब्रह्मण जाते हैं को नियोजक सामहिक शीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामहिक रूप से बित्य किए कार्म की व्यवस्था करेगा. जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामहिक बीमा स्कीम के अधीन उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकाल हो को उद्धार स्कीम के अधीन अनुकार है।

- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी जात के हाते हुए भी यदि किसी कर्मचारों की मृत्य पर इस स्कीम के अधीन संदेष राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी के उस दक्षा में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम निवाधितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के वरावर राशि का संदाय करेगा।
- 8. सामृहिक यीमा स्कीम के उपदन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहरं किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पढ़ने की सरभावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्या निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोनें के पूर्व कर्मचारियों को अपना प्रिष्टकाण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवस्र दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवंश स्थापना को कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामिहक बीमा स्कीम के जिमें स्थापना पहले अपना चूकी हैं अधीन तहीं रहे जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी गिक से कम हो जाये तो रहद की जा सकती हैं।
- 10 यदि किसी कारणदश उस नियत तारील के भीतर वीमा निगम नियत करों प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रहद की जा सकती है।
- 11 नियोजक द्वारा प्रीक्षितम को संदाय में किये गये बिना किसी क्यतिकम की दशा में उन मृत सदरणों के नाम निविधितों या विधिक वारिमों को यदि यह छाट न की गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्क्रीम के अधीन आने वाले किसी सबस्य की मृत्य होने पर उसके हकदार गाम निवाधिक बारिसी की बीमाकुत राशि संदाय हर्निकृत से और प्रस्थक हुआ में भारतीय जीवन बीमा निवाध से बीमीकृत राशि प्राप्त होने के एक माहे के भीतर मनिष्यत करेगा।

डी. के. सरकार क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, (मा.) सं, 2/1959/डी एल. आई/भाग-1/3306—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखन नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके परचात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारा भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपभारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है जिसे इसमें इसके परधात उक्त अधिनियम कहा गया है ।

चंकि केन्द्रीय भिवज्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशवान या प्रीमियम की अवायगी किए दिला जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक टीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जीकि एसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी तिक्षय सहअव्य कीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाओं से अधिक अनुकर्ष है। (जिसे इसमें इसके प्रचात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उसत अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (स), द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्ती के अनुसार के स्वीध भगिष्य निधि आगुक्त ने शत्येक उकत स्थापना को प्रत्येक हैं सामने इल्लिखित रिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उकत स्थापना को भाविष्य भविष्य निधि आगुक्त, मदास, ने स्कीध की धारा 28 (7) के अन्तर्यत दील प्रवान की हैं, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संवासन की छूट प्रवान कर दी हैं।

अनुसूची---- १

क0 सं0	स्थापना का नाम अपता	कीड नं ०	छूट की प्रभावी तिथि	के०म०नि०आ० फाइल सं०
1.	मैं ० अजन्ता इंडस्ट्रीज कापोडं,	टीएन/8001	1-10-89	डीएलआई 14
	त्रिरुचिरामली-620012		से.	(275) 67
			30-9-92	
			1-10-92	
			से	
	•		30-9-95	
2.	· मैं० पाइय लाइक्स एं <b>ड प्रोसेस इक्ष्मिपमेंट</b> प्रा०लि <i>ं</i> ,	टीएन टीआर	1-3-90	डीएलआई ∫14
•	17-19, सिडको इंडस्ट्रीयल एस्टेट,	19794	से	(278) 97
	माथुर-622515 पुडसुकाटदई डि॰	· ·	28-2-93 घ	
			1-3-93	•
			से	
			29-2-96	
3,	मैं० श्रीततो इन्दिरा गाँजो कालेज,	टीएन/टीआर /	1-3-93	हीएलआई   14
	पो० बा०नं ० 369, चेत राम बस स्टैंड,	27286	, से	(277)/97
	त्निरुचिरापल्ली-620002		29-2-96	-
4,	में ० श्री अरिवन्द स्टील लि०, डिसीजन-1,	टीएन/टीआर/	1-6-93	डीएल  1.4
	रोलिंग मिल मृनिद, डो-92, 93 व 94,	27498	से	(273) 97
	इंडस्ट्रोयल एस्टेट, बुविकुडो-620015		30596 व	
	<b>विरोध</b> रापल्ली		1-6-96	
			से	
			3.0-5-99	

## अनुसूची-2

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसके परधात नियाजक कहा गया है) सर्विध्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणिया भविष्य और एसा लेखा आस रखंगा तथा निराक्षण के लिए एसी सुविधाए प्रवान करेगा जा केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निविध्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरिक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति की 15 बिन के भीतर संवाय करोगा जो केन्द्रीय सरकार, उकत अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के सण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करों।
- 3. साम्हिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके बंतर्गत लेखाओं का रहा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी

का संदाय आदि भी हैं होने वाले सभी व्ययुं का बहन नियोजक

- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार व्वारा अनुमीवित सामृहिक बीमा स्कीम के नियम को एक प्रति और जब केमा उन्य स्था- धन किया जाए, तब उस संबाधन की प्रति तथा कर्मणारियों की बद्धसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य वार्ती का अनुवाद स्थापना की सुणना पट्ट पर प्रविद्धित करेंगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उन्ह अधिनियम के अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सबस्य हैं, उसकी स्थापना में जियोजिल किया जाता है तो नियोजिक सामृहिक हीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्ते वर्ज करेगा और उसकी बाबस आश्वरयक प्रीमियम भारतीय जीवन हीमा निगम की संबंश करेगा।

- 6. यथि उक्त स्कीम के अधीन कम बारियां को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कमचारियां को उपलब्ध लाभी में सामूहिक रूप से वृद्धि किए बाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियां के लिए धामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपनन्ध लाभी से अधिक अनुकृत हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुनेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी यदि किसी कर्मवारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संबंध राशि उस राशि से कम है जो कर्मवारी को उस दशा में संबंध होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिशों/नाम निवेशियों को प्रतिकर के रूप में बोनों राशियों के बरावर राशि का संबंध करेगा।
- 8. सामृष्टिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय अविषय निधि आयुक्त के पूर्व अनुमीदन के विना नहीं किया जाएगा और पहां किसी संबोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भविषय निधि आयुक्त अपना अनुमीदन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दिष्टकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृष्टिक बीमा स्कीम की, जिसे स्थापना पहले

- भरना चका है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अभीन कर्मचारिया की प्राप्त हाने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो रदद की जा सकती हैं।
- 10 यदि किसी कारणध्या उस नियत तारीख के भीतर भारतीय जीवन बीमा निगम नियस कर, प्रीमियम का सदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने विया जाता है मो छूट रदद की जा सकती है।
- 11. नियाजक द्वारा प्रीमियम को संवाय में किये गयं जिना किसी त्यतिकम की वहा में उन मृत मदस्यों के नाम निवाधितों या विधिक वारिकों को यदि यह छाट.न दी गर्श होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होती, बीमा लाभी के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकवार नाम निय-शितां/िविधक धारिशों की बीमाकृत राशि संबाय तत्परना से और प्रत्येक वशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिध्चत करेगा।

डी. के. मरवाहै क्षेत्रीय भणिष्य निश्चि आगक्त (ग.).

नई दिल्ली-110066, दिनांक 17 दिसम्बर 1997

सं के भ नि मा १ कि नि मा १ कि निम्न-मिकित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मनारियों का बहुमन इस बात से सहमा है कि कर्मनारी अविषय निधि और प्रकीण उपखंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपस्य उक्त स्थापनाओं पर नाम् किए जाएं।

<b>3</b> 00	को इस्तर	स्थापना का नाम व पता	टगारित की निश्चि
₹`0	, t	•	
1.	बिस्ली   17595	म० सरना एक्सपीर्टन लि०	1-1-96
·	1.	बी-31, औखला इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1,	
ı		नई दिल्ली-110020	
2.	दिरुली <b>/</b> 17601	मैं० ए० बी० सी० स्विसिज,	1-3-96
	•	की - 12-4, पंचशील एन्यलेव,	
		'न <b>ई</b> दिल्ली–110017	
3.	दिल्ली <b>∫1760</b> 5	. म० इन्नोब र्वकेि <del>ज</del> ा,	1-2-96
ı		डो-139, ओबना इंडस्ट्रीयल एरिया फेस-1	
		नई विल्ली-110020	a a
4.	विल्ली/1 <b>7</b> 609	मै॰ श्रर्जन सिह एण्ड क <b>ं</b>	1-3-96
		टी-183/1, गली नं० 4 <b>,</b>	•
		गौतन पुरो ल्यु सोजनवुर,	
		नई विल्ली-110053	
5.	<b>दिल्ली/17678</b>	मै॰ पदमपट गोगासक्वाका रामापति ओर्गनाईकेशन लि॰	1-4-96
1		ग्रम्बायीय विलिक्त , ग्राठवीं मंजिल,	
		14, कस्तूरया गांधी मार्ग 🗇	
ı		नई दिल्ली-110001	
6.	विल्ली/17689	मैं० स्वीक्ट सिक्यीरिटी ब्यूरी	1-8-95
;		57, राजधानी एत्वतेव, पीतमगुरा, नई दिल्ली→34	• ,

अतः केडीय भविष्य निधि आयुक्त उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं पर उस या उसी प्रभावो तिथि से अधिनियम को लागू करता हूं जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने वर्षांथी गयी हैं।

क्षेत्रीय पंविष्य निश्चि आयुक्त

सं. 2/1959/वी. एत. आई/भाग-1/3325— जहां अमुस्ची-1 मो जिल्लारिय किरोगलाओं ने (जिल्ला इसमी इसके परचार उक्त स्थारना कहा गया है) कर्मचारी प्रविष्य निधि और प्रकीण उपवंध अभिनिया. 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अस्तर्भन छाउँ के विस्तार के लिए आवेदन किया है। (जिल्लाइसमा इसके एक्सन उक्त-अपिनियम कहा गया है)

चि कंन्द्रीय भी व्या निर्मित । युक्त इन बाह्न से सहाय हो कि उक्त स्थापना के बर्भवामी को विकार अवन का मिर्मित की अवयो कि किए किया जीतन की या के ब्राम की भारतीय की विकार की मामृहिक बीमा स्कीन का प्राप्त वटा रही हैं। जेकि एसे कमचारी के लिए क्ष्मीचारा निर्भण महत्रपूष बीमा स्कीन,

1976 के अन्तर्गप्त स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकरूल हैं)। (जिसे इससे परुचात् स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपभारा 2 (क), व्याम प्रवत्त शिक्तियों का प्रयोग करते तथा इसके साथ संलग्न अनु-सूची में उल्लिक्ति कर्नी के अनुसार केन्द्रीय अधिष्य निधि अग्रुव्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना की प्रत्येक के सामने उल्लिखित विद्या निधि से प्रभायी किस दिश्य में उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भिवष्य निधि आगुक्त, मदास ने स्कीम की धारा 28 (7) के अन्तर्यत् हील प्रदान की ही, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त रकीम के संचालत की हाट प्रदान कर सी है।

# अनुसूची---।

ं <mark>प्र</mark> ा	स्थापनाका नाम त्र पता	कोड सं०	छूटकी प्रभावी तिथि	के० भ ० नि० आ ० फाइस स
1	2	3	4	5
1.	में ० दि पाण्डे चेरी वृमैन कार्टेज इन्डस्ट्रियल कोआप० नोसा० लि०, (प्रिन्टिंग प्रेस) 49, बैलाल स्ट्रीट, पाण्डेचेरी–60≨001	पी०मी० <b>/</b> 275	1-8-92 से 31-7-95	डी०एल० आई० <b>/14</b> (176)96
2.	में ० सर्थइन्डिंगा, नं ० १८१ जिमी सलार्ग, इबरायापेट, पण्डिचेरी605004	पी० मी०   279	1−3−95 स 28-'2−98	डी०एल० आई०   14 (174°) 96
3.	मैं० करर्पनई दृस्य. 25 गोविन्टु पिट्यी आर्डन बनार्थेय. प्राण्डिचेनी–603001.	र्पा <b>० सी०/374</b>	1-3-95 से 28-2-98	डी० एस० आई० 14 (177)96
4.	भेज जिल्लालिया हुस्ट. 10 इलगो, ऐडीगल स्ट्रीट, तुनरापेट पाण्डिचेरी–605001.	र्षां^ मी०/375	1-3-95 से 28-2-98	धी० एल० आई०/14 (175)96
5.	मैं <b>॰ डोग</b> लिश डोडियन क्लिज कि०, कालीवियर थे लकुपम, मदागादीपेट, मना <b>दी</b> पेट, कमयून, पाण्डे बेरी605107.	पीं० सीं०/543	1-11-94 से 30-10-97	डी० एल० आई०/14 (178)96
6.	मैं विसम्पत्तन युप कम्बतीज की-आप० सोगा० लिव. ८९, हैरिश रोड, मशास-६०००७।	टी० एन० / 5740	1-11-87 से 30-10-90 1-11-90 से 51-10-93 व 1-11-93 से 31-10-96	डी० एल० आई० 14 (100)95 टी० एन०
7.	में ० कुमार बदमं, पो० बा० नं० 1905, 144, एन०एस०मी० बोस रोड, मद्रास-600079.	टी० एन०/7556	1-3-92 से 28-2-95	की० एल० आई०/14 (152)95
8.	मैं ० मलेशिया एयरलाइन्स, छठी मंजिल, कारूनुष् सेंटर, 198, अन्ना सलाई, मद्रास-600035	टी० एन०∫8785	1-2-95 से 31-1-98	डी० एल० आई०/14 (140) टी० एन०

1	2	3	4	5
9.	मैं असनको कैमिकल्स लि०, नं ० 48, 49, इंड० एस्टेट अम्बाट्ट, मद्रास-600058	टी० एन०/23631	1-3-93 म 29-2 <b>-</b> 96	ई.० एन० आई∘/14 (172)96 .
1,0.	मैं० <b>टर</b> को एनर्जी लि०, फुलीबलम गाँव, बनानरम पोस्ट, (632505) शीलिगपुर ।	टी० एन०   23641	1-5-90 में 30-4-93	ছাঁ৹ ট্ল৹ आई০/14 (108)95/टो∘ ট্ন∘
11,	मै. स्पिक इलैक्ट्रानिक सिन्टिम लि०, प्लाट तं ० सं ० 1, 2, 5 और ६एन०एच०-7 एम० एम० डी० ए० इन्डस्ट्रीयल ऐस्टेट, मराईमलाई नगर, चेनजालपेट, एम० जी० आर० डि० पिन-603209.	टी० एन० एम० एस०  26286	1-7-91 年 30-6-94	डी० एल० आई०/14 (112)95
12.	मैं ० एअनन कन्स्ट्रेक्शन भोडन्टन ग्रा० जिल प्लाट नं ० बी49(बी) सिपकाट इंड० काम्पलेक्स, गुमीडीपुन्डी-601201.	हाः त्नै∘/266 <b>9</b> 5	1-8-91 <del>4</del> 31-7-97	বী৹ গ্ৰ≎ आई৹/14 (173) 96
13.	मैं जैरी इंजीनियरिंग एण्ड एक्सपोर्टस लि॰, पो॰ बा॰ नं॰ 12 एस॰ नं॰ 12, 234 एन० एस॰ सी॰ बोस टोड, मद्रास-600001		1-12-93 से 30-11-96	डो०एल० आई०/14 (106)95
14.	मैं ० ताज कारामंडल, 17, नुनगाबकमाई रोड, मदास-600034.	टां० एन०   7755	1-4-92 स 31-3-95	ৱাঁ০ ত্লাও সাহিঁ০/14 (89)95 হাঁ০ ত্নাও

### अनुसूक्षी---2

- 1. उन्नतः स्थापना के सम्बन्ध भं नियोजक (जिसे इराके परचात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भिवष्य निधि आयुक्त, का ऐसी विवरणियां भागेगा और ऐसा लेखा जीवा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी गृविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निरिटेट करें।
- 2. नियोजक एसे निरोक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 विन के मीलर संदाध करंगा जो केन्द्रीय सरकार एकत अधिनियम की धारा 17 की लपधारा (2—क) के राण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम ने प्रशासन में निस्तने अन्तर्गर संखाओं का रखा जाना विवरणियों की प्रश्तुत किया जाना, नीमा प्रीमियम का मंदाय लेखाओं का अन्तरण निरोक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजन प्रभार किया आएगा।
- 4. नियाजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमीवित साम्द्रिक श्रीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और अब कभी उनमें संदोधन किया जाए, तब उसे संदोधन की किया कर्मचारियों की बहु-संद्या की भाषा में उसकी मूख्य बाले का अनुवाद स्थापना के स्चना पट पर प्रविश्वित करेगा।
- 5. यदि एसा कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त जिल्लानियम के बधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना जी भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सामृहिक बीमा के सदस्य के स्प में उसका नाम हरन्त वर्ज करोग और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन धीमा निगम को संबंत करोग ।

- 6. यदि उक्त स्कीम क अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध साम धढ़ाए जाते हो तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कांभ के वधीन कर्म धारियों की उपलब्ध लाभों में सामूहिक क्य से वृद्धिम किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिसमी कि कर्मचारियों के लिए जानृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभी न अधिक अनुकूल हो जो उभत स्कीम को अधीन अनुक्रंय ही।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी जात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन राविष राचि उन राणि से कम ही जा कर्मचारी को उस दशा में संवीय हो तो। जब वह उसत स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिमों/नाम निविधिकों का असिकार के कर मां दोनों राशियों। के वरावर राणि का संदाय करांगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपवन्धों में कोई भी संबोधत रिविध अगुक्त के पूर्व अनुभावन के जिना नहीं किया जाएगा और जहां कियो प्रेटिश से कर्मचारियों के छित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सामावता हो वहां क्षेत्रीय भीवष्य निविध आगुक्त अपना अनुमोदन वोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना शिव्ध अगुक्त अपना अनुमोदन वोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना शिव्ध कार्य स्वाप्त अवसर वोगा।
- 9. यदि किसी कारणवंश स्थापना को अर्थचारी भारतीय जीवन वीमा निगम की उस सम्मृहिक बीका स्क्रीय के जिसे स्थापना पहले ही अपना चुकी हैं अधीन नहीं रह जाता है या इस स्क्रीय के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राजि से कम हो जाए तो खद की जा सकती हैं।
- 10 यदि किसी कारणवश उस नियत तारीस के थीतर जोटन निमा निगम नियत कर मिमियम का संदाय करते में अस्फल रहता है और पालिसी को वहमत होने दिया जाता है तो छाट उन्द की जा सकती हैं।

1) नियोजक वृत्रास् प्रीमिणम के राया में वित्र प्राप्त किया कियी क्यीतकाम की पद्मा में उद्य मृत सदायों के नाम नियाधिकों या विधिक वारिसों को प्रसि यह छु या वी रही होती तो उपक स्कीम के जेनरीत होता तो दिल्ला स्थान के संयोध का उत्तरपाधिक नियोगिक पर होगा।

12. उसत स्थापना के सरन्यक्ष भें नियोजक इस स्कीम के असीन आने वाले विकास हास्य की मृत्यु होने पर उसके हरूदार राम निविधाती/विधिद्या गारिशों नो बीका हिन्स राधि का संवास तर्परता से और प्रत्येक वद्या में नारनीय जीवन विभा निगम से बीकाकृत राधि तत्परता से और प्रत्येक वद्या में भारनीय जीवन वीभा निगम से बीमाकृत राधि प्राप्त कोने के एक कहा के भीवर सुनिविध्य करोगा ।

जी के. मरवाह धांतीय भविष्य सिक्षि आयुक्त (मृ.)

### गर्ह दिल्ली, दिनांक १८ दिगमार 1997

मं 2/1959/डी. एल. शाष्ट्री/गाग-1/3345—प्रहों अगुस्की-1 में उरिकांकिए रिपोल्याओं हो (जिससे इसके प्रकान उसता स्थापना कहा गया है) क्लंपारी भविष्य निश्चि और प्रकार्ण उपकार अधिकारक, 1952 (1952

का 19) की धारा की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छुट के लिए आवंदन किया है (जिसे इसके इसके पश्चाल् उक्क अधिनियम कहा गया है ।

चृंकि केन्द्रीय भित्रिय निश्चि आयुक्त इस वात सं संतुष्ट हैं कि उक्त स्थारना के कर्मचारी कोई अजग अंशदान या प्रीस्थिम को अदायनी किए बिक्त जीवन बीमा के रूप में भारतीय - जीवन बीमा किए की सामृहिक बीमा स्कीन का लाभ उठा रहे हैं औ कि एमें कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षंप सहज्जूप बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्कीकार्य लाभी में अधिक अनुकृत हैं (जिमें एमके परचात स्कीम कहा गया हैं)।

धतः उधत अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) व्याप्त प्रदेश प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए सथा उनके साथ मंलग्न अनुमूची में उल्लिम्बर वर्ती के वनसार केन्द्रीय अधिक निर्धि आयुक्त ने प्रत्येक उकत स्थापना को प्रत्येक के रामने उल्लिखित पिछली तारीस से प्रभागी जिए तिथि से उकत स्थापना को श्रीय से उकत स्थापना को श्रीय परिचय निर्धि आयुक्त करेत ने रकीम की धारा 28 (7) के बातर्गत डील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उकत स्कीम के संभागन की छुट प्रदान कर दी है।

# अनुसूची---1

ऋ∘सं	० स्थापना का नाम स्रोर पता	कोड मं०	छूट की प्रभावी निधि	के० म० नि० आयुक्त की फाइल सं०
<u></u>	2	3	4	5
1.	. मैससं ई० आई० डी० पेरी (आई) लि०, फर्टीलाइ जर मिहिसरा वर्कम,पो० वा० न० 133, ्नागमपाडम, कोटयम—68 6001	केरल   1 68	1~11~8 9ू स 31-10-92	दीप्ट एल० आई०/8/1/96 केरल
2.		केरल∤ 1982	1-1-90 से 31-12-92- 1-1-93 से 31-12-95	डी० एल०  आई०/87/96 केरल
3-	ं में सर्स इन्टर नेंघनला होटल, एम० जो० रोड़, पो० जा० तं० 3563, इरनाकुल्लम, कोवीन –682035	केरल∫198 <b>9 एण्ड</b> 13513	1-10-92 स 30-9-95	डी़०एल० आ <b>ई०/8/2/9</b> 6 केरल
4.	. मैसर्स ओमाना थाप, एक्स० एल०/2670, ब्रोडबे, इंग्नाकुल्लम, क्षेचीन-682031	केरल   14188	1-5-90 ₹ 30-4-93	डी० एत्र∍ आई० / 8/9/96 केरल
\$-	. मैसर्स स्टिशीलए प्रिन्हा हस (प्रा०) लि०, 49/1849  इन्डापाली नार्थ कीचीन-68202 !	के रल/ 13568	179-93 A 314-5-96	8/8/9 <i>6</i> /केरल
6	. मैंसर्व जय ऐजेन्सीज, सी० सी० 38/260, टो० डी० डीट, इरताकृतम, कोचीन–682025	केरल/ 5 2 5 7	1-1-90 ने 31-13-93	ष्टी०, एलं० <b>आई०/8/4/96</b> केरल

## अनुसूची-2

- 1. उक्स स्थापना के सम्बन्ध में निर्माणक (जिसे इमकें परचात् निर्माणक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निर्मि आयक्त को एसी विवरणियां भेजेना और एसा लेखा-ोग्हा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सूविधाएं प्रदान करोगा जो केंद्रीय भविष्य निर्मि आयुक्त समय-समय पर निर्मिट करो।
- 2. नियंजक एरें निरक्षिण प्रभागे का प्रत्येक माम की समाप्ति के 15 विन के भीतर संवाय करेगा की केन्द्रीय स्वरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के कण्ड के अधीन समय-समय पर निवांक करें।
- 3. सामिषक बीमा स्कीम के प्रशासन भा जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता. विषयिणमी को पराज किया क्या की मा प्रीमिण्य का संवाय, लेखाओं का अन्वरण. निरीक्षण प्रभानी का मंबाय आदि भी हैं, होते बाले सभी व्ययं का नहन विजित्न बनावर किया जाएगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार व्यारा अनमे दिल साणि रही बीगा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जरू कभी उनमें संबंधित किया जाए, तब उस संबोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वहाँ संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुवाद स्थापना किस्तापट पर प्रविधित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधि-नियम के अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले ही सबस्य ह°, उसकी स्थापना में नियंग्रिस विया जाता हैं की नियंग्रिक सीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम त्रांत दर्ज करोगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन वीमा निगम को संबस्त करोगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियां को उनलब्ध नाभ वढाए जातं है तो नियोजक सामूहिक लीमा स्कीम के अधीन कर्मबारियों को उपलब्ध लाभी में साम्हिक रूप से विषय किए असे की व्यवस्था करोगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए नामिष्ण वीमा स्कीम के अधीन उपवन्ध लाभों से अधिक अन्काल हों की उक्त स्कीम के अधीन अनुवास हैं।
- 7. सामृष्टिक बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्य पर इस स्कीम के अधीन संबंध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निवाधिशतों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के वरावर राणि का संदाय करेगा।
- 8. सामिक बीमा स्कीम के उपवन्ती में केंग्ड भी गंडी में संतिष्ट क्षेत्रीय भविष्य निधि आधुनत तो पर्त अनुमोदन के तिया नवीं किया जीएगा और जहां निक्री संद्राधित से कर्मणिरणें के हिस पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो बहां क्षेत्रीय भिष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने के पर्य कर्मचारियों को अपना बिस्कांच समस्य करने का युक्ति-युक्त अवसर बेगा ।

- 9. यहि किसी कारणवेश स्थापना है कर्मचारी भारतीय हीवन बीना विगम की उस सामहिक दीमर स्थीप के किसे स्थाएत एवळे उहान धकी है अभीन नहीं उन जाला है या इस स्करित के अभीन कर्मचारियों को उहार को सानी निहरी पालि में अस हो जाए तो उनद की आ सकती हैं।
- 40 यहि किसी कारण तक एवं लियल आयील के शीलर जीवन जीवन जीवन किसा किया किया नियम नियस कर देशियम का संचार अवने के असफल रहता है। अभि यशिवासी को व्यवस्था लीने दिया जाता है तो खाट काद की जा सकती है।
- 11. निर्माणक ब्लारन प्रीमणम के संबंध में किए गए किसी लातियाम की बंधा में अप गह पत्रमी के नेट- निवर्षिकों को निविक्त वाणियों को स्वि अब काए में की गई बोटी नो जनमा स्थीए के अवस्थित अपेट सीया लाओं के मेंस्य का एक एक स्थीप के अवस्थित अपेट सीया लाओं के मेंस्य का एक सीया में पिराजक पर होगा।
- 12. उनत स्थापना के सम्बन्ध में निर्शानक इस स्कीम के आसीन प्राने वाले किसी सबस्य की भाय होते पर उसके तृकवार नाम निर्देशियों/विभिन्न निर्मा को बीमा हत राशि संबाध सन्दर्श में और प्रत्येक दशा में भागतीय जीवन बीमा निर्मा से वीमाकृत राशि तत्वरता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निर्मा से वीमाकृत राशि तत्वरता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निर्मा से वीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक बाह के भीवर स्निविधत करोगा ।

डी. के. मरवाह अंभीय शतिष्य निष्य आयु<del>गत</del> (मृ.)

मा. का. 2/1959/डी. एल आर्ड./भाग-1/3357— पहां अन्यकी 1 मां जिल्लिक्ट नियोजस्मुओं से (जिसे इसके इसके प्रचात जन्म स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भीवर्ष निधि और प्रकीिण उपदाध अधिनियम, 1952 (1950 का 19) की धारा वी अध्यास 2 (क) के अन्तर्गत छात के चिए आतेवल विष्या है जिस इसर्ग इसके एक्धात उक्त अधित्यम कहा गया है।

णिक केन्द्रीय भविषय निधि आव्यक्ष इस नाम में संलय्ह है कि व जिल्ह स्थापना के कर्मचारी लोई अलग लंगदान या प्रीक्षियम की अवस्थी किए विना जीवन बीमा के रूप में शारतीय जीवन बीमा. गिगम को सामित्क लीमा स्कीम का लाग जटा रही जीक एमें कर्मचारी के लिए कर्मचारी निश्रीय सहबद्दा लीका स्वीम. 1976 के जन्मचीत स्वीकार्य वाभी में अधिक अनुकृत हैं) । दिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया है।

असा जिस्सा अधिनियम की धारा 10 हमी जमभारा ? (क), महारा प्रदेश अधिनारों हम प्रयोग हर हो लगा स्था हम के गांध में तान असार में जिस्सा किया हम के गांध में तान असार में जिस्सा किया हम के प्रतिस्था किया हम के प्रयोग किया हम के प्रयोग को प्रयोग की प्रयोग किया विशेष में जनक स्थाएम हमें को बीम अभिया किया विशेष में जनक स्थाएम हमें को बीम अभिया किया विशेष स्थापन की क्षाय हमें को साम दें का गांध हमें को लगा हमें के दिनाम की का प्रयोग की प्रयोग की प्रयोग की स्थापन की हमें की अधिक के लिए असम उसा स्थापन की स्थापन की स्थापन कर से हमें ।

#### भनुसूची---1

हैं० सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	केट अर्थाण्या० फाइल स०
1.	मै० वदापलानी रिफ्तेक्टरी वर्क्स स० – 15, रेड्डी स्ट्रीट, विह्नमबक्सम, मद्रास600092	क्षेए 1/एउए :/ 3545	1-3-93 से 29-2-96 व 1-3-96 से 28-2-99	डी एन गाई   14 (73)   95 डिरोएन
2.	मै॰ होसक इन्डर्ट्ट्र्ज, 8–ए, वेपरे हाई रोड़, पैरियामेट, मद्रास–600003	टीएन/ 9353	1-10-37 स 30-9-90 र 1-10-90 से 30-9-93र 1-10-93 ने 30-9-96	डीज़्तत्र(ई /14 (114) Эउ'डोर्न
3,	मै० सेंडलर ण्ज प्रा० लि०, ए–23, गुवन्धी इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, मेंद्रास–600032	टीएन/26604	1-7-92 ते 30-6-95	्डी गुत्तग्रहें/14 (188) 96

# अन् सूची- 2

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसके पश्चाल् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि गायुक्त को एसी विकरिणमा भेजेगा और एसा लंखा-जोता रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करोगा जो कोन्द्रीय अविष्य निभि आयुक्त समय-समय पर निर्दिश्ट करों।
- 2. नियोजक एसे निरिक्षण प्रभारी का प्रत्येक माण की स्थापित को 15 दिन को भीतर संदाय करांगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खंड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अंतर्गत संखाओं का रखा जाना, विवरिणयों को प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीतेम-यम का संदाय, लंखाओं का अंतरण, निराक्षण प्रभारा का संदाय आदि भी है, होने बाले सभी व्ययां का वहन नियंजिक द्वारा किया भाष्मा ।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार व्यारा अनुमीवित सामृहिक मीमा स्काम क नियमों का एक प्री। आर जब कभी उनमें सर्वाधन किया जाए, तब उस सर्वाधन को प्रीत तथा कमचारिया की बहु-सस्या करें भाषा में उसको मुख्य बाता का उनुबाद स्थापना के समना पट्ट पर प्रविश्ति करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मधारी जी भविष्य निष्धि या उक्त अधिनयम के अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निष्धि का पहले ही सवस्य है, उसकी स्थापना में नियोधिक किया जाता 5-409GI/97

- है तो नियाजक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम गुरन्त दर्ज करणा और उसकी वाबत आवश्यक प्रीमियम भार-ती। जीवन बीमा निगम को सदस्त करणा ।
- 6. यदि उक्त स्कोम के अधीर कर्मचारियों को उपलब्ध साभ बढ़ार्य जाते हैं तो नियाजक सामृहिक दीमा स्कोम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध लागे में सामृहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करणा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए तामृहिक बीमा स्कीम के उधीन उपबन्ध लागों से अधिक अनुकूर हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्रेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्य पर इस स्कीम के अधीन संबंध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दबा में संबंध होती जब वह उक्त स्कीम के आधीन होता ते कि जिक कर्मचारी के विधिक बारिस/नाम निविधिकतीं को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बारावर राशि का संवाग करेगा ।
- 8 साम्हिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संघोधन संबंधित क्षेत्रीय भृषिष्य निर्मेध आयक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संघोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकाल प्रभाव पत्री की संभावना हो उन्ने श्री पाविष्य निधि आयक्त अपना अनुमेदन दुने के पूर्व कर्मचारियों को अपना इचित्रकाल स्थापन करने का युधिसायक्त अवसर दोगा ।
- 9. यदि किसी कारण्यक स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस मार्गेहर बीमा स्टीम के जिसे स्थापना पहले ही अपना चकी ही कथीन नहीं यह जाना है या इस कीम के अधीन कर्मबारिया को प्रान होने टाकी राशि किसी राशि से कम ही उच्च की छूट रद्द की जा सकती हैं।

- 10. यदि किसी कारणवश उस नियस तारील को भीतर जो जीवन थीमा नियम नियस कर प्रीरियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगस होने दिया जाता है सो छूट रद्व की आ सकती है।
- 11. नियाजक द्वारा प्रीमियम को संवाय में िका गये विना किसी व्यक्तिक्रम की बशा में उन मृत सदस्यों के नाम निविधित या विधिक वारिसों को यदि यह छुट न दी गई होती हो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते , बीमा लाभी के संदाय का उन्तरकायित्व नियंजक पर होगा ।
- 12. उसत स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अनि अने वाले किसी सदस्य की मृत्यू हों। पर असके एक द नाम निविधिक विधिक विधिक्त विधानकुत राशि का संदण सर्पन्ता से और प्रत्येक वजा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीप किस राशि आह होने के एक माह के भीहर सुनिध्यत करेगा।

डी के मरवाह भेत्रीय भविष्य निधि आध्यत (गृ.)

#### विनांक 22 दिसम्बर 1997

सं. 2/1959/डी. एल. आई/भाग-1/3366— जहां अनुसूची-1 में उत्तिलखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसकें गरचात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारो मिक्य निधि और प्रकोण उपवन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपवारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है जिसे इसमें इसके परचात उन्तर अधिनियम कहा गया है ।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस गात से संत्ष्य हुँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंश्वान या प्रीमियस की अवस्थिन किए विभा जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की साम्हिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जेकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निश्चेष सद्यवस्थ बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य नामों से अधिक अनुकृत है। जिल्हें इसमें इसके परचात स्कीम कहा गया है।

अतः जनन अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क), कारा प्रदत्त रिक्तयमें का प्रयोग करते हुए सथा इसके साथ संरूप अगराम प्रदत्त रिक्तियमें का प्रयोग करते हुए सथा इसके साथ संरूप अगराम में उल्लिखित कार्यों के अगराम के प्रयोग के प्राप्त के शामने उल्लिखित फिल्ली भारीख से प्रभावी जिल्ला किया कि से प्रयान स्थापना को क्षेत्रीय भिष्ण निधि आयुक्त, करेल में स्कीम की धारा 28 (7) के अल्लिक हील प्रदान की है. 3 वर्ष की अवधि के लिए उटत स्कीम के संन्यालन की छुट प्रदान कर दी हैं।

### थनुसूची-1

क∘ सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट की प्रभावीं तिथि	के० भ०नि० भाष फाइन सं०
1.	मै॰ नार्थं मालाबार ग्रामीण बैंक, हैड ग्राफिस पोस्ट बाक्स नं॰ 59, बैंक रोड, कन्नूर, कैरल-670001	<b>के</b> रल किके   4828	11095 से	डीएलग्राई / 8
			30-9-98	(31)97/韩禄
2.	मै० द कोजीको ह डिस्ट्रिक्ट को०-भाप० हास्पिटल लि०, न ० डी-2002 कालीकट-6	कैरल/केके/11352	1-1-88 से	ं डीए <b>लमाई</b> 8
		·	31-12-90 व	(32) 97 किके
			1-1-91 से	, ,
			31-12-93व	
			1-1-94 से	
			31-12-96	

### अनुसूची-2

- 1. उन्हें स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके परचात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भीवत्य निरिष्ठ आयुक्त को एसी यिवरणियां भेजेगा और एसा लेखा जीवा रचेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सूविधाए प्रवान करेगा की कोन्द्रीय भविष्य निरीध आयुक्त समय-सभय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रश्नीत सास की समाप्ति के 15 पिन के भीतर संवाय करेगा की केन्द्रीय सरकार उसत अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2—क) के खण्ड ॐ अधीन सभय-समय पर निर्वास करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीत के प्रशासन में जिसके जन्तर्गंत संखाओं का रखा जाना विवरिष्णुयों को प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लंखाओं का अन्तरण, निरक्षिण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी प्रयों का वहन नियोजन द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियंजिक, केन्द्रीय सरकार व्यारा अनुमेरिक्त सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहा-संख्या की भाषा भें उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट पर प्रविधित करेगा ।

- 5. यदि कोई एसा कर्मजारी जं भिषव्य निधि या उक्त अधिनियम के ज्यान छूट प्राप्त किसी स्थापना की भिषव्य निधि का पहले से ही सदस्य हो, उसकी स्थापना में नियोजिक किया जाता है तो नियोजिक सामृहिक नीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भार-सीय जीवन नीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उदस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाम बढ़ाये आते हैं तो नियांजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-बारियों को उपलब्ध लाओं में सामूहिक रूप से यृद्धि किए जाने की व्यवस्था करंगा, जिसमें कि कर्मबारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपबन्ध लाओं से अधिक अनूक्तूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशंध है।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेष राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय हाती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिस/नाम निदेशितों को प्रतिकार के रूप में बोनों राशियों के दराबर राशि का संदाय करेगा।
- 8. सामृद्धिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संबोधन संबंधित क्षेत्रीय मिवष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संबोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हों, वहां क्षेत्रीय मिवष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन वर्ग के पूर्व कर्मचारियों को अपना करिस्काण स्पष्ट करने का युक्तिहक्त अवसर वर्गा।
- 9. यदि किसी कारणबंध स्थापना के कर्मनारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सम्मित्क बीमा स्कोम के जिसे स्थापना पहले ही अपना चुकी हो, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मनारियां की प्राप्त होने धारी किसी राशि से कम हो जाये से यह रहद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी छारणदश उस नियत तारीख को भीतर थीं भारतीय जीवन बीना नियम नियस करों, प्रीक्षिपम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययमत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
- े 11. नियोजक द्वारा प्रीमियस के संवाय में किए गए दिना किसी व्यक्तिकम की वेश्व में उन मृत सदस्यों के नाम निद्रिक्ति या

विधिक वारिसी को यदि यह छूट म वी गई होती तो उनत स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा नाभों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकवार नाम निक्रितों/शिधिक बारिसों की बीमाकृत राशि का मंदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिध्यित करेगा।

ही. की. मरकाह क्षोमीय भविष्य निधि आयुक्त (मृ.)

सं. 2/1959/ही. एस. आह्र /भाग-1/3374— जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रक्षीण उपबन्ध अभिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत हूट के लिए आधेदम किया है (जिसे इसके एस्बात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूकि केन्द्रीय भिषय निभि आयुक्त इस नात से संतुष्ट हैं िन उत्तर स्थापना के कर्मचारी कोई अलग शंशवान या प्रीपिदम की अदयनी किए खिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जे कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निश्रेष सहबव्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाशों से अधिक अनुकर्ल है। (जिसे इसके इसमें पश्चात स्कीम कहा गया है)।

बार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क), द्वारा प्रवत्त शिक्तथों का प्रयोग करते हुए सथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शतों के अनुसार केन्द्रीय भिष्ठांव निधि आयुवत ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित फिछली तारीस से प्रभावी जिस तिथि से उन्त स्थापना को अधिय भविष्य निधि आयुक्त, करेरल ने स्कीम की धारा 28 (7) के अनगर्यत डील प्रदान की ही, 3 वर्ष की अवधि हो लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर दी ही।

### प्रनुसूची-1

ऋ०स ०	स्थापना का नाम देपता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के ० भ० ति० ग्रा० फाइल सं०
1.	मैं० वेदयामदम वेदयासला एण्ड नर्सिग होम, पो० आठै मेजायूर, थिरीथाला, 679534, पालघाट डी० टी०, केरल, इण्डिया	केरल <i> </i> केकें/11369	1-10-95 से 30-9-98	डीएलमाई/ 8/ 42/97
2.	मै॰ सेंन्चुरी हाउमहोंत्स इंड॰ एण्ड सेंन्चुरी प्लास्टिक केनीकत्स स्यतन्त्र थोजीलाली यूनियन वेटीकोड, पी॰ ओ॰ पूलेनचेरी, माजेरी-676122	<b>के</b> रल के <b>के </b> 11734	1-3-96 से 28- <b>2-9</b> 9	डीएलमाई/ 1 0/ 3 7/ 9 7  केम्रार

# अनुसुची-2

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पदसात नियं जक कहा गया हो सम्बन्धित क्षेत्रीय भविषय निधि आयुक्त को ऐसी विदरिषयां भंजेगा और ऐसा लेखा रक्षेगा हथा निरक्षिण के लिए एसी सुरिधाएं प्रदान करेगा जी केन्द्रोय भीक्ष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्विष्ट, कर्र ।
- 2. नियोजक एसे निरिक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति को 15 दिन को भीतर मंदाय कर गा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के बाधीन समय समय पर निद्रास्त्र अरौ।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशाहन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीक्रियम का संदाय लंखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजन द्वारा किया जायेगा ।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार व्यारा अनुमोदित साम् हक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब दभी उनमें संधीयन किया जारे, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्याकी भाषा भें उसकी मुखाबातों का अनुवाद स्थापना के स्चना पट पर प्रदर्शित करेगा ।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी ओ भविष्य निधि या उस्त अधि-नियम के अधीन छाट प्राप्त किसी स्थापना को भविषय निधि का पहले ही सदस्य ही, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता हैं तो नियोजक साम्हिय बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरुत दर्ज करोगा और उसकी शायत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन धीमा निगम कर्ग सदत्त करोगा ।
- 6. यदि उक्त स्क्रीम के आधीन कर्गना रहीं की उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं सी नियोजक साम्हिक बीमा स्कीम के आधीन कर्मचारि हो उपलब्ध लाभो से साम्हिक रूप से बृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपबन्ध लाभे से अधिक अनुकाल हार्रे जो उक्त स्कीम के आधीन अनुज्ञेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के आधीन संबंध, राशि उस राशि र कमें हैं जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के आधीन हो।। तो निशेजक कर्मचारी को विविक वारिस/नाम निवाँिक ती को प्रीतकार के रूप में दोनी राशियों के बराबर राशिका संदाय करेगा।
- 8. साम् हिक बीमा स्कोग के उपबन्धों में कोई भी मंश्रीयन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के छिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संबोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकाल प्रभाव पड़ने की सम्भावना ही वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना उनुमोदन दोने के पूर्व कर्मचारियों की अपना देख्य कोण स्पष्ट करने का युक्तिय्यंत अवसर देगा ।

- 9. यदि किही कारण वंश स्थापना के करीचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस साम्बेहक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले कपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्क्रीम के आधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वासी किसी रांदि से कम हो जाये तो रदद की जासकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवंश उस नियत तारीख के भीतर बीमा निगम नियत कर्र प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी की व्यवनन होने दिया जाता है ने छूट रद्य की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीम्यिम के संदाय में किये गये बिना किसी यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशतों या यिधिक बारिसों को यदि यह छाटन दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा. लाभों के संदाय का उस्तरवायित्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोज हस स्कीम के अभीन अपने बाले किसी सदस्य को मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निविधातौं/विधिक वारिकों को बीगाकृत राश्चि संवाय तत्यरहा रे और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवा वी ।। दिया से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्निविचत करेगा ।

डी. के. मरवाह क्षेत्रीय भविष्य निधि आय्वत (मृ.)

सा. का. 2/1959/डी. एल. आई/भाग-1/3382---अहां अनुसूची-1 में उत्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पर्का उनत स्थापना कहा ग्या है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकोर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आंवेदन किया है ·(जिसे इसमें इसके पटचात उक्त अधिनियम कहा गया है) ।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आगुक्त इस बात से संसुष्ट है कि उदह स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदादगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की साभूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जिन्क एसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षीय सत्रबद्दश्वीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों ह अधिक अनुकूल हैं। (जिसं इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क), द्वारा प्रदत्त शक्तियां का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ मलक अनुसूची में उल्लिसित शतों के अनुसार केन्द्रीय भीनव्या निधि आगुक्त ने प्रत्यक उक्त स्थापना को प्रत्येक **को** सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिर्धि से उन्त स्थापना को **क्षेत्रीय** भिविष्य निधि आयुक्त, मन्नाग ने स्क्रीस की धारा 28 को अन्तर्गत कील प्रदान कनी हैं. 3 वर्ष की अविदास की लिए उक्त स्कीम के संचालन की छाट प्रवान कर दी हैं ।

	_		
ग्रनस	षा	_	1
· 1 A	٠,		•

		•		
क∘सं∘	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी सिथि	कैं। भ० नि० ग्रा० काइन प्रा०
1	मं∘टी० टी० कुःणामाचारी एण्ड कं० € केथेडिरल रोड, पो० बाक्स 4918, चेझई— 400086	टीएन/2508	1-12-93 से 30-11-96	14/132/95/ डीर्नप्राई
<b>2.</b>	मै० सुन्दरम कलेटोन लि०, हडोबस रोड, चे <b>कई</b> -600006	टीएगं/4542	1-1-92 से 31-12-94	1 4/159/93/ओएन
3.	मैं० घाटोलेक इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०, प्लांट न ० ॥, एफ-8व 10, त्रिपकोट इण्डस्ट्रियल कम्पलेक्स, गोम्मीडीप्पेजी, 601201	टीएन 19349	1-8-87 पे 31-7-90 1-8-90 दे 31-7-93	14( 1,15) /93'टीएन
4.	मै॰ टी॰ अन्दुन वहीय एण्ड क ॰, (प्ट वियर डिबीजन बी यूनिट), 26वेपरे हाई रोड, चेकई-600003	टीएन   19704 बी	1−1−94 से 31−12−96	14 (157) / 96/ ष्टोर्नप्राई
<b>5</b> .	मै० थेजो ६ जीनियरिंग सविस (पा०) लि० नं० 11, ग्रायणा विस्कित ह्वाइटस रोड चेशई— 600614	टीएन/1729 <b>9</b>	1-3-93 से 29-2-96	14(160)/90/ डीएनप्राई
6.	मैं विक्षमी कारगो कं विविव् यूनिट-5, उसरी पकोर, राजा प्रकामलाई विस्थिग, 19, क्षमणी, लक्ष्मीपथी,रोड, एगमोर, चेक्षई- 600008	टीएन <b>/ 2</b> 6 <b>9</b> 16	, 1-2-95 से 8-1-98	डो एतं तःई  14  ( 156) 96 दोएन
7.	मै० यू० बी० गर्ना ओडक्ट्स लि०, मेक्कावल हाऊस, 3 सेकण्ड लाइन बीच, चेकाई—600001, प्राच—विस्ली व बम्बई	टीएन/30721	1-9-93 से 31-5-96	डीएलप्राई/14 (158)/96/टोर्न

# अनुसूची-II

- 1. जक्त स्थापना के संबंध में नियंजक (जिसे इसके परचात् नियंजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजना और ऐसा लेखा-जेखा रखेगा तथा निरीक्षण के निए ऐसी स्विधाएं प्रवान करेगा थां केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निविष्ट करें!
- 2. निर्याणक एसे निरक्षिण प्रभारी का प्रत्येक मास की सक्किश के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के बंब के अधीन समय-समय पर निर्वोध करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में विसके अंतर्गत लंबाओं का रहा जाना, विवरणियों को प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम् का सदाय, लेबाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संवाय आवि

# भी ही होने वाले संभी व्ययों का बहन नियंखिक ख्वारा किया जाएगा।

- 4. नियंजिक, केन्द्रीय सरकार ब्वारा अनुमीवित सामृहिक वीमा स्क्रीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संबोधन किया जाए, हव उस संबोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहू-संबंध की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सुचना पट्ट पर प्रविधित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो अविष्य निष्य या उक्स अधिनियम के अधीन छूट प्राप्य किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकों स्थापना में नियंजित किया जाता है सो नियंजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बावत आवष्यक प्रीमियम भार- तीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियाजक सामिहिक बीजा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से बृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के बधीन उपबन्ध लाभों से बाधक कर्मकृत हो जो उक्त स्कीम के आधीन बन्होय है।
- 7. सामृष्टिक बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी याँव किसी कर्मकारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेष साथा उस राशा उस राशा उस राशा में संवेप होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता से नियंजक कर्मकारी के विधिक वारिय/नाम निविधिक का प्रकार के रूप में सोनों राशियों के वरावर राशि का संवाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशाधित संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि श्राम्यत के पूर्व अनुमायन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से अर्मनारियों के हित् पर प्रतिकृत प्रभाव पहने की संभावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि बायुक्त अपना अनुमोवन बोने के पूर्व कर्मवारियों को अपना स्विष्य के पूर्व कर्मवारियों को अपना स्विष्य करने का युक्तियम्ब अवसर बोगा।
- 9. मीद किसी कारणवण स्थापना की पर्माचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस साम्हिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चूकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राणि से कम हो जाये तो रख्य की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणत्रश्च उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियस कर प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यवस्य होने पिया जाता है से छूट रहद की जा सकती है।

- 11. नियोजक द्वारा प्रीतियम को संवाय में किये गये विना किसी व्यक्ति कम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निवासितों या विभिन्न वारिसों को यि शह छूट नादी यहाँ होती तो उम्मत स्कीम के बन्तर्गत होते, वीमा लाओं के संदाय का उस्तरवायित्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजन इस स्कीम के आधीन आने वार्ल किसी सदस्य थी मृत्यु होते पर उसके हकदार नाम निविधिक विधिक विधिक वीमाकृत राशि संदाय नत्परता से बीर प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन कीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक नाह के भीतर सुनिष्ठित करगा।

डी. के. मरवाह भौतीय अभिष्य निधि जायक्त (मुख्यालय)

मं. 2/1959/डो एलः आई: -भार-1/3395— जहां अनुसूची-1 री जिन्छित नियोक्ताओं ने जिसे इसमें इसके पश्चात उल्ला स्थापना कहा गया ही कर्मचारी भनिष्य मिश्रि और प्रकीर्य उपर्यंश श्रीकिस्यम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपभारा 2 (०) के जन्मशित छोड़ के लिए आयेदन किया ही। (जिसे हैंसमी दुसकी पश्चात उद्धत अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भिष्ण निधि नाय्यत इस बार्स सं संस्पेट हैं कि उन्त स्थापना के कर्मचारी जोर्द अनय संघपान या प्रीमियम की अवस्थिन किए विना जीव्य जीवा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक वीसा स्त्रीम का नाभ उठा रहें हैं जोकि एमें कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षा सहबद्ध बीमा स्थीम, 1976 के उन्तर्यत स्वीकार्य लग्नों में विधव अनुकृत हैं। (जिम इसके पश्चात स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उसल अधिनियस की धारा 17 की उपधारा 2(क) ष्वारा प्रदत्त ए फिनको का प्रयोग करने प्राप्त तथा दनके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्ती के अनुसार केन्द्रीय भीवष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रायंक को सामने उल्लिखित पिछली तारीख में प्रभावी जिम निधि में उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, केरल ने स्कीम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत ढील प्रमान की ही, 3 वर्ष की अविध्य के लिए उक्त स्कीम के मंचालन की छूट प्रदान कर दी है ।

मन्सूची-1

		9 11		
<b>क</b> ० एं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	स्त्रूट की प्रमावी सिषि	के॰भ॰ नि॰ ग्रा॰ फाइन सं०
	2	3	<i>\$</i>	5
1 <b>‡</b> 0	सेन्ट थामस रेजिडेंशियल स्कूल	केरल/5531	1-3-89 सें	डीएनवाई/8
	लिक्स, स्रिवेन्द्रम-695005	,	29-2-92 व	(29)/97
	ता स्टेट		1-3-92 ₹	
			28-2-95	

	3	<b>.</b>	4	, 5
•	मै॰ कोशी-स उलेक्ट्रानिक्स सि॰, पोस्ट बाक्य नं ॰ २, तनजादी सिस्यका, कैरल-689105	केरन <b> </b> 10171	1-1-93 मे 31-12-95	डीएननाई/8/(33) 9 <b>7</b>  केरल
۱.	मैं० हिन्दुस्तात लेटेक्य लि०, श्रकुलम प्लांट, शीकोरियम, विक्याथपुरम695017	केरल/12655	1-4-94 से 31-3-97	धी रात गिईं /8¹ (30) 97∫के रख

# अनुसुन्ती-2

- 1. उक्त स्थापना के सकार में विशेषक (सिसे इसके प्रशास नियोषक कहा गया है) सकारिया क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विदर्शियमां भेजिय जीत ऐसा रोखा जोखां सुना तथा निरक्षिण के लिए ऐसी स्विधाएं प्रदान करेगा को केन्द्रीय भविष्य निर्धि आयुक्त समय समय पर निर्धिट करों।
- 2. नियोजक एसे निर्माशण प्रमाणी का 'एयेक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवात सरोग' को केन्द्रीय सरकार स्थत अधिनियम की धारा 17 की उथधारा (2-क) के खण्ड कें अधीन समग एयय पर निर्वाध करें।
- 3. साम्हिक बीवा स्टीत के प्रश्निष्य में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता जियर विशेष करितर किया जाता, वीमा प्रीमियम का गंवाय लेखाओं का अन्तरण जियिका प्रभारी का संबाय आदि भी है, होने वार्य सभी व्यक्षें का बहुन नियोजन मुंबारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, कियोज भरकार त्वारा अन्योदित सामृहिक बीमा स्क्रीम की नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया अपये, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वहां गंख्या की भाषा में उसकी सक्य वातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट पर प्रविक्ति करेगा ।
- 5. यदि कोई कम्बारी जो भिष्य निधि या उसत अधि-नियम के अधीन छाट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही स्टब्स है, उसकी स्थापना यो नियोगियन किया जाता है तो नियोजक सामहिक कीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसकर नाम श्रूक्त वर्ष करोगी और उसकी हास्त शहरूपक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संस्ता बारीमा ।
- 6: यदि उक्का स्टिल के अमिन कार्निकियों की उपलब्ध नाभ बताये जाने वें की निर्माणक सामितिक बीमन स्टिम के अमिन कर्मवाचित्र हो अमिन कर्मवाचित्र हो अमिन कर्मवाचित्र हो अमिन कर्मवाचित्र हो को उपलब्ध कराम की व्यवस्था करोगा, जिल्हा कि उपलब्ध लाओं से अधिक असीन उपलब्ध लाओं से अधिक असीन हों जो उक्का स्टिम के अभीन उपलब्ध हों।
- 7. साम्रहिक कीमा स्मीय भी किसी वात के हाते हाए भी मिट किसी रामकारी की सन्याग्य हमा स्कीम के अधीन संदोध

- राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदोय होती जब यह उदन स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक गारिस भाम निद्धितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों की वर्गावर राशि का संदाय करोगा।
- 8. सामृहिक धीमा स्कीम के उण्यन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पर्य अनुमोदन के जिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी मंशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़नें की सम्भावना हो वहां शेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना छिट काण स्पष्ट करने का गुक्तियवत अवसर वेगा।
- 9. यदि किसी कारणवंश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामिष्ठक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले जपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के बाधीन कर्मचारिशी को प्राप्त होने बाली किसी राशि से कम हो जाये तो रस्द की जा सकती हैं।
- 10. यिव किसी कारणवश उस नियत तारीक के भीतर जीवन बीमा निगम नियत करों प्रीमियम का संवाय करने में इसफल रहता है और पालिसी की व्यक्त होने दिया जाता है तो छूट ख्व की जा सकती है।
- 11. नियोजक वृक्षारा प्रीमियम के संवाय में किये गये किसी व्यक्तिकम की दमा में उन मन सदस्यों के नाम निविधितों या विधिक आरिसों की यदि यह छूट न वी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा जाभों के गंदाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उथत स्थापना के सम्बन्ध में नियंशक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मन्य होने पर उसके पहुंचर नाम निविधिक विरिधिक विरिधिक वीराक्ष की मान्य होने पर उसके पहुंचर से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन मीमा निगम से वीयाकृत राष्ट्रि धारत होने के एक माह के भीतर सुनिष्यित करेगा।

डी. के. मरनाह क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त (मृ.)

# RESERVE BANK OF INDIA

(CENTRAL OFFICE)

# (URBAN BANKS DEPARTMENT)

Mumbai-400 018, the 23rd December 1997

Ref UBD.No.BR 148/16-05-00/97-98.—The Reserve Bank of India in pursuance of Clause (a) of sub-section (6) of Section 42 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (Act No. 2 of 1934) hereby directs inclusion of the following banks

in the Second Schedule to the said Act, effective from January 30, 1998.

- I. Mapusa Urban Co-operative Bank Ltd., Mapusa, Goa,
- 2. The Ahmednagar Sahakari Bank Ltd., Mumbai,
- 3. Parsik Janata Sahakari Bank Ltd., Thane,
- 4. Janakalyan Sahakari Bank Ltd., Chembur, Mumbai,
- 5. The Kapol Co-operative Bank Ltd., Mumbai.

S. A. HUSSAIN Executive Director

# DEPARTMENT OF GOVERNMENT AND BANK ACCOUNTS, MUMBA!

In Pursuance of Rule 18 of the Rule made by the Government of India under Section 28 of the Public Debt Act, 1944 and Published in the Gazette of the 20th April, 1946 (as amended under the Notification No. F. (8)/70 B/52 dated the 29th April, 1954 and the Notification in extra ordinary Gazette No. 67 dated 21.1 February 1999) the following list for the month ended October 1997 is hereby advertised of securities lost etc. In respect of which prima facile ground exists for believing that the securities have been lost and that the claim of applicant is just. All Persons other than the respective claimants named below who have any claim upon these securities should communicate immediately with the Chief General Manager, Reserve Bank of India, Central Office, Department of Government and Bank Accounts, Central Debt Division, Mumbai.

The list has been divided into two Parts: List "A" being securities now advertised for the first time and list "B" the list of securities previously advertised.

# LIST 'A.

No. of security	Value in Rs./Grams	In whose name issued	From what date becaring interest	Name(s) of the claimant(s) for issue of duplicate and/or payment of discharge value	No. and date of order issued.
		NDGE	1980 'A' Seriest	(Chennai Circle)	
MS 001626	22 gms.	K.N. Gopala Kamna	th 20-1-1966	D. Narasimha Kamath	G M. Dairy No. 65 dated 16-10-1997
		-51/2	% Loan 2000 (Ca	alcutta Circle)	
CA 010064	Rs. 25000/-	Reserve Bank of India	Interest up- T to 22nd h lf- year has b e paid		File No. 1-2526 General Manager Order dated 5-12-97 vide Dy. No. LCO-74/97-98 dated 5-12-97
			LIST 'B.		
No. of security	Value	In whose name issue:	i Fron what date bearing interest	Nam:(8) of the claimant(8) fo issue of duplicate and/or payment of discharge value	r No. & Date of orders issued
		C	alcutta Circle		
		6.50	% Loan 2000		
CA-030562-565	R6. 25000/- each	Reserve Bank of India	Interest upto 20th half-year has been baid	The Chloride Employees Gratuity Fund	File No. 1-2518 General Man ger's order dt. 17-9-97 vide Dy. No. L.C.O. 44/97-98 dt. 13-9-1997
CA-000590	- Rs. 25,000/-	Do.	Do.	Do.	Do.
CA-000613	Rs. 50,000/-	Do.	Do	Do	Dω.

# DEPARTMENT OF FINANCIAL COMPANIES (CENTRAL OFFICE)

Calcutta, the 11to November 1997

No. 113/ED (G)/97.—The Reserve Bank of India, having considered it necessary in the public interest and being satisfied that, the purpose of enabling the Bank to regulate the credit system to the advangatage of the country, it is necessary to amend the Residuary Non-Banking Companies (Reserve Bank) Directions, 1987, hereby, in exercise of the powers conferred by Section 451, 45K, 45L and 451A of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) and all the powers enabling it in this behalf, directs that the said Directions contained in Notification No. DFC.55/DG(O)-87 dated the 15th May, 1987 shall, with immediate effect be amended as follows, namely:—

1. in the end of the proviso to paragraph 4A, after the words and figures 'non-refundable amount of Rs. 80/-' the following words shall be added:

"No such amount shall be collected on the deposits received under daily deposit scheme".

2. For paragraph 5 the following shall be substituted:

On and from 11th November, 1997, the amount payable by way of interest, premium, bonus or other advantage, by whatever name called, by a residuary non-banking company in respect of deposits received from that date, shall not be less than the amount calculated:—

- (i) at the rate of 8 per cent per annum (to be compounded annually) on the amount deposited in lump sum or at monthly or longer intervals;
- (ii) at the rate of 6 per cent per annum (to be compounded annually) on the amount deposited under daily deposit schemes.
- 2. Provided that where at the request of the depositor, a residuary non-banking company makes repayment of the deposit after the expiry of a period of one year but before the expiry of the period for which the deposit had been accepted,

the amount payable by the company by way of interest, premium, bonus or other advantage on such deposit shall be reduced by one percentage point from the rate which the company would have ordinarily paid by way of interest, bonus, premium or other advantage, had the deposit been accepted for the period for which such deposit had run.

S. GURUMURTHY Executive Director

# MINISTRY OF LABOUR

# EMPLOYEES PROVIDENT FUND ORGANISATION (CENTRAL OFFICE)

New Delhi-110 066, the 4th December 1997

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/3149.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.

AND whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance under the Group Insurance Scheme of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1926 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the power conferred by subsection 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt.  Notification vide which exemption was granted/ Extended	Date of expiry	Period for Exemption	C.P.F.C.
1	2	3	4	5	, 6	1
7	M/s. Sikaro Brothers Coal Sales (Pvt.) Ltd. 14B, Camac Street, Calcutta- 700017 alongwith its branches.	WB/11241	2/1959/DLI/Exem/89/ Pt-1 dt. 17-11-93	30-11-91	1-12-91 to 30-11-94	2/5115/WB/93
2. 1	M/s G D. Kumar & Sous, 14B, Camac Stree : 54 cutta-700017 alongwith its branches	WB/13565	Dà.	30-11-91	1-12-91 to 39-11-94	2/5117/DLI/93
3. N	M/s. Indias Coal Centre 14B, Camae Street, Calcutta-700017 slongwith its branches.	₩B/15207	Do.	30-11-91	1-12-91 to 30-13-94	2/5119/WB/93
4. N	M/s. Naresh Kumar Coal Sales Ltd., 14B, Campe Street, Calcutta-700017 along with its branches.	<b>WB/11925</b>	Do	30-11-91	1-12-91 to 30-1f-94	2/5116/WB/93
<b>5.</b> 1	M/s. Arjun Associates Pvt. Ltd., 14B, Camac Street, Calcutta-700017, alongwith its branches.	WB/14840		30-11-9f	1-12-91 to 30-11-94	
6. 1	M/s. Aurora Engineering Industries (I) Pvt. Ltd, 14B, Camac Street Calcutta-700017, alongwith its branches.	WB/18840	Do.	30-11-91	1-12-91 to 30-11-94	2/5122)/WB/93

1	·	3 3	4	4	6	7
7.	M/s. Hindustan Copper Ltd., 10, Campe Street. Calcutta-700017, alongwith its branches.	WB/15008	2/1959/DLI/Exem/89/ Pt-I dt, 11-1-92	1?-4-94	13-4-94 to 12-4-97	<u>,2/</u> 309/ <b>WB</b> /88
8.	M/s. MST C Ltd., 225-C. A.J.C. Bose Road, Calcutta-700020, alongwith its branches.	WB/12526	Do. dt. 11-10-92	7-1-95	8-1-95 to 7-1-98	2/613/WB/81
9,	M/s. Andrew Yulo & Co. Ltd., Yulo Houar 8, Dr. Rajendra Prasad Sarani, Calcutta-700001.	WB/5223	Do. dt. 11-1-92	11-11-93	18-11-94 to 17-11-94	2/149/ <b>WB</b> /78
0.	M/s. West Bengal State Electricity Board, Bidyut Bhawan, Block, D. J. Sector-II, Bidhan Nagar, Calcutta-700091.	WB/1870	Do. dt. 5-4-93	20-5-95	21-5-95 to 20-5-98	2/614/WB/81
1.	M/s. NGEF Limited, 7B Middleton Street, Calcutta-70007 alongwith its branch.	WB/15731	Do. dt. 17-10-92	13-10-94	14-10-94 t <sub>o</sub> 13-10-97	2/181/ <b>WB</b> /78

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15/ days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer Accounts, payment of isspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insuronce Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the scheme he less than the amount

that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference i the nominee(1)/legal heir(s) of the employee as compensation.

- 8. No amendment of the provisions of the Group Innurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishmenti of the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceases member who would have been covered under the sale scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurence Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitle for it and in any case within one month from the receipt claims complete in all respects.

D. K. MARWAH Regional Provident Fund Commissioner No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/3166.—WHEREAS employer of the establishments mentioned in Schedule-I hereinafter referred to as the said establishments) have pited for exemption under Sub-Section 2(A) of Section of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous rovisions Act. 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as a said Act.

AND WHEREAS. The Central Provident Fund Commissioner is optisfied that the employees of the said establishmis are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group nsurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India 1 the nature of Life Insurance which are more favourable

to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby' exempt each of the said mentioned establishments in schedule I from the date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the RPFC U. P. from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

# SCHEDUL-II

No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective Date of exemptio	C.P.F.C, File No.
1	2	3	4	. 5
Re P. C	s, Almora magnesite Ltd., sgistered Office Matela D. Billori-Pin-263630, stt., Almora (UP)	UP/4481	1-5-79 to 30-4-82, 1-5-82 to 30-4-85, 1-5-85 to 30-4-88, 1-5-88 to 30-4-91, 1-5-91 to 30-4-94 and 1-5-94 to 30-4-97.	15/20/DL1/96
/	s. Atul Engg. Udyog unhai, Agra-282006.	UP/14242	1-8-89 to 31-7-92 1-8-92 to 31-7-95 and 1-8-95 to 31-7-98	15/8/DLI/96
	s. Ganga Engineers Ram Bugh ra-282006.	UP/3546	1-2-90 to 31-1-93 and 1-2-93 to 31-1-96	15/5/ <b>D</b> LI/96

#### SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishent (hereinafter referred to as the employer) shall submit the returns to the Regional Provident Fund Commissioner neerned and maintain such accounts and provide such citities for inspection, as the Central Provident Fund Comssioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the ntral Government may, from time to time, direct under e (a) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said i, within 15 days from the close of every month.
- i. All expenses involved in the administration of the Group strance Scheme, including maintenance of accounts, subion of returns, payment of Insurance premia, transfer of
  xounts, payment of inspection charges etc. shall be borne
  the employer.
- The employer shall display on the Notice Board of the ablishment, a copy of the rules of the Group Insurance ame as approved by the Central Government/Central Proport Fund Commissioner as and when amended, alongwith islation of the salient features thereof in the language of majority of the employees.
- . Whereas an employee who is already a member of the sloyees' Provident Fund or the Provident Fund of an blighment exempted under the said Act, is employed in establishment the employer shall immediately admit him member of the Group Insurance Scheme and pay necespremium in respect of him to the Life Insurance Constion of India.

The employer shall arrange to enhance the benefits lable to the employees under the Group Insurance Scheme

- appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything centained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior applied of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable apportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to play the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(e)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

D. K. MARWAH Regional Provident Fund Commissioner

New Delhi-110 066, the 8th December 1997

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/3175.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (here-

after referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.

AND whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the power conferred by subsection 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

S. No	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt, Notification vide while exemption was granted/ Extended	Date o expir		
ļ	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. Methodist Hospital, Jai Singh Pura, Mathura-281003 (U.P.)	UP/5124	2/1959/E DLI/Exm,/89/ Pt. 1/dt. 13-5-93	31+10-93	1-11-93 to 31-10-96 & 1-11-96 to 31-10-99	2/5004/DL1/UP/93
2.	M/s. Quality Steel & Tubes Ltd., Bendki Road, P.O. Mauhar, Distt., Fatehpur, 212685 alongwith its branches.	UP/4926	2/1959/DLI/Exm./89/ dr.	28-2-92	29-2-92 to 28-2-95 & 1-3-95 to 28-2-98	2/597/DLI/UP/81
∄.	M/s. Hind Lamps Ltd., Shikohabad (UP) 205141.	UP/105	2/1959/DLI/Exem./89/ dt, 23-3-93	28-2-93	1-3-93 to 29-2-96	2/259/DLI/UP/81
4.	M/s. Raman Electricals, Agra Bye Pass, Near Krishna Nagar, Mathura-281004.	UP/6213	2/1959/DL1/Exm.189/ dt. 9-9-92	31-3-93	1-4-93 to 31-3-96 & 1-4-96 to 31-3-99	2/5560/DLI/UP/94
	M/s. Shriram Honda Power Equipment Ltd., Village & P.O., Bhigwara, Via Kichha-263148. Distt., Nainital, alongwith its branches,	UP/14060	2/1959/DLI/Exm./89/ dt, 7-3-94	24-1-93	25-1-93 to 24-1-96	2/5407/IÞLI/UP/94-
	M/s. U.P. State Spinning Co., Ltd., Amawan Road, Raeberill (UP) alongwith its branches	UP/6101	S-35014/81/XXX-SS. III dt. 17-9-84	16-9-87	17-9-87 to 16-9-90 & 17-9-90 to 16-9-93 & 17-9-93 to 16-9-96	2/1060/DLI/UP/84
	M/s. U.P. State Textile Corpn, Ltd., Spinning Mills, Kashipur-244713 Nainital.	UP/6723	S-35014/80/84-FPG dt. 6-9-84	5-9-87	6-9-87 to 5-9-90 & 6-9-90 to 5-9-93 & 6-9-93 to 5-9-96	2/1030/DLI/UP/84
8.	M/s. Tej Sheo Factory, John's Mills No. 3, Jeonl Mandi, Agra-282004.	UP/6607	S-35014/279/83-PF. II dt. 28-11-83	27-11-86	28-11-86 to 27-11-89 & 28-11-89 to 27-11-92	2/962/DLI/UP/83

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of Insurance premia, transfer of accounts payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall diplay on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner us and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable and the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of yiew.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

D. K. MARWAH Regional Provident Fund Commissioner

New Delhi-110 066, the 12th December 1997

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/3189.—WHEREAS the ployers of the establishments mentioned in Schedule-I (herefinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-vection (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provision Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.

AND whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to arch employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter reterring to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the power conferred by subnection 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of
the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C.
Notification No. and date shown against the name of each of
the said establishment and subject to the conditions specified
in Schedule II annexed hereto the Central Provident, fund
Commissioner hereby exempt each of the said establishments
from the operation of all the provisions of the said Scheme
for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SI. Name & Address of the No. Fstablishment				Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1	2	. 3	4	5	6	7
	M/s. Otis Elevator Co., (I) Ltd., Rehem Manslon No. 1, 42, Shahld Bhagat Singh Road, Mumbai-400001, alongwith its branches.	MH/4154- 2295	2/1959/DLI/Exem/89/ Pt-1 dt. 5-3-92	4-1-94	5-1-94 to 4-1-97	2/1125 <b>/DLI/</b> 84
2.	M/s, S.B. Billimoria & Co., Meher Chambers R. Kamani Road, Ballard(E) Mumbai-400038 alongwith its branches.	MH/5918	Do. dt. 2-7-92	28-2-93	1-3-93 to 29-2-96	2/2125/DLI/89

1 2	3 .	4	5	6	
M/s. Hoechst India Ltd., Hoechst House, Nariman Point, Mumbai-400021, alongwith as branches.	MH/4544/ 2566	2/1959/D11/Exe.a.,1.9 Pt.1 dtNil	21-9-87	22-9-87 to 21-9-90, 22-9-90 to 21-9-93, 22-9-93 to 21-9-96	2/54 <b>/DLI/77</b>
4. M/s. Music India Ltd Sterling Centre 2nd Floor, Dr. Annee Besant Road, Mumbai-400018. alongwith its branches.	MHJ4464	Do. dt. 10-12-90	28-2-93	1-3-93 to 29-2-96	2/934/DLJ/83
5. M/s. Philips India Ltd., Shivsagar Estate Block-A. Dr. Annee Besont Road. Mumbai-400018 (Formerly name M/s, Peico- Electropics & Electricals Ltd.)	мн/5105	Do. dt. 6-12-82	25-11-85	26-11-85 to 25-11-88, 26-11-98 to 25-11-91, 26-11-91 to 25-11-94 to 25-11-97	2/5/DLV/76

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such feturus to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the sald Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when immended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corpolation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal hefr(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, it any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nomine(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer
- 12. On m the death of the member covered under the Group Insurance Scheine, this life Insurance Corporation of India shall ensure promot payment of the sum assured to the nominec(s) Legal hir(s) of the doceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DEI/Exemp./89/Pt.I/3200,—WHEREAS The employer of the establishments mentioned in Schedule-L thereinafter refrect to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Comployees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS. The Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making my separate contribution or payment of premium, in eujoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees that the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinforter referred to a, the said Scheme).

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the RPFC Madras from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

S. No	Name & Address of the Este	Chale Ma	Phoning Date of Eventuion	C P F.C.'s File No
į	<u> </u>	3	4	· •
1.	M/s. Southern Group Industrie- (P) Ltd., Raja Annamulai Building, 19, Marshalls Road, Egmore, Madras-600008 (1 Branch),	TN/9774	1-3-96 to 28-2-99	DLA/14(253)/97
2.	M/s. Hatsun Milk Food Ltd 27, Pycrafts Garden Roud, Nungambakkam, Madras-600006.	12/10356	t 12 94 to 30-11-97	DL 1/14(251)/97
3.	M/s. Balmer Lawrie & Company Ltd., No, 32, Sattagadu, Village, Manali, Madras-600068.	TN/16719	1-2-94 to 31-1-97	DLI/14(252)/97
4.	M/s. Tiruttani Co-op, Sugar Mills I.td., Tiruvalangadu & Post Tiruttani Taluk. Chengai MGR District Madras-631210.	TN+19928	1-9-94 to 31-3 97	155 1/14(254)/97

# SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the, said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of Insurance premis, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary y emium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the cald scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the adminec(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as ulready adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to hipse, the excaption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of dafault, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominec(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s) legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

D. K. MARWAH Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Fxemp./89/Pt.1/3210.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.

AND whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits—under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance—Concertion of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinsfter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the power conferred by subsection 2(A) of Section 17 of the wild Act in continuation of the Government of Ladia, the Ministry of Labour C.P.F.C. Notification No and date shown cannot the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II nameted hereto the Central Provident Pund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

•			SCHEDULF-J		,	- -
	Name & Address of the Esti.	Code No.	No. & Date of Govt, Notification Vide which exemption was granted! extended	Date of expiry	Period for Exemption	CPFC's File No.
1.	M/s, St, Joseph's Press, Quality Printers Cotton Mill, Thiruvananth puram-695104	KR/1034	2/959/DLI/Exam/89 Pt, II/252, dt, 3-5-91	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93 & 1-3-93 to 29-2-96	2/3514/91/DLI
2.	M/s, S, Kodar Limited, Post Box No, 7, MG Road, Trivandrum-695001, Kerala	KR/1115-A	2/1959/DLI/Exam/89 Pt, 11/752 dt, 3-4-93	30-9-93	1-10-93 to 30-9-96	2/4466/92/DLT
3.	M/s, Hindustan Latex Limited Latex Bhavan, Poojapura, Trivandrum-695102	KR/3947	2/1959/DLI/Exam/'89 Pt, II/752 dt, 3-5-91	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/3509/91/DLI

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 7. The employer shall pay such inspection charges as the Control Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme. the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legil heir(s) of the employee as compensations.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for dayment of assurance benefits to the nomince(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

D. K. MARWAḤ

Regional Provident Fund Commissioner

- No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/3219.—WHEREAS The employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.
- AND WHEREAS. The Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of the Section 17 of the said Act and sub-ject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the RPFC Delhi from the operation of the said Scheme for a period of 3 years,

# SCHEDULE-I

S, Name & Address of the Estt,	Code No.	Effective date of Exemption	C.P. F.C. File No,
<ol> <li>M/s Super Circle Private Ltd,,</li> <li>B-45, Mayapuri Industrial Area.</li> <li>New Delhi-110064,</li> </ol>	DL/2628	1-1-91 to 31-12-93 & 1-1-94 to 31-12-96	3!8/97/DI.1
<ol> <li>M/s Himachal Fibres Ltd.,</li> <li>Community Centre, East of Kailash,</li> <li>New Delhi-110065.</li> </ol>	DL/9132	1-10-89 to 30-9-92	3/10/97/ <b>DI</b> .I

# SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the sailent features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a members of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme approprintely if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that should be navable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval give a reasonable apportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Cornoration of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.

- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said. scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the memoer covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s)/Legal heir (s) of the decessed member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

D. K. MARWAH Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/3227.--WHEREAS M s. Colorama Printers Pvt. Ltd., 7-1-19, Begumpet, 500 016 having a code No. AP/11579 have applied for exemption under sub-Section 2(B) of Section 17 of the Employees' Providen Funds & Mircellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHIREAS. The Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the staid establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Inturance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now. Therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2B) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions secified in Schedule-I annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt the above said establishments with retrospective effect from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner Andhra Pradesh from the operation of the said Scheme for a period of 3 years from 1-10-94 to 30-9-97.

# **SCHFDULE-II**

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regionn' Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Control Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said. Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the herefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the scheme be less thant the amount that should be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable apportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Cornoration of India and the policy is allowed to lause, the exemption shall liable to be cancelled

- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall casure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

D. K. MARWAH Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/3234.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that he employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner bereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said scheme has been granted by the RPFC Ahmedabad from the operation of the said scheme for a period of 3 yers.

#### SCHEDULE-I

S. Name & Address of the Establishment No.	Code No.	Effective date of Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1, M/s. Arvind Ind stries, Opp. I.S.P.L. Industries, Bhaynagar Road, Rejkot-360003 (Gujarat)	GJ/4438-C	1-7-91 to 30-6-94 & 1-7-94 to 30-6-97	4/3/97 /DLI
2, M/s, Industrial Oxygen Company Ltd., A-1!15, CDC, Vatwa, Ahmedaba'd-382445,	CJ/t10017	1-4-92 to 31-3-95 & 1-4-95 to 31-3-98	4/11/97/DLI
3, M/s, Rollers & Retainers Pvt. Ltd., 217, GUJ, Vepari Maha Mandal Industrial Est Odhay, Ahmedabad-382415.	GJ/23360 ate.	1-3-93 to 29-2*96 & 1-3-96 to 28-2-99	4/7/97/ <b>DL</b> I

- 1. The employer in relation to each of the said-establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- A The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the catablishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer she'l immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal herr(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group hasirance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the caid establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for may reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in pulment of premium the responsibility for payment of assu-

rance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Up in the death of the member covered under the Group Lisurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

D. K. MARWAH Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DL1/Exemp./89/Pt.I/3243.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedulc-I (fieremafter referred to us the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the power conterred by subsection 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto The Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

# SCHEDULE-U

S1.		Code No	No, and date of Govt. Notification vide which Evam, granted Extended	Date Expliy	Period for exemi-	C.P.F.C. File No.
1.	M/s. Bangalore Baptist Hospital, Bellary Road, Hebbal, Bangalore-560024,	K.N/5995	2/1959/DLI/Exom./ 89/Pt-1 dt. 17-11-93	31-12-90	1-1-91 to 31-12-93 and 1-1-94 to 31-12-96	2/6/KN/95
2.	M/s, Binarat Electronics Ltd., Jalahalli Post, Bangalore-560013	KN/946	S-35014/43/79-80 dt. 5-11-79	4-J1-82	5-11-82 to 4-11-85, 5-11-85 to 4-11-88 to 4-11-91 and 5-11-91 to 4-11-94	241/XN/78
3.	M/s, Mysore District Co-oo, Milk Producers Societies Union Ltd., Siddarthnagar, T. Naraship r Road, Mysore-570011, alongwith its branches,	<b>KN</b> /4155	S-350114/265/86-88 -II dt. 3-12-86	26-11-88	27-11-88 to 26-11-91, 27-11-91 to 26-11-94 and 27-11-94 to 26-11-97	

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (here natter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such factities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc, shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the estath is from topy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government, Central Provident Fund Commissioner is and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corpora on of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insutance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before given his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benifits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be hable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominec(s) Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case without one month from the receipt of claims complete in all respect.

D. K. MARWAH Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DL1/Exemp./89/Pt.I.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemp ion under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.

AND whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the power conferred by subsection 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annoxed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

S!		at Code No.	No. and date of Govt. Notification vide which exemption was granted/extended	Date of expiry	Period for exemption	C.P.F.C's File No.
1.	M/s. Karnataka Regional Engineering College, Hostel Mess Surathkal (D.K.) Sriniwasanagar-574157, Mangalore,	KN/5036	2/1959/DLI/Exem/89/ Pt-1/dated 7-4-93	31-12-91	1-1-92 to 31-12-94 and 1-1-95 to 31-12-97	2/4075/DLI/KN/92
2.	M/s, Manipal Institute of Technology, Manipa., D.K. 576119	KN/8208	Do, dt. 9-5-94	31-3-93	1-4-93 to 31-3-96 and 1-4-96 to 31-3-99	2/4660/DLI/KN/92

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (here nafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Grap Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the enaployer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case without one month from the teceipt of claims complete in all respect.

Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/3260.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the powers conferred by subsection 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establ shment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto. The Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said estab ishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

#### SCHEDUL-1

S.	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	Code No,	No, and Date of Govt, Notification vide which Exemption was granted/extended	Date of Expiry	Period for exemption	C.P. F.C. File No
1.	M/s. Ankur Textiles, O/o Raiour Gate, Ahsme aba 1-22	GJ/265	2/1959/DL1/Exem/89,Pt. dated 2-5-93	31-5-94	1-6-94 to 31- <del>51</del> 97	2/4298/ 92/DLI
2.	103/106, Naroda Industrial	GJ/4147	Do. dated 22-4-91	8-3-94	9-3-94 to 8-3-97	2/422/80/DLI
3.	Estate, Naroda Ahmedabad-382330.  M/s. The Manek chowk Co-op.  Bank Ltd., Jaymangal House,  Block-B, Opp, Gandhigram Rly.  Station, Ellisbridge, Ahmedabad-9.	GJ/4681	Do. dated 8-1-94	29-2-96	1-3-96 to 28-2-99	2/2762/90/DLI
4.	M/s. Semitronik Instruments, 17 CD, Archana Industrial Estate, Rakhial Road, Ahmedabad-380023.	GJ/11367	Do. duted 17-1-94	31-12-95	1-1-96 to 31-12-98	2/4158/92/DLI
5.		GJ/14606	Do. dated 27-1-94	31-10-95	1-11-95 to 31-10-98	2/3338/90/DLI
6.	M's Switchgears Systems, Plot No, 1110, Vithal Udyognagar-388121	GJ/23210 (Gujarat).	Do. dated 5-4-93	30-6-95	1-7-95 to 30-6-98	2/4797/92 <b>/</b> DLI

----

# SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Find Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Croup Instrance Schime, including r intenance of accounts, submission of returns, supment of insurance premia, transfer of and this, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to cohance the penefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the couployer shall poy the difference to the nominee(s) (Legal heir(s)) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Institute Schoole shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concorned and where any amendment is likely to effect advensely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before given his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benifits to employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Lite Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 1? Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s) Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case without one month from the receipt of claims complete in all respect.

Regional Provident Fund Commissioner

S.O. No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.1/3272.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I chereinafter referred to us the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) bereinafter referred to us the Said Act.

AND WHEREAS THE CENTRAL SOVIDENT FUND COMMISSIONER is satisfied that the colovees of the said establishments are, without making any parate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the GROUP insurance Scheme of the life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favorable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Sction (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund. Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule I from the data mentioned against each, from which data relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Surar (Gujarat) from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

S. No.	Name & Address of the Estt.	Codo No.	Effective date of Exemption	C.P.F.C. 's File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s. A'pha Dynamic Products Pvt. Ltd., Plot No. 5 & 6, Road No. 14, Post Box No. 3, Udyog Nagar, Udhna Surat-394210.	GJ/4528	1-3-96 to 28-2-99	4/68/97/DLI/
-	M/s. Indian Diamond Instituto, Katagram – G.I.D.C, Post Box No. 508 Surat-395008.	GJ/9465	1-8-95 to 31-98	2/69/97/DLI/
	M/s. Kleazaids Contamination Controls Pvt. Ltd., G.I.C.C. Industrial Area, Umbergone-396171. Dist. Valsad.	GJ/12320	1-3-96 to 28-2-99	4/70/97/DL1/
	M/s. M.R. Shah Primary school, Sardar Baug, Bardhli-2, Dist. Surat.	GI/13524	1-2-97to 31-1-2000	4/71/97/DLI/

1	2	3	4	<u></u>
5.	M/s. Geeta Prints Pvt. Ltd., 170 G.I.D.C., Pondesara Surat-394221.	GJ/238/67	1-3-97 to 29-2-2000	4/72/97/DLY/
6.	M/s. Be con Diagnostic Fvt. Ltd., 424, New G.J.D.C., Kabilpore, Navsari-396424,	GJ/24655	1-3-97 to 29-2-2000	4/73/97/DL1/
7,	M/s, Shri Kamret Vibhag Sahkari Khand Udyog Mandal Ltd., N.H. No. 8 at Navi Pardi-394150 Taluka Kamrej, Dist, Surat.	GJ/30054	1-2-97 to 31-1-2000	4/74/97/DL1*
8.	M/s. Ram Kabir Primary school /College Campus. Kamrer, Char Rasta, Dist Surat-394185.	GJ/30161	1-2-97 to 31-1-2000	4/75/97/DLI/
9.	M/s. Sumati Nath Enterprises, 201, Alpa Apartments, Bandugar Naka, Lat Darwara, Surat-395003.	GJ/30646	1-2-97 to 31-1-2000	4/76/97/DLI/
10.	M/s. K.P. Sangl. /i & Sons, 201, Alpa Apartmeuts, Bandugara Naka, Lai Darwara, Surat-395003.	GJ/30645	1-2-97 to 31-1-2000	4/77/97/DL1/
11.	M/s. Barmechas Impex Pvt. Ltd., N.H. No. 3, Grid Kabilpore, Navsarl-396424.	G77/30568	1-2-97 to 31-1-2000	4/78/97/DLI/

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinefter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspecion, his the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause(a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including mointenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the sailent features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the kmployees' Provident Fund of the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount tayable under the Scheme be less tilin the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall nay the difference to the nominec(s)/Legal heir(s) of the Fundayee his compensation.
- 8 No amendment of the provisions of the Group (assurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where fer any reason, the employer fails to pay the preor in etc. within the due date, as fixed by the Life Insupance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(a)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s) Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

Regional Provident Fund Commissioner

# New Delhi-110066, the 16th December 1997

S.O. No. 2/1959/DL1/Exemp./89/Pt.1/3289.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.

AND WHEREAS THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the GROUP Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Sction (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Madras from the operatic of the said Scheme for a period of 3 years.

# SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective date of Exemption	C.P.F.C.'s File No.
J.	M/s. Shiva Distilleries Limited, 27-B; Metrubalayam Road, Narasimhanaichenpalayam, Coimbatore-641031.	TN/21049	1-11-59 to 31-10-92 & 1-11-93 31-10-95	DLI/14(110)95/CBE/TN
2.	M/s. Mak India (P) Ltd., 122, Appuswamy Naidu Lay-out, Red Fields, Coimbatore-45.	TN/16021A	1-11-93 to 31-10-93 & 1-11-93 to 31-10-96	DLI/14(151)95/TN/
3.	M/s. Mak India (P) Ltd., 122, Appuswamy Naldu Layout, Red Fields, Coimbatore-45.	TN/16021	1-11-90 to 31-10-93 & 1-11-93 to 31-10-96	DLI/14/82/95

# SCHEDULE 11

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspecion, his the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause(a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme
- 7. Notwiths anding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the period approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insustance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption shall the flat of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s) Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

D. K. MARWAH Regional Provident Fund Commissioner

- S.O. No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I. 3298.—WHEREAS, the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.
- AND WHEREAS THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or pavment of premium, in enjoyment of benefits under the GROUP Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of Ipdia in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Sction (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under page 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Kerala from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

S. No	Nome & Address of the Estt.	Co le No.	Effective Date of Exemption	CPFC's File No.
1.	M/s. Hin Instan O ganic Chamic Is Ltd. Ambalamugat-682302, Ernakulam Distt. Kerala.	KR/13212	10-95 10 30 2498	D_[/8/(25)97 Ketala
2.	General Motors Kottayam-686001, Kerala	KR/15048	1-2-96 to 31-1-99	DL1/8(26)97

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspecion, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause(a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insudrance Scheme, if on the death of an employee the amount that would be payable had the employee the amount that would be payable had the employee shall pay the difference to the mominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect advensely the interest of the emoloyee. The Regional Provident Fund Group instance opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- . 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s) Legal heir(s) of the deceased mamber entitled for it and in any case without one month from the receipt of claims complete in all respect.

D. K. MARWAH Regional Provident Fund Commissioner

S.O. No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.1/3306.—WHEREAS, the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.

AND WHEREAS THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the GROUP Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Sction (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Madras from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

S. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C. File No.
1.	M/s. Ajanta Industries Crawford Tiruchirap Illi-620012.	TN/8001	1-10-89 to 30-9-92 & 1-10-92 to 30-9	
2.	M/s. Pholines & Process Equipments (P) Ltd. 17-19, Since Industrial Estate, Mathur-15 Padukkattai Dt.	TN/TR/19794	1-3-90 to 28-2-93 & 1-3-93 to 29-2-96	DLI/14(278)/97.
3.	M/s. Shrimathi Indira Gandhi College, Post Box No. 369, Chatram Bus Stand, Tiruchirapalli-620002.	TN/TR/27286	1-3-93 to 29-2-96	DLI/14(277)/97.
4.	M/s. Sree Arvindh Steel Ltd., Division-1, Rolling Mill, Unit D-92, 93 & 94, Industrial Estate, Thuvakadi-620015, Tiruchirapallii	TN/TR/27498	1-6-93 to 30-5-96 & 1-6-96 to 3099	: DLI/14(273)97

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act. within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before given his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benifits to employees under this Scheme are reduced, in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(a)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

D. K. MARWAH Regional Provident Fund Commissioner

# New Delhi-110066, the 17th December 1997

No. C.P.F.C. 1(4)/DL(1553)/96-2425-35:—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishment namely:—

S.No.	Code No.	Name & address of the estt.	Date of coverage
1.	DL/17595	M/s. Sarna Exports Ltd., B-31, Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi-110020.	1-1-96
2.	DL/17601	M/s. A.B.C. Services, D-124, Panchsheel Enclave, New Delhi-110017.	1-3-96
3.	DL/17603	M/s, Innova Packaging D-139, Okhia Industrial Area, Phase-I, New Delhi-110020.	1-2-96
4.	DL/17609	M/s. Arjan Singh & Co. T-183/1, Gali No. 4, Gautam Purl, New Seelam Pur, New Delhi-110053.	1-3-96
5,	DL/17678	M/s. Padampat Gopal Krishana Ramapati Organisation Ltd., Ambadoco Building, 8th Floor, 14, Kasturba Gandhi Marg. New Dolhi-110001.	1-4-96
6.	DL/17689	M/s. Swift Security Bureau  57, Rajdhani Enclave Pitampura, New Delhi-34.	1-8-95

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments

S.Q. No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/3325.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellancous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.

AND WHEREAS THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the GROUP Insurance Scheme of the Life Insurance Corpo-

ration of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Sction (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Madras from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

	•	SCHEDULE-I		
SI. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective date	C.P.F.C. File No.
1.	The Pondicherry Women Cottage Industrial Co-op, Seciety (Printing Press) Ltd. 49 vellala Street Pondicherry-605001.	PC/275	1-8-92 to 31-7-95	DLI/14(176)/96
2.	M/s. Certh India, 181 Gingee Salai Dubrvyapet Pondicherry-605001.	PC/279	1-3-95 to 28-2-98	DLI/14(174)/96
3.	M/s. Karpaneei Trust, 25 Govin L Chetty, Garden, Vanarpet, Pondicherry-605001.	PC/374	1-3-95 to 2%-2-98	<b>DLI/14(177)96</b>
4.	M/s. Chitralaya Trust. 10, Ilago Adigal Street, Vanraget, Pondicherry-605001.	<b>P</b> C/375	1-3-95 to 28-2-981	DLI/14(175)96
5.	M/s. English Indian Clays Ltd.  Kalitheer Thaikup am, Madagodipet, Mannadipet, Commune, Pondicherry-605107.	PC/543	1-11-94 to 31-10-97	DLI/14(178)96
6.	The Sim 300 Group Companies Employees Co-op. Society Ltd., 89, Harris Road, Madras-600002.	TN/5740	1-11-87 to 31-10-90 1-11-90 to 31-10-93 1-11-93 to 31-10-96	DLI/14(100)95
7.	M/s Kumar Brothers, P.B. No. 1905, 144 N.S.C. Bose Road, Madras-79.	TN/7556	1-3-92 to 28-2-95	DLI/14(152)95
8.	M/s. Malaysia Airlines, 6th Floor, Karumuth Centre, 498, Anna Salai, Madras-600035	TN/8785	1-2-95 to 31-1-98	DLU/14(140)/TN
9.	M/s Sunco Chemicals Ltd. 48-49 Industrial Estate, Ambattur, Madras-600058	TN/2363	1-3-93 to 29-2-96	DLI/14(172)/96
fo.	M/s. Turbo Energy Ltd., Pullvalam Village, Banavaram Post-632505, Sholinghur.	TN/23641	1-5-90 to 30-4-93	DLI/14(108)95
11.	M/s. SPIC Electronic System Limited. Plot Nos. 1, 2, 5 & 6, N. H. 7, MMDA Industrial Estate Maraimalai Nagar, Chengalpattu, M.G.R. Dist. Pln-603201	TN/26286	1-7-91 to 30-6-94	DLI/14(1212)95
12,	M/s. Atons Construction Products (P) Ltd., Plot No. B 49, (s) Sipcot Industrial Complex, Gummidipoondi-601201.	: fn/26695	1-8-94 to, 31-7-97	DLI/14(173)96
13.	M/s. Parry Engineering and Exports Limited. Post Box No. 12 324 N.S.C. Bose Road, Madras-600001	TM/30139	1-12-93 to 9-11-9 3	DLI/14 (10 '] 95/TN
14.	M/s. Taj Coromandel, 17, Nungabakham High Road Madras-600034	xBN/7755	1-4-92 to 31-3-95	DBI/14)89)35/TN/

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that should be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility (or payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s) Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

D. K. MARWAH Regional Provident Fund Commissioner

New Delhi-110066, the 18th December 1997

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/3345.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-In (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the RPFC Kerala from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

# SCHEDULE\_1

Si. No,	Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective Date of exmption.	C.P.F.C.'s File No.
1.	M/s. E.I.D. Parry (I) Ltd. Fertiliser Mixing Works, Post Box No 133, Naganapadom Kottayam-686001.	KR/168	1-11-89 to 31-10-92	DLI/8(1)/96/KR
2.	M/s. Devshi Bhanji Khona, P. B. No. 650, Subramanian Road, Kochi-682003.	KR/1982	1-1-90 to 31-12-92 and 1-1-93 to 31-12-95	DLI/8(7)/96/KR
3.	M/s. International Hotel, P.B. No. 3563, M.G. Road, Ernakulam, Cachin-682035.	KR/1989 & 13513	1-10-92 to 30-9-95	DLI/8(2)/96/KR
4.	M/s. Omana Shop XL-2670 Broadway Erna!: ulam, Cochla-682031.	KR/13168	1-5-90 to 30-4-93	DLI/8(9)/96/KR
5.	M/s. Sterling Print House (P) Ltd., 49/1849, Edappally North, Kochi-682024.	KR/13568	1-9-93 to 31-8-96	DLI <b>/</b> 8(8)/96/KR
6.	M/s. Jai Agencies, C.C. 38/260, T. D. Road Ernakulam, Cochin-682035.	KR/5257	1-1-90 to 31-12-93	DLI/8(4)/96/KR

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended. alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that should be payable had the employee been covered under the said scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and

- where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before civing his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any mode by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

D. K. MARWAH Regional Provident Fund Commissioner

No 271938/DH/Exemp./89/Ft7/357.— WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for examption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Bunds & Misselfaneous Provisions Act, 1932 (19 of 1932) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Control Provient Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore in evereise of the powers conferred by subsection (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Madras from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective Date of Exemption	CPFC's File No
1. M/s. Vadapalani Refractory Works, No. 15, Reddy Street, Virugambakkam, Madras-600092.	1'N/MS/3545	1-3-93 to 29-2-96 & 1-3-96 to 28-2-99	DLI/14(73)/95/TN
2. M/s. Hosak Industries, 8-A, Vepery High Road, Periamet, Madras-600003	TN/9353	1-10-87 to 30-9-96 & 1-10-90 to 30-9-93 & 1-10-93 to 30-9-96	DL1/14(114) 95/TN
3. M/s. Saddler Shoes (P) Ltd., A-23, Guindy Industrial Estate, Madras-600032.	TN/26604	1-7-92 to 30-6-95	DJ_1/14(188)/96

# SCHEDULE-12

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspecion, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt, may, from time to time, direct under clause(a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Schenie as approved by the Central Government/Central Provident bund Commissioner as and when amended alongwith thanslation of the sailent features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwiths anding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee, The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominec(s)/legal heir(s) of deceased, member who would have been covered under the said, Scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

D. K. MARWAH Regional Provident Fund Commissioner

# The 22nd December 1997

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/3366.—WHEREAS, the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act. Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore in exercise of the powers conferred by subsection 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of section (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Kerala from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

S. No.	Name & Address of the Estf.	Code No. Effective date of exemption		CPFC's file No.	
	M/s. North Malabar Gramin Bank, Head Office, P. B. No. 459, Bank Road, Kannur, Kerala-670001.	KR/KK/4828	1-10-95 to 30-9-98	DLU8(31)/97/KK	
2.	M/s. The Kazhikode District Co-Op. Bospital Ltd. No. D-2002, Calicut-6	<b>KR/KK</b> /11352	i-1-88 to 31-12-90 & 1-1-91 to 31-12-93 & 1-1-94 to 31-12-96	DLI/8(32)/97/KR -	

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspecion, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause(a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the rominee(s)/Logal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee; The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insulance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.
- 12. Upon the dehth of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DI1/Exemp./89/Pt.I/3374.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule-I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said scheme has been granted by the RPFC Kerala from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

## SCHEDULE\_I

S. No.	Name & date of the Estt.	Code No.	Effective Date of Exemption,	CPFC's File No.	
1.	M/s. Vaidyamadan Vaidyasala & Nursing Hom- Post Mezhattur, Trithala-679534 Palaghat Dt Kerala, India.	KR/KK/11369	1-10-95 to 30-9-98	DL1/8/(42)/97/KR	
2.	M/s. Contury Household Industries & Century Plastic chemicals, Swathanthra Thozilali Union Vettekude, P. O. Pullancherry, Manjeri-676122.	KR/KK/11734	1-3-96 to 28-2-99	DLI/8(37) 97/KI.	

# SCHEDUI,E-- II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of Accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commission, and who appended, alongwith translation of the solicut futures thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall Immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme if on the death of an employee the amount payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Co-poration of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of Ifidia shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

D. K. MARWAH
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/3382.—WHEREAS the employers of the estatblishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said scheme has been granted by the RPFC Madras from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

# SCHEDUL —I

S. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective date of Exemption	CPF.C. ' File No.	
1	. 2	3	4	5	
1.	M/s. T. T. Krishna machairi & Company, 6 Cethedral Road Post Box No. 4918. Madras-600086.	TN/2508	1-12-93 to 30-11-96	DLI/14/132/95	
2.	M/s, Sundram Clayton Branch, 8, Huddows Road Madras-600006	TN/4542	1-1-92 to 31-12-94	14/159/96/TN/	
3.	M/s. Autolec Industries Pvt. Ltd. Plant-II, F & S 10, Sipcot Industrial Complex Gummidipoendi-601201.	TN/19349	01-08-87 to 31-07-90 & & 01-08-90 to 31-07-93.	14/115/95/TN	
4.	M/s. T. Abdul Wahid & Co., (Foot Wear Division 'B' Unit), 26, Venery High Road, Madras-600003.	TN/19704-B	01-01-94 to 31-12-96	14/1 <b>37/96/TN</b>	
5.	M/s. Thejo Engineering Service (P) Ltd. Aysha Building, No. 41, Whites Road, Madras-600014.	TN/17299	01-03-93 to 29-02-96	14/160/96/TN/DLL/	

, <b>1</b> .	?	3	4	5
6	M/s. Lakshm Cargo Company Limited, 3rd Floor. Unit No. V. Raja Annamalai Building 19, Rukumani Lakshmipathy Road, Egmore Madras-600003.	TN/26916	01-12-95 to 31-01-98	14/156/96/TN/DL1
7.	M/s. U. B. Petro Products Limited. Mc Dowell House, 3, Second Line Beach, Madras-600001. (Branches Delhi and Bombay).	TN/30721	01-09-93 to 31-08-96	DLI/14/158/96/TN

CONTRACTOR OF STREET, STREET,

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act. within 15 days from the close of every month,
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be born by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the stablis'ment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident. Find Commissioner as and when amended along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefit admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that should be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominec(s)/legal heir(s) of deceazed member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sem assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

D. K. MARWAH.
Regional Provident Fund Commissioner

# The 23rd December 1927

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/PtJ/3395.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for examption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund, and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II amended hereto, the Central Provident Fund Commissioner into by exempt each of the said mentioned establishments in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the RPFC Kerala from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

# SCHEDULE\_I

Sl. No.	Name & Address of the Estt.	Cede No.	Effective date of Exemption	CPFC's File No.	
1.	M/s. St. Thomas Residential School Mukkhlakkal Trivandrum-695005, Kerala State.	KR/5531	1-3-89 to 29-2-92 & 1-3-92 to 28-2-95	DL1/8(29)/97/KR	
<b>"2.</b>	M/s. Koshy's Electronics Ltd., P. B. No. 2 Manjadi Tiruvalla, Kerala-689105.	KR/10171	1-1-93 to 31-12-95	DLI/8(33)/97/KR	
3.	M/s. Hindustan Latex Ltd Akkulam Plant, Sreckariyam Thiruvananthapuram- 695017.	KR/12655	1-4-94 to 31-3-97	DLI/8(30)/97/KR	

#### SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereluafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the eaid Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India. and the policy is allowed to lapse, the examination shall liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomines (s)/Legal heir (s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

D. K. MARWAH Regional Provident Fund Commissioner

# NATIONAL CAPITAL REGION PLANNING BOARD New Delhi, the 29th October 1997 CORRIGENDUM

Reference Notification No. A-12018/1/97-PMC/NCRPB, dated 17th June, 1997, regarding "Recruitment Rules and Assessment Scheme for NCR Planning Board staff", appearing in Part III, Section 4 of the Gazette of India dated August 30, 1997. The pay scale of Rs. 3000-45001, appearing in line 5 in para 2.3.1 Project Officer 'B' on page 2802 should read as Rs. 3000-4500 and in line 5 thereof, the word "2 years" should read as "8 years". Similarly, in para 6.1 on page 2805 pertaining to Group 'D' staff, pay scale appearing as Rs. 800-1500, should read as Rs. 800-1150".

OMESH SAIGAL Member Secretary

No, Wakf 45/Gen /Pub/Gazette/505/97:—In exercise of the powers conferred under section 27 of the Wakf Act, 1995 which are exercisable by me under the delegated powers by the Administrator, Punjab Wakf Board, under section 40 of the Wakf Act, 1995. Properties are hereby declared as Sunni Wakf:—

S. No.	Name of Wakf	Distt, / Tehsil	Village	Kh. No.	Area	Value	Nature and object of waltf	How the wake is administrated	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	Graveyard	Hissar / Hissar	Pabra		K — M 53—16	21,00,000/-	Religious	Under the management of Punjab Wakf Board Ambala Cantt.	Sunni Wakf
2.	Mosque	Ludhiana / Jagraon	Akal Garti Halwara	Total  E = W =	K M S 0-4-0 K-M Sarsai 0-3-5 0-7-5 50'-9" 50'-9" 40'-0"				
					225 —Sq, Yards	2,00,000/-	do	do	do
3,	Graveyard	Bhiwani / Bhiwani Khera	Kungarh .	213	K: M 218	2,80,090 /-	do	do	-do-

Note: S. N, I and 3 are graveyards according to jamabandi for the year 1982-83 and 1993-94, and S, No. 2 is Mosque according to sale deed dated 22-11-88 respectively. These have been entered in the Kitan-ul-Aukaf and registered as Wakf property under section 40 of the Wakf Act, 1995,

Sd./ Illigible
Executive Officer
Punjab Waki Board
Ambala Cantt.

# 'CORRIGENDUM

No. Wakf /45 | Gen / Pub / Corrigendum/54/97:—The following corrigendum is to be Published in respect of Wakf Properties, which had been Published in the Govt. of India Gazette Part III Section IV dated 15-1-72 in respect of Distt. Ambala due to printing mistake.

S. No.	S. No. of Gazette	Page No. of Gazette	S. No. of the Gazette with date	Distt / Tehsil	Village	Amendment
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1	121	528	3/15-1-72	Ambala / Barara	Duliana H.B.Ny. 87	In Col. No. 3 instead of Tehsil Ambala may be read as Tehsil Barara.
						In Col. No. 4 instead of village Tanguit may be read as village Duliana H.B. No. 87, and Khasra No. and area is the same as graveyard.

Sd./Illigible
Executive Officer
Panjab Wakf Board
Ambala Cantt

Entry at S. No. 122 is relates to Village Tangail H. B. No. 88, Tehsil Barara, Distt. Ambala,